रविवार

22 सितंबर 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

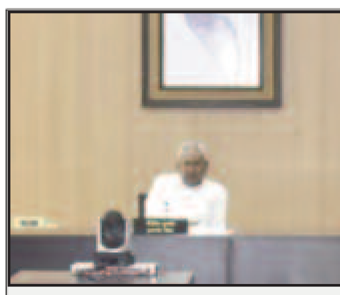

अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही नहीं हो : सीएम नीतीश 2

आर्थिक विकास और निवेश के बड़े अभियान का हिस्सा बन रहा उत्तर प्रदेश : मुख्यमंत्री योगी

- देश में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का सबसे बड़ा राज्य है यूपी
- भारत में बनने वाले मोबाइलमें 55 फीसद की हिस्सेदारी अकेले यूपी की

एजेंसी/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन के बल पर निवेश का सबसे आकर्षक गंतव्य बना उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्टेट है। भारत में बनने वाले मोबाइल फोन में 55 फीसद की हिस्सेदारी अकेले यूपी की है। देश में बनने वाला 60 प्रतिशत मोबाइल कम्पोनेंट भी उत्तर प्रदेश में ही बनता है। यह यूपी में निहित संभावनाओं की ही क्षमता है कि सैमसंग दुनिया का पहला मोबाइल डिस्प्ले यूनिट चीन से भारत और भारत में भी उत्तर प्रदेश में ले आया। आज प्रदेश देश में विकास और निवेश के अभियान का बड़ा हिस्सा बनकर उभर रहा है। सीएम योगी शनिवार को दोपहर बाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में सैमसंग इनोवेशन कैंपस द्वारा आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गोरखपुर विश्वविद्यालय और आईटीएम (इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट) के बीटेक के करीब 600 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से आठ छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 2017 और उसके पहले के उत्तर प्रदेश की परिस्थितियों से आहत दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी सैमसंग नोएडा की अपनी यूनिट बंद करना चाहती थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सैमसंग के अधिकारियों को बुलाकर बातचीत की। उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। ऐसा किया भी।ऽ इसका परिणाम हुआ कि 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून ने सैमसंग द्वारा बनाई गई दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री का उद्घाटन किया।

इंस्टिट्यूट से मिले ज्ञान को इंडस्ट्री से जोड़ना आवश्यक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इनोवेशन कैम्पस के लिए सैमसंग की सराहना करने के साथ अपेक्षा जताई कि जिन छात्रों को प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है, उन्हें सैमसंग की नोएडा यूनिट का भ्रमण भी कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे सैमसंग इनोवेशन कैम्पस से प्रशिक्षण प्राप्त 3500 छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ इंडस्ट्री की चुनौतियों को भी समझने का अवसर मिलेगा। इंस्टिट्यूट से मिले ज्ञान को जब तक इंडस्ट्री से नहीं जोड़ेंगे तब तक प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया मिशन को सफलता मिलने में कठिनाई होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिन भी पाठ्यक्रमों को जोड़ा गया है।

निवेश के बड़े अभियान का हिस्सा बन रहा यूपी

सीएम योगी ने कहा यूपी आज विकास और निवेश के बड़े अभियान का हिस्सा बन रहा है। 2017 में जब उनकी सरकार आई तो निवेश के लिए प्रयास शुरू किए गए। सुशासन की पहली शर्त होती है सुरक्षा। 2017 के पहले जब यूपी में व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं था तो उसकी पूंजी कैसे सुरक्षित रहती। इसे देखते हुए सरकार ने अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। उन्होंने कहा कि छह माह की कवायद के बाद इसमें लगी टीम ने बताया कि 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश हो पाएगा। कारण पूछने पर बताया गया कि यूपी इतना बदनाम था कि यहां कौन निवेश करने आना चाहेगा। पर, सरकार ने कानून व्यवस्था मजबूत करने के साथ अलग अलग 27 सेक्टर के लिए पॉलिसी बनाई। निवेश मित्र पोर्टल के जरिए 450 तरह की एनओसी के लिए एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराया। निवेश सारथी से एमओयू मॉनिटरिंग की व्यवस्था की और उत्पादन के बाद ऑनलाइन इंसेंटिव देने की व्यवस्था की। जिस प्रदेश में मुश्किल से 20 हजार करोड़ का निवेश हो रहा था, वहां 2023 में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले।

लॉ एंड ऑर्डर से यूपी को निवेश का हब बना दिया सीएम योगी ने : जेबी पार्क

सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने उत्तर प्रदेश को निवेश प्रदेश के रूप में परिवर्तित करने के लिए सीएम योगी की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर पर फोकस कर सीएम योगी ने यूपी को निवेश का हब बना दिया है। उनका मजबूत नेतृत्व और जीरो टॉलरेंस की नीति बेहद प्रशंसनीय है। सीएम योगी ने युवाओं की शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में बहुत गंभीरता से ध्यान दिया है। उन्होंने सैमसंग को यूपी में सपोर्ट करने के लिए भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। बताया कि सैमसंग इनोवेशन कैम्पस में कुल 3500 युवाओं में दो तिहाई युवा यूपी के हैं। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि भविष्य के नेतृत्वकताओं को तैयार करने की पहल है। कईएसएससीआई की सीईओ डॉ. अभिलाषा गौड़ ने बताया कि प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम गोरखपुर विश्वविद्यालय, सैमसंग, ईएसएससीआई और स्वदेश की तरफ से यह आयोजित हुआ है।

आठ कैबिनेट मंत्रियों ने ली शपथ, विभागों को हुआ बंटवारा, नंबर दो बने सौरभ भारद्वाज

सबसे कम उम्र व तीसरी महिला अतिशी ने ली दिल्ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

- राजनीतिक गुरु बने केजरीवाल: शपथ लेने के बाद आतिशी ने पैर छूकर लिया आशीर्वाद
- दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आठवीं मुख्यमंत्री के रूप में दिलायी शपथ

केटी न्यूज/नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में अब तीसरी महिला मुख्यमंत्री ने कमान संभाल ली है। राज निवास में आतिशी ने शनिवार शाम को 4.30 बजे सबसे पहले मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उन्हें सीएम पद की शपथ दिलाई है। आतिशी शपथ ग्रहण समारोह में नीली साड़ी पहनकर पहुंचीं। शपथ लेने के बाद अतिशी ने केजरीवाल के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आम आदमी पार्टी ने नेतृत्व परिवर्तन किया। केजरीवाल सरकार में शिक्षा मंत्री रहीं आतिशी ने दिल्ली की कमान संभाल ली। दिल्ली स्थित राज निवास में आतिशी के साथ पांच अन्य मंत्रियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। नई सरकार में गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत मंत्री बने हैं। दिल्ली में आतिशी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली इसके साथ ही उनके मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले प्रमुख चहरों को भी इसका हिस्सा बनाया गया। उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री समेत कुल छह मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। आतिशी ने आगे कहा कि फरवरी में चुनाव हैं अगर दिल्ली की 2 करोड़ जनता ने अरविंद केजरीवाल को अपना मुख्यमंत्री नहीं चुना तो उनकी मुफ्त बिजली बंद कर देगी, मुफ्त इलाज और महिलाओं का मुफ्त बस सफर बंद कर देगी। अब विधानसभा चुनावों तक मेरा यही काम रहेगा कि बीजेपी की साजिशों और उनके सीएम साहब की वजह से जो काम रूके, उन्हें पूरा कराया जाए। बीजेपी और उनके सीएम साहब ने दिल्लीवालों को परेशान किया। लेकिन, अब अरविंद केजरीवाल बाहर आ गए हैं, अब बीजेपी के सभी षड्यंत्र नाकाम होंगे। आतिशी ने कहा कि मैं, अपने बड़े भाई और राजनैतिक गुरु अरविंद केजरीवाल का शुक्रिया अदा करती हूं कि उन्होंने मुझे दिल्ली के लोगों की देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी है। अरविंद केजरीवाल ने राजनीति में नैतिकता और ईमानदारी की मिसाल पेश की है।

5 कैबिनेट मंत्रियों ने भी लिया शपथ

आतिशी का मुख्यमंत्री पद की शपथ लेना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आम आदमी पार्टी के लिए एक नई शुरूआत का प्रतीक है। उप-राज्यपाल वी.के. सक्सेना के समक्ष उन्होंने पद की शपथ ली, और इसके साथ ही पार्टी ने लगातार चौथी बार दिल्ली में सरकार का गठन किया है। नए मंत्रियों की टीम में गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत शामिल हैं, जो पार्टी के पिछले अनुभव को और मजबूत करेंगे। आतिशी का देश की 17वीं महिला मुख्यमंत्री बनना भी एक सकारात्मक संकेत है, जो महिलाओं के नेतृत्व को प्रोत्साहित करता है।

बोले राहुल... झूठ का सहारा लेकर मुझे चुप कराना चाहती है बीजेपी

केटी न्यूज/नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेरिका के दौरे को लेकर लगातार बीजेपी उन पर हमलावर है। बीजेपी आरोप लगा रही है कि राहुल गांधी ने अपने अमेरिका के दौरे के दौरान सिखों को लेकर विवादित बयान दिया है। बीजेपी के आरोपों पर आज राहुल गांधी ने सफाई दी है। राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा- भाजपा अमेरिका में मेरी टिप्पणियों के बारे में झूठ फैला रही है। मैं भारत और विदेश में रहने वाले हर सिख भाई-बहन से पूछना चाहता हूं- क्या मैंने जो कहा है उसमें कुछ गलत है? क्या भारत ऐसा देश नहीं होना चाहिए जहां हर सिख और हर भारतीय बिना किसी डर के अपने धर्म का पालन कर सके। बीजेपी पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि बीजेपी झूठ का सहारा ले रही है और उन्हें चुप कराना चाहती है क्योंकि बीजेपी सच्चाई बर्दाश्त नहीं कर सकती। हालांकि, राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि वो हमेशा भारत के मूल्यों - विविधता में एकता, समानता और प्रेम के लिए आवाज उठाते रहेंगे। राहुल गांधी ने क्या कहा था अमेरिका दौरे पर गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सिख समुदाय को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि भारत में सिख समुदाय को डर है कि उन्हें पगड़ी और कड़ा पहनने दिया जाएगा या नहीं। राहुल गांधी ने कहा कि यह चिंता सिर्फ सिखों की नहीं है, बल्कि सभी धर्मों के लोगों को है। उन्होंने कहा कि यह चिंता भारत में केवल सिख समुदाय को ही नहीं बल्कि सभी धर्म के लोगों को है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि बीजेपी को यह समझ नहीं आता कि देश सबका है।

झारखंड और महाराष्ट्र का दौरा करेगा निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग अगले हफ्ते महाराष्ट्र और झारखंड का दौरा करेगा। यह दौरा विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए होगा। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त होगा। झारखंड विधानसभा का कार्यकाल पांच जनवरी को खत्म होगा। जम्मू-कश्मीर में चुनाव पहले से चल रहे हैं। जबकि हरियाणा में पांच अक्तूबर को मतदान होगा।

पीएम मोदी अमेरिका पहुंचे, प्रवासी भारतीयों ने किया जोरदार स्वागत

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपनी तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा पर रवाना हो गए हैं। इस यात्रा के दौरान वे वार्षिक क्वाड शिखर बैठक में शामिल होंगे और संयुक्त राष्ट्र महासभा में समिट ऑफ द फ्यूचर को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होटल डू पोंट पहुंचे हैं। यहां भी प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया। यहां महिलाओं ने गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी। यहां वह क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। फिलाडेल्फिया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवासी भारतीयों ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान मोदी-मोदी के नारे गूंजते रहे। पीएम मोदी ने प्रवासी भारतीयों से मुलाकात भी की। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि मैं अपने घर डेलावेयर में प्रधानमंत्री मोदी, अल्बानीज और किशिदा का स्वागत करूंगा।

आठ हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के लिए केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 8 उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उनकी नियुक्ति के बारे में जानकारी दी। विदित हो कि न्यायमूर्ति मनमोहन (वर्तमान में दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश), दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश। न्यायमूर्ति राजीव शकधर (वर्तमान में दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश), हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत (दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश), मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश। न्यायमूर्ति इंद्र प्रसन्ना मुखर्जी (कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश), मेघालय हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश। न्यायमूर्ति नितिन मधुकर जामदार (बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायाधीश) - केरल हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश। न्यायमूर्ति ताशी रबस्तान (जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के न्यायाधीश) - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने है।

दाती महाराज पर चलेगा दुष्कर्म का केस

एजेंसी/नई दिल्ली

अदालत ने असोला स्थित शनि मंदिर के प्रमुख मदन राजस्थानी उर्फ दाती महाराज व उनके दो भाइयों के खिलाफ 2018 के दुष्कर्म मामले में मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। अदालत के पूछने पर दाती महाराज व अन्य ने अपराध स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें फर्जी मामले में फंसाया गया है और वे मुकदमें का सामना करेंगे। यह मामला उनके एक शिष्य की शिकायत पर दर्ज किया गया था।साकेत जिला कोर्ट स्थित विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट की जज नेहा ने मदन राजस्थानी और उसके दो भाइयों अशोक और अर्जुन के खिलाफ आरोप तय किए। कोर्ट ने एक आरोपी अनिल को बरी कर दिया है। अदालत ने आरोपी मदन राजस्थानी उनके भाई अशोक और अर्जुन आरोपियों से पूछा के उनके खिलाफ धारा 376, 377, 506 के तहत मुकदमा चलाने के पर्याप्त साक्ष्य हैं, क्या वे अपना अपराध स्वीकार करते है। तीनों ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों से इनकार किया और मुकदमे का सामना करने का तर्क रखा।इसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई 18 अक्टूबर तय करते हुए अभियोजन पक्ष को अपने गवाहों को पेश करने का निर्देश जारी किया। शुरूआत में फतेहपुर बेरी थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। बाद में जांच दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा को सौंप दी गई। दिल्ली हाई कोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की थी। बाद में सीबीआई ने भी चार्जशीट दाखिल की थी। 2018 में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया था कि पीड़िता के साथ 2016 में दुष्कर्म किया था।

सरकार तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) के संबंध में सही फैसला लेगी

बोले सीएम नायडू... तिरूपति प्रसाद पर लेगें विशेषज्ञों की राय

एजेंसी/अमरावती

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि तिरुपति के लड्डू में जानवरों के चर्बी वाले घी की मिलावट के आरोपों के बाद उनकी सरकार धर्मगुरुओं और विशेषज्ञों की राय लेगी। इस मामले में आगे क्या कदम उठाना है, वे इस पर चर्चा करेंगे। नायडू ने हाल ही में एनडीए की विधायक दल की बैठक के दौरान कहा था कि पिछले सरकार (वाईएसआरसीपी) ने वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने के लिए खराब गुणवत्ता वाली सामग्री और जानवरों की चर्बी का वसा इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि सरकार तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) के संबंध में सही फैसला लेने के लिए विशेषज्ञों से चर्चा करेगी। उन्होंने कहा, हम चर्चा कर रहे हैं कि आगे क्या करना है। साधुओं और सनातन हिंदू धर्म के विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद हम तय करेंगे कि अनुष्ठानिक शुद्धता कैसे बनाए रखी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने तिरुपति लड्डू की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, बहुत से लोगों ने बेहतर प्रसाद बनाने की कोशिश की लेकिन वे सफल नहीं हुए।

मंदिरों के रखरखाव का कार्य संत और धमार्चार्य करें, सरकार नहीं : शंकराचार्य

अयोध्या। गोध्वजा की स्थापना और रामकोट की परिक्रमा के लिए अयोध्या पहुंचे जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद में गाय की चर्बी व अन्य जानवरों की चर्बी और मछली का तेल इस्तेमाल किए जाने के मामले पर सरकार पर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि धर्म का कार्य धमार्चार्यो को करने दिया जाए। मंदिरों के रखरखाव का कार्य भी धमार्चार्य करें। सरकार को मंदिरों पर से अपना नियंत्रण खत्म कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं अयोध्या के सभी संत और धमार्चार्यों से अपील करता हूं कि वो खड़े हों और सरकार के हाथों में मंदिरों का नियंत्रण छीन लें। मंदिर धार्मिक व्यवस्था के अनुसार चलें। धमार्चार्यों को इस दायित्व को संभाल लेना चाहिए।शंकराचार्य ने कहा कि तिरुपति प्रसादम मामले में जो भी दोषी हैं। उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कठोर से कठोर दंड दिया जाना चाहिए। यह आपत्तिजनक है कि मंदिर में भगवान को इस तरह की चीजों का भोग लगाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी तिरुपति मंदिर से तीन टन लड्डू आए थे जिसका वितरण रामभक्तों को किया गया। लोग प्रसाद का लड्डू बांटकर खाते हैं। ऐसे में लड्डू में पड़े पदार्थ न जाने कितने लोगों के शरीर में चले गए। प्रसाद की पवित्रतता नष्ट होने से लोग आहत हैं।

बोले मंगल पांडेय... बिहार में 90 दिनों में खुलेंगे 110 अस्पताल

♦ अवैध अबॉर्शन क्लिनिक और अवैध अल्ट्रासाऊंड क्लिनिक होंगें बंद

केटी न्यूज/पटना

पूरे बिहार में 110 नए अस्पतालों का उद्घाटन होने वाला है। उसमें पांच जिला मॉडल अस्पताल भी बनेंगे। मंगल पांडेय ने कहा कि राज्य में कुल 69 एफआरयू कार्यरत हैं और जल्द ही 40 नए यूनिट कार्य करना शुरू कर दिए। स्वास्थ्य सेवाओं में ये यूनिट एक अभिन्न अंग के तौर पर कार्यरत हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने स्टॉफ नर्स की ट्रेनिंग पर फोकस करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य है कि दिसंबर 2024 तक राज्य में 50 प्रतिशत स्किल बर्थ अटेंडेंट हो। इसके लिए उन्होंने निर्देश दिया कि स्टाफ की ट्रेनिंग ज्यादा से ज्यादा कराई जाए। साथ ही मरीजों की जांच पर भी ध्यान केंद्रित किया जाए। पैथेलॉजी जांच की उपलब्धता बेहद महत्वपूर्ण है। इस दौरान पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट को सुचारू रूप से लागू करने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि अवैध अबॉर्शन क्लिनिक और अवैध अल्ट्रासाऊंड क्लिनिक को चिन्हित कर जल्द से जल्द बंद करने की कार्रवाई की जाए। इसके अलावा इस समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित मातृ एवं

शिशु स्वास्थ्य, मातृ - मृत्यु दर, जननी सुरक्षा योजना, आयुष्मान भारत और अन्य प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने इन कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। समीक्षा बैठक में अधिकारियों को सतत निगरानी और समर्पण के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। इस समीक्षा बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, सचिव संजय सिंह, बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड (बीएमएसआईसीएल) के एमडी धर्मेंद्र कुमार व राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत समेत राज्य स्वास्थ्य समिति व विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहें। 90 दिनों के अंदर लगभग 400 करोड़ की लागत से राज्य में 110 नए अस्पतालों का उद्घाटन होने वाला है। उसमें पांच जिला मॉडल अस्पताल समेत मातृ - शिशु अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर प्रमुख हैं। इस बात की जानकारी स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पटना के स्वास्थ्य भवन में आयोजित एक दिवसीय राज्यस्तरीय समीक्षात्मक बैठक के दौरान दी। मंगल पाण्डेय ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए विभाग तत्परता से कार्यरत है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में राज्य की जनता को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सीएम नीतीश कुमार की पार्टी की राज्य कार्यकारिणी का किया गठन

केटी न्यूज/पूर्णिया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के राज्य कार्यकारिणी का गठन किया गया है। कार्यकारिणी में सीएम नीतीश के करीबी नेताओं को जगह दी गई है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जदयू पूरी तरह तैयार दिख रही है। इसलिए चुनाव से पहले पार्टी ने सभी प्रकोष्ठों को भंग कर दिया है। पार्टी ने नए सिरे से सभी प्रकोष्ठों का गठन किया गया है। साथ ही सभी नेताओं विधानसभा चुनाव को लेकर कई दिशा निर्देश भी दिए गए हैं। 62 नेताओं को कार्यकारिणी में जगह

जदयू की 68 सदस्यीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार, कार्यकारिणी अध्यक्ष संजय झा, केद्रीय मंत्री ललन सिंह, वशिष्ठ नारायण सिंह, विजेंद्र प्रसाद याव, विजेंद्र प्रसाद यादव, विजय कुमार चौधरी, उमेश कुशवाहा, दशई चौधरी, चंद्रेश्वर प्रसाद चंद्र, विजय कुमार, संतोष कुशवाहा, दुलाल चंद्र गोस्वामी, अनिल प्रसाद हेगड़े, कविता सिंह, राम कुमार शर्मा, अश्वमेघ कुमार, अशफाक करीम, कैलाश बैठा, मनोज कुशवाहा, कृष्णनंदन वर्मा, चंद्रिका राय, शैलेश कुमार, मंजू वर्मा, श्याम बिहार प्रसाद, दिव्यांशु भारद्वाज, अभिराम शर्मा समेत 62 नेताओं को शामिल किया गया है। जदयू के प्रदेश सचिव रहे दिव्यांशु भारद्वाज ने कहा सभी मिलकर पार्टी को मजबूती से कार्य करें। ताकि बेहतर प्रदर्शन हो।

गृह विभाग के अधिकारियों के साथ हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही नहीं हो : सीएम नीतीश

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में गृह विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री को गृह विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने गृह विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भू-समाधान पोर्टल के माध्यम से भूमि जनित मामलों का निरंतर अनुश्रवण कर समाधान किया जा रहा है, जिससे भूमि विवाद में कमी हो रही है। पहले जितनी हत्याएं होती थी, उसमें 60 प्रतिशत हत्यायें भूमि विवाद के कारण होती थी, अब यह घटकर 46.69 प्रतिशत हो गई है। बैठक में गृह विभाग से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही न बरतें। गश्ती में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें, रात्रि गश्ती और तेज करें। रात्रि एवं पैदल गश्ती को और प्रभावी बनाने के लिये वरीय पदाधिकारी क्षेत्र में जाकर रात्रि में स्वयं औचक निरीक्षण करें। कानून व्यवस्था को बनाए रखने में सभी पूरी तन्मयता से काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि अपराध अनुसंधान कार्य में तेजी लाएं और इसे ससमय पूर्ण करें ताकि दोषियों पर जल्द कार्रवाई हो सके। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन मुस्तैदी से कार्य करें तथा अपराध नियंत्रण हेतु पूरी सख्ती से कार्रवाई करें।बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, गृह विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी, निदेशक सह महासमादेष्टा गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाएं शोभा अहोतकर, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, गृह विभाग के सचिव प्रणव कुमार, गृह विभाग की विशेष सचिव केएस अनुपम, पुलिस महानिरीक्षक सह अपर समादेष्टा गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा सुनील नायक तथा गृह विभाग के अपर सचिव अनिमेष पांडेय उपस्थित थे।

सूबे की सुरक्षा के लिए तेजी से की जाए पुलिसकर्मियों की बहाली

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पुलिस की संख्या बढ़ाने के लिए विभिन्न श्रेणियों में 2,29,139 पद स्वीकृत किए जा चुके हैं। 1,06,436 पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। शेष रिक्त पदों पर बहाली शीघ्र करें। कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका है जल्द-से-जल्द बचे हुए पदों पर पुलिस की बहाली होने से कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में और सहूलियत होगी। हमने वर्ष 2013 से ही पुलिस में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। अभी बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या लगभग 30 हजार हो गई है। बिहार पुलिस में महिलाओं की भागीदारी देश में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए निर्धारित 35 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर रिक्तियों को जल्द पूर्ण करें। असामाजिक तत्वों पर बनाए रखें नजर मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ने से थानों में जो महिलायें शिकायत लेकर आतीं हैं, उन्हें समस्याओं के समाधान में सहूलियत हो रही है और उनका आत्मविश्वास बढ़ रहा है। महिला पदाधिकारी एवं महिला पुलिस कर्मियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अलग से व्यवस्था की गई है। वर्ष 2005 में सरकार में आने के बाद से हमलोगों ने सभी क्षेत्रों में विकास का कार्य किया है। महिलाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उनको स्वावलंबी बनाने के लिए भी कई कार्य किए गए हैं।

तालाब में डूबकर दो सगे भाइयों की मौत, गांव में मातम का माहौल

♦ शौच करने के बाद तालाब में पैर फिसलने से दोनों गहरे पानी में डूबे

♦ मृतकों की पहचान विशुनपुर निवासी के रूप में हुई

केटी न्यूज/जहानबाद

जहानाबाद जिले में शौच के लिए तालाब किनारे गए मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत के बाद काफी देर तक परिवार वालों ने घटना स्थल पर बवाल काटा। दो सगे भाइयों की तालाब में डूबकर मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल बन गया है। दोनों भाई शौच के लिए तालाब के किनारे गए थे। इसी दौरान उनका पैर फिसला और दोनों तालाब में जा गिरे, जिससे दोनों की जान चली गई। घटना शकूराबाद थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव की है। मृतकों की पहचान विशुनपुर निवासी धर्मनाथ गिरी का 9 साल का बेटा सुमीत कुमार और 6 वर्षीय असमीत कुमार के रुप में हुई है। बताया जा रहा है कि शौच करने के बाद तालाब में पैर फिसलने से दोनों गहरे पानी में डूबने लगे। दोनों को डूबता देख उनकी बड़ी बहन ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जब कोई भी मदद के लिए नही आया तो वह खुद तालाब में अपने भाइयों को बचाने के लिए कूद गई लेकिन तीनों डूबने लगे। जिसके बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तीनों को पानी से बाहर निकाला हालांकि तबतक काफी देर हो गई थी। दोनों बच्चों को मखदुमपुर पाई बिगहा निजी नर्सिंग होम में इलाज हेतु परिजनों द्वारा लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर शकूराबाद थाना की पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उधर, ग्रामीणों ने तालाब को घेराबंदी करने की मांग को लेकर हं?गामा शुरू कर दिया। जिसके बाद मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को शांत कराया। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जहानाबाद भेजा गया है। पोस्टमार्टम उपरांत दोनों का शव परिजनों का सौंप दिया गया।

एक नजर

नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज में डाक्टरों का दो दिवसीय सम्मेलन समाप्त

पटना। अस्पताल में इलाज कराने आये मरीजों को संक्रमण से बचाने पर देश भर के चिकित्सकों ने दो दिनों तक गहन चिंतन किया। बिहटा के नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सम्मेलन का समापन हुआ। डॉक्टरों के इस सम्मेलन के समापन समारोह में बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में मरीजों को संक्रमण से बचाने के लिए डॉक्टरों की ये पहल सराहनीय है। डॉक्टरों को संक्रमण नियंत्रण के लिए नयी रणनीति अपनानी होगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि अस्पताल में होने वाले संक्रमण से निपटने के लिए न केवल तकनीकी समाधान का रास्ता तलाशा जाना चाहिये बल्कि बल्कि अस्पतालों की नीतियों और प्रबंधन में व्यापक सुधार की भी जरूरत है. विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार सरकार स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बना रही है ताकि मरीजों का बेहतर इलाज सुनिश्चित हो सके। डॉक्टरों के इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अध्यक्ष एमएम सिंह और एमडी कृष्ण मुरारी रहे। एमएम सिंह ने सम्मेलन के समापन पर यह घोषणा कि डॉक्टरों का ऐसा सम्मेलन हर साल आयोजित किया जाएगा, ताकि मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे। अनुसंधान और नये प्रयोग का आदान-प्रदान होता रहे। एमडी कृष्ण मुरारी ने सम्मेलन के समापन में कहा कि अस्पताल में होने वाले संक्रमण की रोकथाम के लिए नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज अस्पताल हर पहल करने को तैयार है। ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जा सके। सम्मेलन की अध्यक्षता बिहार चैप्टर की अध्यक्ष डॉ. नम्रता कुमारी और सचिव डॉ. प्रियंका नारायण ने की। अपने संबोधन में डॉ नम्रता ने कहा कि अस्पताल में संक्रमण का स्वरूप लगातार बदल रहा है। उससे निपटने के लिए नई रणनीतियों के साथ तैयार रहना जरूरी है। डॉ. कुमारी ने कहा कि अस्पतालों प्रबंधन को भी संक्रमण रोकने के लिए बेहतर प्रबंधन और आधुनिक तकनीक को अपनाना जरूरी है। इस सम्मेलन में आयोजन सचिव के रूप में नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आंध्र प्रदेश की छात्रा ने एनआईटी बिहटा कैंपस में किया सुसाइड, छात्रों ने काटा बवाल

केटी न्यूज/पटना

पटना में एनआईटी की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान आंध्रप्रदेश निवासी पल्लवी रेड्डी के रूप में की गई है। वह कंप्यूटर इलेक्ट्रॉनिक की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। पल्लवी रेड्डी के आत्महत्या करने की सूचना मिलते ही छात्रों ने इसकी जानकारी प्रिंसिपल को दी। एनआईटी प्रशासन ने घटना की सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमोर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मामला बिहटा थाना क्षेत्र के एनआईटी कैंपस की है। घटना के संबंध में बिहटा थानाध्यक्ष राज कुमार पाण्डेय ने बताया कि पल्लवी रेड्डी नाम की एक लड़की ने सुसाइड कर लिया है। उसने ऐसा क्यों किया, फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच चल रही है, फिलहाल कुछ भी कहना उचित नहीं है। फिलहाल छात्र हंगामा कर रहे हैं। पल्लवी के साथ रहने वाली छात्राओं का कहना है कि वह पूरे दिन हर दिन की तरह आज भी बहुत ही नॉर्मल थी। उसे देखने से ऐसा नहीं लग रहा था कि वह परेशान है। उनका कहना है कि पल्लवी जब परेशान नहीं थी फिर उसने ऐसा क्यों किया, यह समझ से परे है। छात्रों का कहना है कि इस मामले की जांच होनी चाहिए। पल्लवी की दोस्तों का कहना है कि वह पढ़ने में काफी तेज थी। इस घटना से हर छात्र-छात्राओं में आक्रोश है। पुलिस उन्हें समझा रही है लेकिन छात्र मानने के लिए तैयार नहीं हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस नेता के घर पर बदमाशों ने किया हमला

पटना। पटना में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि रंजन के घर पर बदमाशों ने हमला किया है। इस घटना में शशि रंजन घायल हो गये हैं। घटना दीघा थाना क्षेत्र के गेट संख्या 93 के पास की है। इस दौरान बदमाशों ने उनकी कई गाड़ियों को भी क्षति पहुंचाई है। पटना जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि रंजन का आरोप है कि घटना की सूचना स्थानीय थाना को दी गई, लेकिन पुलिस नहीं आई। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले इनके द्वारा एक युवक को पीटा गया था, जिससे उसका एक हाथ टूट गया था। इसी बात से आक्रोशित होकर स्थानीय लोग भड़क गये और इनपर हमला कर दिया। वहीं दूसरी ओर मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री को औरंगाबाद के एक पंडित ने बड़ी नसीहत

पौराणिक विधान से दिया जाए पिंडदान : धीरेंद्र शास्त्री

केटी न्यूज/ जमुई

पितृपक्ष मेला-2024 के दौरान भक्तो के पुरखों का पिंडदान कराने 26 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय धर्म नगरी सह मोक्ष नगरी गया आ रहे बागेश्वर धाम के सरकार पंडित धीरेंद्र शास्त्री को औरंगाबाद के एक पंडित ने बड़ी नसीहत दी है। उन्हे यह नसीहत औरंगाबाद के जम्होर के पास स्थित आदि गंगा पुनपुन के तट पर पितृपक्ष में पिंडदानियों को गयाजी में पिंडदान के पूर्व सर्वप्रथम पहला पिंड दिलाने वाले पंडित कुंदन पाठक ने दी है।

कहा है कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री अपने भक्तों के पुरखों का पिंडदान कराने जरूर गयाजी आए। लेकिन पुनपुन नदी में प्रथम पिंड दिलाने के पौराणिक विधान को नहीं भूले। यह भूल उनके भक्तों के लिए महंगा पड़ेगा। उनके भक्त यदि गयाजी में पुरखों का पिंडदान करने के पहले गया श्राद्ध तर्पण के प्रवेश द्वार पुनपुन नदी में पित्तरों को सर्वप्रथम पिंड नही देंगे, तो उनके द्वारा गयाजी में पुरखों को किया गया पिंडदान व्यर्थ चला जाएगा। यह उनके पुरखों को प्राप्त नही होगा और पुरखें अतृप्त रह जाएंगे। कहा कि धीरेंद्र शास्त्री अपने भक्तों के साथ इतना बड़ा अनर्थ नहीं होने दें। पंडित कुंदन पाठक ने कहा कि उन्हें दुःख इस बात का है गयाजी के सभी पंडे-पुरोहित यह भलीभांति जानते और मानते भी हैं कि पितृपक्ष में गया में श्राद्ध तर्पण के पूर्व सर्वप्रथम आदि गंगा पुनपुन में पित्तरों को प्रथम पिंड देने का पौराणिक विधान है, जो सदियों से चला आ रहा है। इसके बावजूद गयाजी के पंडे-पुरोहित पुनपुन नदी के बदले वहां के गोदावरी सरोवर में पूरक विधि से पिंडदानियों से उनके पित्तरों को प्रथम पिंड दिला देते है। पूरक विधान से पित्तरों को गया में प्रथम पिंड दिला देने से गया श्राद्ध दोषपूर्ण और अपूर्ण रह जाता है तथा यह पुरखों को प्राप्त नही होता है और वें संतृप्त नही होते है। इसलिए उनकी धीरेंद्र शास्त्री से करबद्ध प्रार्थना है कि भक्तों के पुरखों का पिंडदान कराने गया आने के पहले पुनपुन नदी के किसी भी घाट पर पित्तरों को पहला पिंड दिलाए। इसके बाद ही गया में विधि विधान से श्राद्ध तर्पण कराए। उन्होंने कहा कि बागेश्वर धाम के सरकार धीरेंद्र शास्त्री पिछले साल 2023 में भी पितृपक्ष में भक्तों के पुरखों का पिंडदान कराने गया आए थे। पिछली बार भी वें भक्तों के पुरखों को आदि गंगा पुनपुन में प्रथम पिंड दिलाने के धार्मिक विधान को पूरा कराने का दायित्व और कर्तव्य भूल गए। इस बार यह भूल न हो।

प्रजनन दर कम करने के लिए परिवार नियोजन के साधनों का इस्तेमाल अनिवार्य: सिविल सर्जन

- जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में परिवार नियोजन मेले का हुआ आयोजन
- स्थायी एवं अस्थायी साधनों का इस्तेमाल परिवार सीमित रखने में सहायक, नियोजन की सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर स्वास्थ्य विभाग तत्पर है। इस क्रम में 21 सितंबर को जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों पर नियोजन मेला का आयोजन किया गया। जिसके तहत जिले के सभी प्रखंडों में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर नियोजन मेले का उद्घाटन किया गया। जहां पर योग्य लाभुकों को परिवार नियोजन के अस्थायी साधन उपलब्ध कराए गए। वहीं, योग्य दंपतियों को नियोजन के स्थायी साधनों के लिए प्रेरित किया गया।

इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. अरूण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य की कुल प्रजनन दर तीन है, जबकि बक्सर जिला में यह 3.1 है। परिवार नियोजन के साधनों का इस्तेमाल को बढ़ावा देने के साथ प्रजनन दर को दो प्रतिशत लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए हर माह की 21वीं तिथि को जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों पर एएनसी जांच के साथ लाभुकों को परिवार नियोजन के अस्थायी साधनों में कंडोम, अंतरा गर्भनिरोधक सुई, छाया साप्ताहिक गर्भनिरोधक गोली, कॉपर टी एवं माला एन गर्भनिरोधक गोलियां उपलब्ध कराई जाती है।

यूपीएचसी के साथ एचडब्ल्यूसी पर लोगों को किया गया जागरूक : इस संबंध में सदर प्रखंड के स्वास्थ्य प्रबंधक प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि विभाग के निदेर्शानुसार सदर प्रखंड के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ साथ पंचायतों में स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स पर परिवार नियोजन का आयोजन किया गया। जिसमें यूपीएचसी पर नियोजन मेले का उद्घाटन चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. वीके सिंह ने रिबन काट कर किया। उसके बाद लाभुकों महिलाओं को कॉपर-टी के साथ अंतरा की सुई लगाई गई। वहीं, लाभुकों के बीच नियोजन के अस्थायी साधनों का वितरण करते हुए उन्हें स्थायी साधानों के इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया गया। लाभुकों को बताया गया कि "छोटा परिवार, सुखी परिवार" महज एक नारा नहीं है, बल्कि एक स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कुंजी है। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत सरकार द्वारा स्थायी एवं अस्थायी सेवाएं लाभुकों को निशुल्क उपलब्ध करायी जाती हैं। जरुरत है कि सभी योग्य दंपत्ति इनके बारे में जागरूक हों और अपने परिवार को सीमित करने के लिए इनका इस्तेमाल करें। मौके पर सीएचओ रौशनी कुमारी के अलावा एएनएम दिव्या कुमार, एएनएम संध्या कुमारी, एएनएम अर्चना सिन्हा आशा व अन्य लोग मौजूद रहे।

लाभुक चुन सकते हैं अपने पसंद के नियोजन के साधन

जिला सामुदायिक उत्प्रेरक हिमांशु कुमार सिंह ने बताया कि लाभार्थी अपनी पसंद और सुविधा के अनुसार परिवार नियोजन के लिए स्थायी एवं अस्थायी साधनों का चुनाव कर सकते हैं। स्थायी साधनों में महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबंदी द्वारा परिवार को सीमित रखा जा सकता है। महिला बंध्याकरण कराने पर उक्त महिला को 2000 रुपये प्रोत्साहन राशि सरकार द्वारा दी जाती है तथा उत्प्रेरक को भी 300 रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि अगर कोई महिला प्रसवोपरांत सात दिनों के अंदर बंध्याकरण कराती है तो महिला को 3000 एवं उत्प्रेरक को 400 रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाती है। सिविल सर्जन ने बताया कि पुरुष नसबंदी के लिए लाभार्थी को 3000 एवं उत्प्रेरक को 400 रुपये दिए जाते हैं। पुरुष नसबंदी एक सरल और सुरक्षित प्रक्रिया है और इससे कोई समस्या उत्पन्न नहीं होती है। ऐसे में पुरुषों को मिथक व भ्रांतियों को नजरअंदाज कर नसबंदी का चुनाव अनिवार्य रूप से करना चाहिए।

खबरें फटाफट

शराब लदी बाइक जब्त, तस्कर फरार

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर शराब लदी एक बाइक जब्त की है। बाइक के पीछे बंधे थैले से 135 पीस ब्लू लाइन देशी मसालेदार शराब बरामद हुआ है। हलांकि, तस्कर पुलिस को देख कुछ दूर पहले ही बाइक फेंक धान के खेत के रास्ते फरार हो गया। पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर उसकी पहचान इटाढ़ी के सुजीत कुमार यादव के रूप में की तथा उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है।

चोरी से बिजली जलाते पकड़े गए तीन लोग

नावानगर। बिजली कंपनी के अधिकारी ने लगातार बिजली चोरी करने वाले पर कार्रवाई के लिए छापेमारी करने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी के तहत नावानगर जेई विपिन किशोर ने कुकुरभूका गांव में छापेमारी किया। जहां तीन लोग चोरी से बिजली जलाते पकडे गए। पकड़े गए लोगों में मीटर बाईपास व टोका फंसाकर कर बिजली चोरी करने की जेई ने आरोप लगाया है। साथ ही सभी पर जुमार्ना की राशि निर्धारित कर वासुदेवा थाना में नामजद केस दर्ज कराया है।

पुलिस की मौजुदगी में नया भोजपुर सीएलएफ का खुला ताला

डुमरांव। नया भोजपुर सीएलएफ कार्यालय का ताला हड़ताल पर गई कर्मियों ने 15 सितंबर 24 को जड़ दिया था, तभी से कार्यालय के सारे कार्य बंद हो गए थे। परेशानी को देखते हुए सीएलएफ पुष्पा देवी की अगुआयी में कुछ कैडरों की दीदी एसडीओ राकेश कुमार के पास बिते शुक्रवार को पहुंच उनसे सारी बात बतायी थी। एसडीओ भी आश्चर्य में पड़ गए की इस कार्यलय से लाखों का डीलिंग होता है और बहुत सी महिलाएं इससे जुड़ काम कर रही हैं। उन्होंने इससे जुड़े सभी अधिकारियों और थाना को ताला खोलवाने में मदद करने के लिए आदेशित किया था। एसडीओ के आदेश के आलोक में शनिवार को नयाभोजपुर ओपी प्रभारी के संयुक्त तत्वावधान में सीएलएफ का ताला तोड़ा गया। फिर सभी कर्मी और सीएलएफ पुष्पा देवी की अगुआयी में कार्यालय में प्रवेश कर कार्य को निपटाया।

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने किया केशोपुर जलशोध संयत्र का निरीक्षण

जलशोध संयत्र को संपूर्ण रूप से चालू कर, जल्द शुरु करें जलापूर्ति: डीएम

- कनेक्शन रहित घरों में जल्दी कनेक्शन दे आपूर्ति बहाल कराने का दिया निर्देश
- बक्सर व सिमरी प्रखंडों के 214 वार्डों में की जानी है जलापूर्ति

केटी न्यूज/सिमरी

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने सिमरी प्रखंड के केशोपुर में बन रहे बहुग्रामी जलापूर्ति योजना का शनिवार को स्थलीय निरीक्षण किया। इस दोरान लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर के कार्यपालक अभियंता ने उन्हें बताया कि केशोपुर क्षेत्र में भू-जल में आर्सेनिक की मात्रा को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी एवं जन उपयोगी योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसका लाभ करीब 10 से अधिक की आबादी को मिलेगा।

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण प्लांट के प्रक्षेत्र का भ्रमण किया गया एवं जलापूर्ति की समीक्षा की। कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल ने बताया कि बक्सर एवं सिमरी के 214 वार्ड में गंगा जल की ट्रीटमेंट के बाद पेयजल आपूर्ति किया जाना है। बताया गया कि प्लांट चालू अवस्था में है एवं जलापूर्ति की जा रही है। लेकिन, अभी तक शत प्रतिशत घरों में जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है।

डीएम ने बक्सर व सिमरी बीडीओ को दिया निर्देश : जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी सिमरी एवं बक्सर को निर्देश दिया कि अपने प्रखंड अंतर्गत संबंधित वार्डों में हाउस होल्ड की संख्या ज्ञात कर लेंगे तथा संबंधित कर्मी एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कितने घरों में कनेक्शन है, कितना अवशेष है एवं कनेक्शन वाले घरों में से कितने में जलापूर्ति हो रही है, कितने घर बाधित है, का समीक्षा करते हुए अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

इस दौरान मौजूद रहे ये अधिकारी: निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल, डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार, कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर, प्रखंड सिमरी बीडीओ शशिकांत शर्मा, सीओ वीएस पांडेय एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने संयंत्र के कार्यपालक व कनीय अभियंतों को शत प्रतिशत आपूर्ति करने का दिया निर्देश

जिलाधिकारी ने लोक स्वास्थ्य प्रमंडल के कार्यपालक एवं कनीय अभियंताओं को कनेक्शन रहित घरों में जलापूर्ति का कनेक्शन दिलाने तथा जलापूर्ति बाधित घरों में मरम्मती कराकर जलापूर्ति कराने का निर्देश दिया। इस दौरान डीएम ने कहा कि पेयजल सभी की जरूरत है। लोगों को शुद्ध पेयजल मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि गंगा के तटवर्ती इलाकों में आर्सेनिक की समस्या काफी गंभीर है। जिसे देखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा इस महत्वपूर्ण योजना को शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ शत प्रतिशत घरों को मिलना चाहिए। इसके लिए सभी पदाधिकारी मिलकर तेजी से कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

क्षेत्र में जल स्तर घटने के बाद आने वाली चुनौतियों से रहें तैयार: जिलाधिकारी

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने शनिवार को सिमरी प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मातहतों से कहा कि अभी गंगा का पानी घटना शुरू हुआ है। पानी कम होने के बाद जो चुनौतियां आने वाली उससे निपटने के लिए तैयार रहना होगा। डीएम ने कहा कि पानी उतरने के बाद प्रभावित इलाकों में दवाओं का छिड़काव, संक्रामक रोगों के फैलने की रोकथाम तथा अन्य जरूरी कवायदें करनी पड़ेगी। इसके लिए सभी को तैयार रहना होगा। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को बाढ़ से फसलों तथा लोगों के घरों में हुए नुकसान का आंकलन करने को भी कहा। ताकी उन्हें जरूरी मदद पहुंचाया जा सकें।

बता दें कि जिले में अब गंगा नदी के जल स्तर में गिरावट होने लगी है। पानी घटने के बाद संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। बाढ़ के दौरान कई तरह के संक्रामक जीवों की संख्या बढ़ जाती है। इसके अलावे कीचड़ तथा गाद से भी तटीय इलाके के लोगों को परेशानी होती है। वही, बाढ़ में किसानों के सैकड़ो एकड़ में लगी फसल भी डूब गई थी। जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। खासकर दियारा इलाके में सब्जी की खेती करने वाले किसानों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।

एक नजर

रेडक्रास ने पीड़ितों के बीच बांटी राहत सामग्री

बक्सर। डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर रेडक्रास बक्सर ने गंगा के दियारा इलाके में बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया है। रेडक्रॉस की टीम ने बाढ़ क्षेत्र का निरीक्षण कर समिति के द्वारा प्रभावित इलाकों में बाढ़ प्रभावित्त गांव में घूम कर लोगों को राहत सामग्री उपलब्ध कराने का काम रेड क्रॉस के सचिव डॉक्टर श्रवण कुमार तिवारी की अध्यक्षता में की किया गया। इस दौरान करीब 30 चिन्हित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की गई। मौके पर आपदा प्रभारी राजीव कुमार सिंह, रेड क्रॉस स्कूटीव कमेटी के मेंबर सह नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नियमतुल्लाह फरीदी, रितेश उपाध्याय, रेड क्रॉस कार्यालय सहायक अवधेश कुमार, चंद्रकांत निराला, बबलू उपाध्याय आदि उपस्थित रहे। बता दें कि रेडक्रॉस पीड़ित मानवता की सेवा दशकों से करते आ रहा है। इस बार भी बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच रेडक्रॉस ने राहत सामग्री का वितरण कर मानवता के प्रति अपनी संजीदगी दिखाई है।

एसपी ने पत्नी के साथ संग्रहालय का किया दौरा

बक्सर। जिले के नए पुलिस कप्तान शुभम आर्य और उनकी धर्मपत्नी ने शनिवार को सीताराम उपाध्याय संग्रहालय में पहुंच मृण्मूर्तियों का अवलोकन किया गया है। संग्रहालयाध्यक्ष डॉ शिव कुमार मिश्र द्वारा संगृहीत प्रत्येक पुरावशेषों तथा बक्सर जिला के पुरास्थलों एवं धरोहरों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। आरक्षी अधीक्षक के साथ उनकी धर्मपत्नी ने भी सभी सामग्रियों के विषय में विशेष रूप से जानकारी प्राप्त की। म्यूजियम में संगृहीत कुषाण काल से लेकर पाल कालीन प्रस्तर प्रतिमाओं के अलावा बक्सर एवं चौसा के पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त मृण्मूर्तियों के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। संग्रहालयाध्यक्ष ने बताया कि संग्रहालय का आकर्षण इसका फोटो प्रदर्शनी है जो हाल में प्रदर्शित की गई है। इसमें बक्सर, भोजपुर के धर्मस्थलों के अलावा वैशाली, विक्रमशिला, चम्पारण के अशोक के स्तंभ लेख, भगवान बुद्ध के जन्मस्थल लुम्बिनी एवं कुशीनगर स्थित महापरिनिर्वाण स्थल, मसाढ़ के देवी देवताओं की मूर्ति एवं जैन मंदिर आदि के फोटो को प्रदर्शित किये गये हैं। इसके साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा स्थापित भितिहरवा आश्रम, चम्पारण सत्याग्रह, भोजपुर कोठी स्थित नील का कारखाना एवं नील तैयार करने की भठ्ठी, अमर शहीद बाबू वीर कुंवर सिंह स्मृति संग्रहालय, जगदीशपुर,आरा हाउस, राजपुर का किला, देवढिया सूर्य मंदिर एवं सिताबपुर देवी मंदिर के अलावा अनेक हेरिटेज बिल्डिंग के फोटो भी प्रदर्शित हैं। इनके विषय में भी विस्तार से चर्चा की गई।

अंशकालिक कैडरों द्वारा जड़ा ताला एसडीओ के निर्देश पर खुला

डुमरांव। अपने ही पदाधिकारी के पिटाई को लेकर सुर्खियों में आया नया भोजपुर स्थित हरियाली जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ में जीविका के अंशकालिक कैडरों द्वारा जड़ा ताला शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार के निर्देश पर खुला गया। एसडीओ ने इस संदर्भ में अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा थाना अध्यक्ष को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। शनिवार को हरियाली जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ नया भोजपुर में जीविका के अंशकालिक कैडरों द्वारा जड़ा ताला नया भोजपुर थाना के देखरेख में खोला गया। कार्यालय का बंद ताला खुल जाने से जीविका से संबंधित कार्य के निष्पादन में सहूलियत आएगी। अनुमंडल पदाधिकारी ने अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा थानाध्यक्ष को निर्देश दिया है कि ऐसी शिकायत कहीं भी मिलने पर तत्काल हस्तक्षेप करें तथा जीविका के कार्य को प्रभावित नहीं होने दें। उल्लेखनीय है कि जीविका के अंशकालिक कैडर अपने मानदेय बढ़ोतरी की मांग को लेकर पिछले दो सितंबर से पूरे राज्य में हड़ताल पर चल रही है। अपने हड़ताल के समर्थन में अंशकालिक कैडरों ने नया भोजपुर स्थित हरियाली जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ के कार्यालय पर ताला जड़ दिया था। जिस चलते कामकाज प्रभावित था। सीएलएफ अध्यक्ष पुष्पा देवी ने बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार के हस्तक्षेप पर कार्यालय का बंद ताला खुल गया है।

स्कूल जा रही शिक्षिका की बाइक से गिरकर मौत, गांव में पसरा मातम

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के जलहरा-रसेन मार्ग पर बाइक से गिरकर एक शिक्षिका की मौत हो गई। शिक्षिका परीक्षा ड्यूटी के तहत स्कूल जा रही थी। तभी बाइक में उसकी साड़ी फंस गई। जिससे वह सड़क पर गिर कर गम्भीर रूप से जख्मी हो गई। जिन्हें इलाज के लिए वाराणसी ले जाने के क्रम में मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार इन नों सरकारी विद्यालयों में वर्ग एक से आठ तक के छात्रों की अर्धवार्षिक परीक्षा चल रही है। पहली बार सरकार ने अपने मूल विद्यालय से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर दूसरे विद्यालय में शिक्षकों की ड्यूटी लगायी है। इसी के तहत कथराई मध्य विद्यालय में कार्यरत कथराई निवासी शिक्षिका कंचनमणी की ड्यूटी मानिकपुर लगी थी। इसी के तहत शनिवार को शिक्षिका अपने घर के परिजन के साथ बाइक पर सवार होकर मानिकपुर प्राथमिक विद्यालय ड्यूटी करने जा रही थी। वह जलहरा रसेन पथ से होकर मानिकपुर की तरफ जा रही थी। जैसे ही वह अहियापुर गांव के समीप पहुंची उसी समय अचानक उनकी साड़ी बाइक में फंस गई। बाइक गति में होने से उलझ कर वह बाइक से नीचे गिर पड़ी। जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें उठाकर जलहरा किसी निजी क्लीनिक में भर्ती कराया। वही इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। घटना की सूचना पर पहुंचे उनके पति सिकंदर कुमार ने डा की सलाह पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ले जा रहे थे। तभी बीच रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

खबर विद्यालय के शिक्षकों को मिलते ही सभी शिक्षकों में शोक की लहर दौड़ गई। जिनकी घटना पर शिक्षकों ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह काफी दुखद घटना है। सरकार उनके परिजनों को उचित मुआवजा राशि दे। इनके निधन पर शिक्षक अखिलेश कुमार राय, ओम प्रकाश सिंह, प्रेमचंद कुमार ,विद्यासागर सिंह, मनोज कुमार, धनंजय मिश्रा, सिकंदर सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने गहरा दुःख जताया।

थर्मल पॉवर प्लांट के सीएसआर फंड से बनारपुर में बनेगा हाईटेक स्टेडियम

केटी न्यूज/चौसा

चौसा में निर्माण हो रहे 1320 मेगावाट बक्सर बिजली संयंत्र परियोजना निर्माण कम्पनी अपने परियोजना के पोषण क्षेत्र में सामाजिक निगमित दायित्व के तहत मूल भूत सुविद्या पर विकास की कई योजनाएं संचालित करती है। जिसमे विशेष तौर पर सीएसआर फंड का प्रयोग किया जाता है। इस वित्तीय वर्ष में इसी फंड से पोषण क्षेत्र बनारपुर में खेल मैदान को स्टेडियम के रूप में बनाये जाने की घोषणा की गई है। इसके साथ मूल प्लांट के पोषण क्षेत्र के सात मौजों में विकास की कार्य योजना की मंजूरी मिली है। इसको लेकर अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को प्रखंड कार्यालय में बैठक आयोजित की गई।

जिसमे परियोजना सम्बंधित अधिकारी व स्थानीय पदाधिकारी की मौजूदगी बताया गया कि परियोजना के मूल प्लांट क्षेत्र के पोषण क्षेत्र बनारपुर में इस वित्त के तहत सीएसआर फंड से बच्चों के खेलकूद के लिए खेल मैदान को स्टेडियम के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही प्रभावित सात मौजों बनारपुर, खोरमपुर, सिकरौल, अखौरीपुर गोला, बेचनपुरवा, मोहनपुरवा व कोचाढ़ी में सोलर हाइ मास्ट लाइट के साथ जी+2 भवन का निर्माण कराया जाएगा। जिसके लिए चार मौजों में भूमि का चयन भी कर लिया गया है। इस जी$2 भवन में ग्राउंड तल पर सामुदायिक भवन, प्रथम तल पर पर विवाह भवन व द्वितीय तल पर पुस्तकालय का निर्माण कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने की आम जनों से महात्मा गांधी के आदर्शों का अनुसरण करने की अपील, बोले...

लोगों की भागीदारी व व्यवहार में परिवर्तन से ही बनेगा स्वच्छ समाज

- स्वच्छ भारत के सपनों को साकार करने के लिए सबको साथ में आगे आना होगा

केटी न्यूज/सिमरी

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत जिला गंगा समिति बक्सर द्वारा जिले सिमरी में जागरूकता रैली आयोजित की गई। इस रैली को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छता की शुरूआत सर्वप्रथम अपने घर से करने की आवश्यकता है। स्वच्छ भारत बनाने से पहले अपने घर गांव और समाज को स्वच्छ बनाना होगा साथ ही इस अभियान में जन-जन की भागीदारी भी सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही प्लास्टिक के प्रयोग को बंद कर हमें कपड़े से बने झोला इत्यादि का उपयोग करना होगा, प्लास्टिक आने वाले समय में हमारे लिए एक बहुत बड़ा खतरा बनकर उभरेगा। जिससे निपटना हम सभी के लिए बहुत मुश्किल होगी।

हर व्यक्ति के भागीदारी से ही प्राप्त होगा स्वच्छता का लक्ष्य : जिला गंगा समिति के माध्यम से आयोजित जागरूकता रैली के माध्यम से संदेश दिया गया कि स्वच्छता के इस अभियान में हर व्यक्ति की भागीदारी से हम अपने गांव अपने समाज अपने राज्य और अपने देश को स्वच्छ बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। डीएम ने कहा कि हर व्यक्ति के भागीदारी से ही हम स्वच्छता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है।

रैली में शामिल थे स्कूली छात्र व एनसीसी कैडेट : जागरूकता रैली के माध्यम से स्कूली छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स के साथ स्काउट गाइड के स्वयं सेवको ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। रैली के दौरान युवाओं ने गंगा की स्वच्छता के लिए भी लोगों से अपील की। वही, इस जागरूकता रैली में 30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के समादेशी पदाधिकारी कर्नल रितेश रंजन के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने जागरूकता रैली में बढ़चढ़कर भाग लिया। रैली में जिला शिक्षा पदाधिकारी, उच्च विद्यालय सिमरी के एनसीसी पदाधिकारी अवधेश राय समेत दर्जनों कैडेट्स शामिल थे।

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल, डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला परियोजना प्रबंधक जीविका, प्रखंड विकास पदाधिकारी शशिकांत शर्मा, अंचलाधिकारी के साथ जिला युवा पदाधिकारी नेहरू युवा केंद्र के साथ जिले व प्रखंड स्तर के कई वरीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

पंचायत सरकार भवन से संचालित करें पंचायत के कार्यः डीएम

- डीएम ने सिमरी के राजपुर परसनपाह पंचायत के निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन का किया निरीक्षण
- गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/सिमरी

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने सिमरी प्रखंड अंतर्गत राजपुर परसनपाह पंचायत में निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने बताया कि पंचायत सरकार भवन का फिनिशिंग, चहारदिवारी का कार्य चल रहा है। डीएम ने निर्देश दिया कि पंचायत सरकार भवन में सभी संबंधित पंचायत स्तरीय कार्यालय तथा सेवाओं का संचालन सुनिश्चित करायेंगे तथा समय समय पर कार्य का अनुश्रवण करना भी सुनिश्चित करेंगे।

बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था कराए बीडीओ : निरीक्षण के दौरान डीएम ने सिमरी बीडीओ शशिकांत शर्मा को निर्देश दिया कि पंचायत सरकार भवन में विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था जैसे सोलर पैनल, इन्वर्टर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायेंगे। साथ ही पर्याप्त क्षमता का विद्युत ट्रांसफर्मर लगाने के लिए बिजली कंपनी के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करेंगे। ताकी इस पंचायत सरकार भवन में बिजली आपूर्ति में बाधा नहीं पहुंचे। डीएम ने बीडीओ से कहा कि पंचायत सरकार भवन के लिए फर्नीचर आदि की व्यवस्था संबंधित मदों से नियमानुसार कराएंगे, ताकी यहां बैठने वाले पंचायत स्तरीय कर्मियों तथा पंचायत प्रतिनिधियों को परेशानी न हो।

जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी सिमरी को निर्देश दिया कि पंचायत सरकार भवन में सभी लोक सेवाओं को पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराने के लिए आवेदन प्राप्त करने के लिए कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करें। साथ ही कर्मियों का रोस्टर प्रदर्शित करें कि किस दिन किन कर्मियों की ड्यूटी है। डीएम ने कहा कि पंचायत सरकार भवन से ही पंचायत के सभी कार्य निष्पादित कराया जाए। जबकि पंचायत सरकार भवन की सुरक्षा के लिए डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार व डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि इस भवन में कंप्यूटर समेत लाखों के उपकरण लगाए जाएंगे। जिसकी सुरक्षा जरूरी है। इसके अलावे पंचायत सरकार भवन में प्रतिनियुक्त कर्मियों की सुरक्षा की व्यवस्था करने का निर्देश भी डीएम ने दिया। उन्होंने कहा कि एसडीओ तथा डीएसपी आपस में समन्वय स्थापित कर इस कार्य को करें।

निरीक्षण के क्रम में डीडीसी, डुमरांव एसडीओ, डीपीआरओ, सिमरी बीडीओ, सीओ एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का दिया निर्देश

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया गया कि पंचायत सरकार भवन में वर्षा जल संचयन के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण कार्य कराना सुनिश्चित करेंगे। ताकी वर्षा जल का संचय किया जा सके। पंचायत सरकार भवन में छात्र-छात्राओं एवं युवाओं के लिए डिजिटल लाइब्रेरी विकसित करने के लिए निर्देश दिया गया। साथ ही सीएससी, डाक घर, जीविका कार्यालय के संचालन, सरपंच द्वारा कचहरी कार्यों के निष्पादन के लिए कमरा उपलब्ध कराने का निर्देश डीएम ने दिया।

एक नजर

बनकट में पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए बोरिंग लगाने का काम शुरू

डुमरांव। बनकट गांव के लोगों के समक्ष पेयजल की समस्या वर्षों से चली आ रही है। पहले बनकट गांव कुशलपुर पंचायत में शामिल था। वर्तमान समय में यह नप डुमरांव के विस्तारित क्षेत्र में शामिल होकर उसकसा अंग बन गया है। मालूम हो कि वर्तमान समय में गांव में एक-दो जगहों पर चापाकल लगा हुआ है, उसमें भी एक खराब चल रहा है। गांव के लोग पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। नप का अंग बन जाने से इसकी सारी जिम्मेवारी उसकी हो गई है। नप का अंग बनने के बाद से गांव के लोग पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए नप पर दबाव बना रहे थे। आखिरकार उनकी मांग रंग लाया और नप ने बनकट गांव में बोरिंग लगाने का काम शुरू किया। इसी को लेकर चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने पेयजल की समस्या के निदान के लिए बोरिंग लगाने का फैशला किया। उनके इस फैसले से ग्रामीण काफी खुश थे। शनिवार को उनके द्वारा बोरिंग लगाने के काम की नींव रखी गई। नींव रखे जाने के समय गांव के वार्ड पार्षद से लेकर सम्मानित महिला व पुरूष मौजूद रहे। बोरिंग लगाए जाने के कार्य शुरू होने से काफी खुश थे। उन्हें अब बोरिंग शुद्ध पानी मिलेगा। चेयरमैन ने बताया की बोरिंग के माध्यम से घरों तक पाइप पहुंचाया जाएगा, जिससे लोगों को पानी घर तक मिल सकें। बोरिंग लगने से महिलाओं में काफी खुशी देखने को मिली।

स्वच्छता को करें दिनचर्या में शामिल: बीडीओ

डुमरांव। प्रखंड कार्यालय के बाद शुरू हुआ स्वच्छता पखवाड़ा अभियान शनिवार को स्थानीय प्रखंड के चिलहरी पंचायत में पहुंचा। जिसका नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडेय कर रहे थे। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता को अपनी नियमित दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है। तभी यह अभियान सफल हो पाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षित से ही हर किसी का बेहतर स्वास्थ्य संभव है। इस मौके पर पंचायत के मुखिया विभा देवी के प्रतिनिधि राजू सिंह भी उपस्थित थे। प्रखंड विकास पदाधिकारी गांव की गलियों में भ्रमण कर लोगों को बताया कि बेहतर जीवन शैली के लिए स्वच्छ रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर हर क्षेत्र में बड़ा बदलाव दिखने लगा है तो यह जरूरी है कि हर गली मोहल्ले में स्वच्छता की झलक भी देखने को मिले। उन्होंने गांव के बाजार में पहुंचे दुकानदारों को भी स्वच्छता का पाठ पढ़ाया। इस दौरान कुछ दुकानदारों द्वारा की गई डस्टबिन की डिमांड पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने तत्काल मुखिया के माध्यम से डस्टबिन उपलब्ध कराकर स्वच्छता के मामले में अपनी तत्परता व वचनबद्धता दिखाई। गांव तथा बाजार के महत्वपूर्ण जगहों पर भी डस्टबिन स्थापित कर लोगों को इसका नियमित उपयोग करने का सलाह दिया गया। इस मौके पर मुखिया प्रतिनिधि राजू सिंह, स्वच्छता पर्यवेक्षक विकास कुमार, जितेंद्र कुमार, श्रीकांत ओझा समेत तमाम स्वच्छता कर्मी उपस्थित रहें।

छात्राओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

डुमरांव। स्थानीय सुमित्रा महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को स्वच्छता हीं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या सह अध्यक्ष राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ शोभा सिंह ने स्वयं सेविकाओं एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ शरीर में ही स्वच्छ आत्मा का निवास होता है। स्वच्छता हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। इस अवसर पर कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर शंभूनाथ शिवेंद्र ने स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता पर स्वयं सेविकाओं एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए स्वस्थ एवं निरोग बने रहने के लिए सफाई तथा स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन में हमें महत्व देना होगा। इस दौरान स्वयं सेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर तथा आसपास सफाई अभियान चला कर प्लास्टिक तथा दूसरे कचडों को डस्टबिन में डाला। पखवाड़ा के सफल संचालन में प्रोफेसर श्रीकांत सिंह, डॉ अमृता सिंह, डॉ सुभाष चन्द्रशेखर के साथ ही स्वयं सेविकाओं चंचल कुमारी, ज्योति कुमारी, प्रियांशी कुमारी, श्वेता कुमारी, नूरी खातुन, अनामिका कुमारी, ब्यूटी कुमारी, सत्या कुमारी, संजना कुमारी, खुशी कुमारी आदि का योगदान सराहनीय रहा।

खबरें फटाफट

चोरों ने हजारों रुपयों के सामानों चुराया

डुमरांव। डुमरांव थानांतर्गत अरैला गांव में एक फ्लाई ईंट प्लांट का ताला तोड़ अज्ञात चोरों के एक दल ने हजारों रुपये की सामानों पर हाथ साफ कर दिया। मामले में प्लांट मालिक पुराना भोजपुर गांव के रहने वाले शैलेंद्र चौबे ने डुमरांव थाने में आवेदन देकर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया हैं। पीड़ित ने पुलिस को दिए गये आवेदन में बताया हैं कि चोरों ने प्लांट गेट का ताला तोड़कर तीन केवीए का मोटर दो पीस, पांच केवीए का मोटर एक पीस, दो टुलु पंप, दो टेबुल फैन सहित कई अन्य कीमती सामानों की चोरी कर ली। जिसकी कीमत हजारों में बतायी जाती हैं।

कट्टा व फूटी पैक शराब के रैपर बरामद

चौसा। मुफस्सिल थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर चौसा बाजार स्थित एक मंदिर के पास से लावारिश हालत में एक बोरी में फेंके गए देशी कट्टे तथा फूटी पैक शराब के कुछ खाली रैपर बरामद किए है। हालांकि, मंदिर के पास कट्टा कौन रखा था, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। इस मामले में मुफस्सिल पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। आशंका जताई जा रही है कि शायद किसी को फंसाने की नियत से यहां कट्टा लाकर रखा गया होगा।

स्कूल में हुई मारपीट

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के स्थानीय मध्य विद्यालय परिसर में संचालित हो रहे अर्द्धवार्षिक परीक्षा के दौरान छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद हो गया। यह विवाद शुक्रवार से ही चल रहा है। जिसमें शनिवार को एक पक्ष के छात्रों के कुछ अभिभावक स्कूल में घुस दूसरे गुट के करीब आधा दर्जन छात्रों की पिटाई कर दिए। मारपीट होते देख प्रभारी प्रधानाध्यापक छोटेलाल गोंड ने इसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तबतक मारपीट करने वाले फरार हो गए थे। कोरानसराय थानाध्यक्ष संजय कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मध्य विद्यालय में मारपीट की सूचना पर पुलिस टीम गई थी, लेकिन पुलिस के पहुंचने के पहले ही मारपीट करने वाले फरार हो गए थे। मामले में किसी ने लिखित शिकायत नहीं दी है।

पुराना भोजपुर में लोगों ने किया प्रदर्शन, बोले ग्रामीण...

नगर परिषद 3 दिन में शुरू करें निर्माण, वरना होगा आंदोलन

केटी न्यूज/डुमरांव

पुराना भोजपुर निवासी पूर्व प्रखंड प्रमुख आशा देवी के नगर परिषद के खिलाफ शिकायत का समर्थन वार्ड संख्या दो के लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर किया। शनिवार को पुराना भोजपुर के लोगों ने वार्ड संख्या दो स्थित आदर्श गली की बदहाल स्थिति पर नगर परिषद को जमकर कोसा। लोगों का कहना था कि पुराना भोजपुर में नगर परिषद द्वारा गया गया जा रहा विकास कार्य अनुपयोगी है तथा योजना मद की राशि का बंदरबांट किया जा रहा है। इसकी जांच हुई तो तय है कि नगर परिषद की मुश्किल बढ़ जाएगी।नाराज लोगों ने नगर परिषद के मुख्य पार्षद सुनीता गुप्ता तथा कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार को विकास योजना की प्रथमिकता तय नहीं करने के लिए जमकर कोसा।

वार्ड संख्या दो के रोहित कुमार सिंह, हरेंद्र सिंह, संतोष सिंह, संदीप पाठक आदि का कहना था नगर परिषद द्वारा विकास कार्य में जमकर लूट खसोट तथा मनमानी किया जा रहा है। सबने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान ही मुख्य पार्षद सुनीता गुप्ता तथा उनके पुत्र प्रतिनिधि सुमित गुप्ता द्वारा लोगों के समक्ष आश्वासन दिया गया था कि पुराना भोजपुर की पहली योजना की शुरूआत आदर्श गली की बदहाली दूर करने के साथ होगी। उसके बाद ही दूसरी किसी योजना का शुरूआत किया जाएगा। चुनाव जीतने के बाद मुख्य पार्षद पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया गया। पुराना भोजपुर के इस महत्वपूर्ण गली में शौचालय तथा नाली का गंदा पानी बीच सड़क पर पसरा रहता है। उसी से होकर भोजपुर की बड़ी आबादी का आना जाना है। पूरा गली सालों भर शौचालय के गंदा पानी से नारकीय स्थिति उत्पन्न कर रहा है। स्थानीय श्री भगवान सिंह, सौरभ पाठक का कहना है कि नगर परिषद विकास योजनाओं के चयन में खुलेआम भेदभाव किया जा रहा है। अशोक गुप्ता भी नगर परिषद के द्वारा संचालित विकास योजनाओं से संतुष्ट नहीं है। पंचायत की योजनाओं की तरह शहर में भी पहले जांच कराने की मांग जिला पदाधिकारी बक्सर तथा नगर विकास आवास विभाग पटना से की है। दूसरी तरफ लोगों के इस विरोध प्रदर्शन पर मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुमित गुप्ता का कहना है कि पुराना भोजपुर के वार्ड संख्या दो के आदर्श गली तथा नाली निर्माण के लिए टेंडर किया गया था। निर्माण सामग्री भी स्थल पर गिर चुका है। तकनीकी कारणों से टेंडर रद्द हो गया है। इस गली के निर्माण के लिए नगर परिषद ने टेंडर की प्रक्रिया फिर से शुरू की गई है।

पूर्व प्रखंड प्रमुख ने मामले में नप की कार्यशैली पर उठाएं सवाल

विकास योजनाओं की प्राथमिकता तय होनी चाहिए। विरोध प्रदर्शन के दौरान स्थानीय लोगों ने सर्वसम्मत से तय किया कि अगर तीन दिनों में नगर परिषद आदर्श गली की बदहाली दूर करने के लिए काम शुरू नहीं किया तो मजबूर होकर वार्ड के लोग सामूहिक रूप से नगर परिषद कार्यालय का घेराव करेंगे। स्थानीय लोगों के स्वतरू स्फूर्त इस विरोध प्रदर्शन से पुराना भोजपुर निवासी पूर्व प्रखंड प्रमुख आशा देवी द्वारा नगर परिषद के खिलाफ उठाए गए आवाज को मजबूत बल मिला है। पूर्व प्रखंड प्रमुख आशा देवी ने नगर परिषद की कार्य शैली पर नाराजगी जताते हुए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

अंशकालिक कैडरों द्वारा जड़ा ताला एसडीओ के निर्देश पर खुला

डुमरांव। अपने ही पदाधिकारी के पिटाई को लेकर सुर्खियों में आया नया भोजपुर स्थित हरियाली जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ में जीविका के अंशकालिक कैडरों द्वारा जड़ा ताला शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार के निर्देश पर खुला गया। एसडीओ ने इस संदर्भ में अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा थाना अध्यक्ष को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। शनिवार को हरियाली जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ नया भोजपुर में जीविका के अंशकालिक कैडरों द्वारा जड़ा ताला नया भोजपुर थाना के देखरेख में खोला गया।

कार्यालय का बंद ताला खुल जाने से जीविका से संबंधित कार्य के निष्पादन में सहूलियत आएगी। अनुमंडल पदाधिकारी ने अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा थानाध्यक्ष को निर्देश दिया है कि ऐसी शिकायत कहीं भी मिलने पर तत्काल हस्तक्षेप करें तथा जीविका के कार्य को प्रभावित नहीं होने दें। उल्लेखनीय है कि जीविका के अंशकालिक कैडर अपने मानदेय बढ़ोतरी की मांग को लेकर पिछले दो सितंबर से पूरे राज्य में हड़ताल पर चल रही है। अपने हड़ताल के समर्थन में अंशकालिक कैडरों ने नया भोजपुर स्थित हरियाली जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ के कार्यालय पर ताला जड़ दिया था। जिस चलते कामकाज प्रभावित था। सीएलएफ अध्यक्ष पुष्पा देवी ने बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार के हस्तक्षेप पर कार्यालय का बंद ताला खुल गया है।

प्रसंशनीयः साइबर सुरक्षा को लेकर आयोजित प्रतियोगिता में जिले की तीन बच्चियों ने मारी बाजी, श्रेष्ठ तीन में पाई जगह

केटी न्यूज/बक्सर

साइबर सुरक्षा से बचाव के लिए आर्थिक अपराध इकाई, पटना के द्वारा अलग अलग तरीकों से लोगों को जागरूक करने के लए अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आर्थिक अपराध इकाई के द्वारा साइबर जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित ई-पोस्टर व पोस्टर बनाने के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के कई स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में जिले से तीन छात्राएं अव्वल रहीं। शनिवार को हुई इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली इटाढ़ी प्रखंड के जेजे बसुधर उच्च विद्यालय की छात्रा तथा स्थानीय गांव के डब्लू राय की पुत्री अनु कुमारी को पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष साइबर थाना बक्सर डीएसपी राजिया सुल्ताना ने सर्टिफिकेट ऑफ पार्टिसिपेशन प्रदान किया गया। वहीं, अंजली

भारती व सौम्या गौतम को भी पुरस्कृत किया गया।

डीएसपी रजिया सुल्तान ने बताया कि जागरूकता से ही साइबर अपराध से बचाव संभव है। कुछ समय से दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आम आदमी का रुझान ऑनलाइन की तरफ बढ़ा है। इस कारण से साइबर अपराधी कई माध्यम से अंजाम दे रहे हैं, इसलिए कुछ सावधानी रखकर खुद को साइबर ठगी से बचा सकते हैं। डीएसपी ने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति से अपना ओटीपी शेयर न करें। न ही किसी अनजान के साथ आधार नंबर, ई-मेल आईडी, सत्यापन कोड व अन्य किसी तरह की जानकारी साझा करें। किसी भी प्रकार का साइबर अपराध होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर जानकारी दें। फोन कॉल, एसएमएस या अन्य किसी माध्यम से ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम पिन और सीवीवी किसी के साथ भी शेयर न करें। एसएमएस व व्हाट्सएप के माध्यम से आए किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। जब भी कोई पैसे भेजता है तो धनराशि अपने आप खाते में जमा हो जाती है। किसी के भी कहने पर रिमोट एक्सेस एप जैसे क्यूक स्पोर्ट, एनी डेस्क, एंड्रायड आदि को प्ले स्टोर से डाउनलोड न करें। न ही इनके आईडी व पासवर्ड किसी से शेयर करें। डीएसपी ने कहा कि फोन, ई-मेल, एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए नौकरी, लाटरी जैसे विज्ञापनों पर विश्वास न करें।

अहिरौली मठ के मठाधीश्वर श्री श्री 1008 स्वामी श्री मधुसूदनाचार्य जी महाराज करेंगे महोत्सव का उद्घाटन

25 सितम्बर से शुरू होगा 21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक किला मैदान के रामलीला मंच पर आयोजित होने वाले 21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव-2024 की तैयारी जोरों पर है इसका भव्य शुभारंभ 25 सितम्बर को होगा। इस बात की जानकारी श्री रामलीला समिति के सचिव बैकुण्ठ नाथ शर्मा एवं मीडिया प्रभारी हरिशंकर गुप्ता ने संयुक्त रुप से प्रेस बयान जारी कर दिया है। पदाधिकारी द्वय ने बताया कि प्रत्येक साल की भांति इस वर्ष भी विजयादशमी महोत्सव धुमधाम से मनाया जायेगा। इस वर्ष वृंदावन की प्रख्यात लीला संस्थान श्री राधा माधव रासलीला एवं रामलीला मण्डल के स्वामी सुरेश उपाध्याय व्यासजी के सफल निर्देशन में 21 दिनों तक दिन में कृष्णलीला और रात्रि में रामलीला प्रसंग का मंचन किया जायेगा।

25 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक आयोजित होगा विजयादशमी महोत्सव : रामलीला मंच पर 25 सितंबर से 15 अक्टूबर तक विजयादशमी महोत्सव आयोजित होगा। जिसका उद्घाटन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अहिरौली मठ के मठाधीश्वर श्री श्री 1008 स्वामी श्री मधुसूदनाचार्यजी महाराज के कर कमलों व आशीर्वचनों के साथ होगा। इस मौके पर बिहार सरकार के मंत्री हरि सहनी मुख्य अतिथि एवं पूर्व विधायक मिथिलेश तिवारी, विधान पार्षद जीवन कुमार विशिष्ट अतिथि के रुप में शिरकत करेंगे।

समिति के संयुक्त सचिव ने दी जानकारी : वहीं, समिति के संयुक्त सचिव सह मीडिया प्रभारी हरिशंकर गुप्ता ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 25 सितम्बर को संध्या पहर आयोजन का भव्य शुभारंभ के बाद प्रथम दिवस गणेश पूजन एवं शिव पार्वती विवाह लीला का मंचन होगा। इसके बाद हर दिन दिन में श्रीकृष्ण लीला और रात में रामलीला के अलग-अलग प्रसंगों को मंचन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोजन की रूपरेखा बना ली गई है। 15 अक्टूबर को अंतिम दिन 15 अक्टूबर को दिन में दशावतार लीला और रात्रि में भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक एवं होली मिलन लीला दिखाया जायेगा।

दूसरी तरफ इस आयोजन को ले जिलेवासियों में उत्साह व्याप्त है। बता दें कि रामलीला मैदान में प्रत्येक साल शारदीय नवरात्र में आयोजित होने वाले इस महोत्सव का इंतजार लोगों को पूरे साल रहता है। आयोजन के दौरान हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु रासलीला व रामलीला देखने पहुंचते है।

अच्छी खबर: 23 से 25 सितंबर तक चलेगा विशेष अभियान चलाकर बनाया जाएगा आयुष्मान कार्ड

- स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव ने जारी किया दिशा निर्देश
- मोबाइल ऐप से घर बैठे कोई भी बना सकता है अपना आयुष्मान कार्ड

केटी न्यूज/छपरा

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान भारत के लाभार्थियों के कार्ड के लिए जिले में विशेष अभियान चलाया जायेगा। आयुष्मान पखवाड़ा आयोजित कर गोल्डन कार्ड बनाया जायेगा। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने पत्र जारी कर सभी जिलाधिकारी को आदेश दिया है। जिसमे कहा गया है कि जिले में 23 से 25 सितंबर तक विशेष अभियान आयोजित कर लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाए। लाभार्थी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर कार्ड बनवा सकते है। साथ हीं जिले के सदर अस्पताल और सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रेफरल अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल में ओपीडी काउंटर पर 2 बजे से 5 बजे तक आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। आयुष्मान भारत योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य गरीब और वंचित परिवारों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करना है। इस योजना के तहत, लगभग 10 करोड़ परिवारों (लगभग 50 करोड़ लोगों) को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवरेज मिलेगा।

लाख रुपए तक का सलाना निःशुल्क इलाज: सीएस डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारक साल में पांच लाख खर्च तक इलाज निःशुल्क करा सकता है। हालांकि किसी भी व्यक्ति के पास राशन कार्ड है, तो उसके परिवार के सभी सदस्यों को आयुष्मान भारत के तहत इलाज का लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना की सूची में अगर किसी का नाम नहीं होगा, तो उस राशन कार्ड धारी का सीएम आरोग्य योजना के तहत कार्ड बनाया जाएगा। इस कार्ड के माध्यम से 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज करवा सकते हैं। इलाज करवाने के लिए चिन्हित अस्पतालों में आपको जाना होगा। जहां आयुष्मान कार्ड दिखाने के बाद आपका इलाज हो जाएगा। इलाज के दौरान किसी प्रकार का शुल्क आपसे नहीं लिया जाएगा।

आयुष्मान भारत योजना के लाभ : सरकार के इस महत्वकांक्षी योजना के तहत लाभुकों को कई लाभ मिलते हैं। जिसमें गरीब और वंचित परिवारों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज, कैशलेस उपचार, पोर्टेबिलिटी व बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं।

योजना की विशेषताएं

स्वास्थ्य बीमा कवरेज: प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवरेज

कैशलेस उपचार: सरकार के निर्देशानुसार आयुष्मान भारत योजना के तहत, लाभार्थियों को कैशलेस उपचार मिलेगा

पोर्टेबिलिटी: लाभार्थी देश के किसी भी हिस्से में आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकृत अस्पताल में उपचार करा सकते हैं।

घर बैठे बना सकते हैं आयुष्मान कार्ड

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के पात्र लाभार्थी आयुष्मान एप्प के माध्यम से घर बैठे भी आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। इसके लिए निम्नलिखित प्रक्रिया को फॉलो करना पड़ेगा।

- प्ले स्टोर से आयुष्मान एप्प डाउनलोड करें।
- बेफिक्री लिस्ट में अपना नाम ढूंढें।
- आधार लिंक कर अन्य डिटेल्स भरें।
- अपना आयुष्मान कार्ड डाउनलोड करें।

खबरें फटाफट

मांगों को लेकर हड़ताल पर जाएंगे होमगार्ड

छपरा। अपनी 21 सूत्री मांगों के समर्थन में सारण सहित राज्य के सभी जिले के गृहरक्षक दशहरा के बाद अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाएंगे। बिहार गृह रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक छपरा शाखा कार्यालय में हुई बैठक में बताया गया कि अपनी मांगों के समर्थन में सरकार का ध्यान आकृष्ट करने के लिए गृहरक्षकों का शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन जारी है। बैठक में संरक्षक विरेंद्र कुमार यादव, उपाध्यक्ष राम अवधेश सिंह, मोहन सिंह, रामजी प्रसाद यादव, उमेश कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह, अजय कुमार पाठक उपस्थित थे।

महिला की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत

छपरा। डोरीगंज थाना क्षेत्र के रायपुर बिंदगावा गांव की 35 वर्षीया महिला की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। ग्रामीण के अथक प्रयास से दो घंटे बाद शव को खोज निकाला गया। डोरीगंज पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा ले जाया जा रहा है। घटना के संदर्भ में ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ के पानी से पूरा गांव जलमग्न है। इस दौरान धनजु राय की पत्नी लगमानो देवी गांव में ही चिकित्सक के यहां जा रही थी। पानी का सही अंदाजा नहीं मिलने के कारण उनका पानी में पैर फिसला और गहरे पानी में डूब गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण पानी में कूद पड़े। घंटों मशक्कत कर शव को बाहर निकाला।

पीएचडी परीक्षा का शिड्यूल जारी

छपरा। जयप्रकाश विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग ने पीएचडी कोर्स-2022 की परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया गया। यह परीक्षा 30 सितंबर को दो पालियों में आयोजित की जायेगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी। जबकि दूसरी पाली दोपहर 1:30 बजे से 4:30 बजे तक होगी। पहली पारी में रिसर्च एंड मेथाडोलॉजी की परीक्षा ली जायेगी, जबकि दूसरी पाली के पेपर 2 के अंतर्गत संबंधित विषय की परीक्षा आयोजित होगी। जयप्रकाश विश्वविद्यालय कैंपस में ही परीक्षा का केंद्र बनाया गया है।

रैली निकाल स्वच्छता का दिया सन्देश

जहानाबाद। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत सभी पंचायतों में जन जागरूकता अभियान चलाने का प्रयास जारी है। संस्कार स्वच्छता -स्वभाव स्वच्छता के थीम पर प्रखंड स्तर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सरिता कुमारी के नेतृत्व में स्वच्छता शपथ एवं मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस सम्बन्ध में उनके द्वारा बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 2 अक्टूबर तक सभी पंचायतों में तिथिवार कार्यक्रम किया जाना है जिसके तहत घोसी प्रखंड कार्यालय से खपुरा मोड़ तक मोटरसाइकिल रैली, सभी जन प्रतिनिधियों एवं प्रखंड कर्मियों के साथ स्वच्छता शपथ का आयोजन किया गया है। ताकि आम जनों तक स्वच्छता सन्देश को पहुंचाने का अभियान को सफल किया जा सके। मौके पर प्रधान सहायक शम्भू प्रसाद भास्कर, प्रखंड समन्वयक सोनी कुमारी व अन्य मौजूद रहे।

राहत की खबर: दाखिल खारिज नहीं हुआ है तब भी आपकी जमीन का होगा सर्वे

विशेष भूमि सर्वेक्षण लोगों को मिलेगा लाभ जमीन खरीद बिक्री में अब नहीं होगी ठगी

- ऑनलाइन मिलेगी अब जमीन की जानकारी, घटेंगे जिले में भूमि विवाद के मामले

केटी न्यूज/छपरा

प्रखंड में कई रैयत ऐसे हैं जिनकी जमीन पुरखों के नाम पर है और जमीन का दाखिल-खारिज भी नहीं है। प्रखंड बंदोबस्त पदाधिकारी के अनुसार ऐसे मामले में रैयत को चिंता की आवश्यकता नही है । राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का कहना है कि दाखिल-खारिज को लेकर रैयत को चिंता नहीं करनी है। अगर लगान रसीद भी अद्यतन नहीं हैं तो पुरानी रसीद भी सर्वे के लिए मान्य होगी। जमीन अगर पुश्तैनी है तो वंशावली की जरूरत है।

रैयत के द्वार दी गई दस्तावेज में यदि कोई कमी रहती है तब ही जमीन के मालिक से जमीन का अतिरिक्त दस्तावेज मांगा जाएगा। अगर ऐसा किया जाता है तो इसके लिए समय भी दिया जाएगा। सर्वे के दौरान रैयत के जमीन के नक्शे का निर्धारण और हवाई सर्वे से जमीन के मानचित्र को अपडेट किया जाएगा। इसके बाद सभी खाते का सत्यापन और हर खेसरा की नंबरिंग होगी।

प्रपत्र 2 और प्रपत्र 3(1) में देनी है जानकारी : रैयत या उनके के वंशज अपने धारित जमीन की जानकारी स्वघोषणा प्रपत्र दो में भर कर अंचल शिविर या वेबसाइट पर अपलोड कराना है। खतियानी या जमाबंदी रैयत के वंशज स्वयं प्रपत्र -3 (i) में वंशावली तैयार कर शिविर में जमा करें या वेबसाइट पर अपलोड करेंगे । स्वघोषणा के साथ राजस्व रसीद की छाया प्रति संलग्न करना जरूरी है। यदि जमीन खरीदी गई, बदलैन की गई या दान में प्राप्त हुई हो तो उसका छाया प्रति देना होगा। यदि सक्षम न्यायालय का आदेश हो तो उसकी छाया प्रति को भी जमा करना है। बंदोबस्त भूमि, भू-दान प्रमाण पत्र या वासगीत पर्चा की छाया प्रति संलग्न करानी है। जमाबंदी रैयत जीवित हैं तो उन्हें केवल स्वघोषणा प्रपत्र-2 भर कर जमा करना है। इनको वंशावली नहीं देनी है। उपर्युक्त कागजात काफी हैं। इसके अतिरिक्त किसी कागजात की जरूरत नहीं है। वंशावली पर कार्यपालक दंडाधिकारी या नोटरी पब्लिक शपथ पत्र देने की आवश्यकता नहीं है।

जमा कराए गए कागज की होगी जांच : जमीन मालिक जो भी दस्तावेज सौंपेंगे, उसका मिलान सरकारी दस्तावेजों से किया जाएगा। सबकुछ सही होने पर ही उसे अंतिम रूप से अपलोड किया जाएगा। प्रपत्र 3 (i) में वंशावली पर संबंधित ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि से हस्ताक्षर नहीं कराना है। विशेष भूमि सर्वेक्षण में खतियान के सच्ची प्रतिलिपि या राजस्व रसीद की अद्यतन रसीद, आनलाइन प्रति की आवश्यकता नहीं है। किश्तवार प्रक्रम में अपने भूखंड पर रैयत की उपस्थिति अनिवार्य नहीं है। रैयत स्वयं या उनके कोई विश्वस्त प्रतिनिधि जमीन पर उपस्थित रहते हैं तो सर्वे कर्मियों को पहचान में सुविधा होगी। वंशावली फॉर्म, प्रपत्र 2, 3 (1) के लिए भी परेशान नहीं होना है। यह राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

विशेष भूमि सर्वेक्षण का लाभ : बिहार विशेष भूमि सर्वेक्षण से जमीन के मालिक की जमीन को अलग-अलग करके उनके नाम पर खाता खोल दिया जायेगा। इसके जमीन पर एक से अधिक लोगों का दावा करने की समस्या खत्म हो जाएगी। ऐसा होने से जमीनी विवाद की स्थिति या इसकी संख्या काफी कम हो जाएगी। सर्वे होने के बाद जमीन के असली मालिक कौन है इसके बारे में पूरी जानकारी साफ और स्पष्ट रहेगी। इससे जमीन का विवाद का मामला घटेगा वही खरीद बिक्री में भी लोग ठगी का शिकार नहीं होंगे।

विशेष भूमि सर्वेक्षण का उद्देश्य

- इस भूमि सर्वेक्षण से आधुनिक तकनीक के माध्यम से पुराने और अधूरे भूमि अभिलेखों को अद्यतन किया जाएगा।
- भूमि सीमा विवाद, स्वामित्व विवाद और अन्य संबंधित विवादों का समाधान किया जाएगा।
- सर्वेक्षण डेटा का उपयोग भूमि उपयोग नियोजन और कृषि, उद्योग और अन्य गतिविधियों के लिए भूमि के उचित आवंटन के लिए किया जाएगा।
- सटीक भूमि अभिलेखों से राजस्व संग्रह में सुधार होगा।
- विकास कार्यों के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पारदर्शी और कुशल हो जाएगी।

केंद्र सरकार को वास्तविक किसानों से नहीं है कोई लेना देना: सुधाकर

केटी न्यूज/विक्रमगंज

प्रखंड क्षेत्र के डेढगांव ग्राम के पैक्स गोदाम परिसर में शनिवार को वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गयाजिसका उद्घाटन बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने किया। सासंद ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस देश में सहकारिता को समाप्त करने की कोशिश किया जा रहा है। वर्तमान सरकार पुंजिपतीयों को आश्रय देने का काम कर रही है। बिहार सरकार और केंद्र सरकार को वास्तविक किसानों से कोई लेना-देना नहीं है। इस देश में दो तरीके का कानून चलाया जा रहा है। अमीर लोगों के लिए अलग और गरीब किसानों के लिए अलग। किसानों से आग्रह किया कि आप मंथन किजिए। दुसरे जगहों पर दुध उत्पादन से किसानों की अच्छी आमदनी हो रही है। लेकिन बिहार में धान गेहूं में किसानों कोई आमदनी नहीं हो रहा है। यह चिंतनीय है।

वहीं सुनील कुमार ने बिक्रमगंज में आरा रांची ट्रेन के ठहराव को लेकर मांग किया गया जिसको लेकर सांसद ने संबंधित मंत्री व संसद में मुद्दा उठाने की बात कही। वहीं प्रखंड के विभिन्न वार्डों में खराब स्ट्रीट लाइट को लगाए जाने का मुद्दा भी छाया रहा। हर खेत तक बिजली की तार पोल लगाने की मांग किसानों ने किया, जिसे सांसद गम्भीरता से लिया। वही आरंभ में विद्यालय के छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। मौके पर डीसीओ नयन प्रकाश, सासाराम कोऑपरेटिव के उपाध्यक्ष विजय बहादुर सिंह, दावथ बीसीओ अखिलेश कुमार, समाज सेवी अभिषेक पटेल, शिव मूर्ति सिंह, भरत सिंह, मोहम्मद सलीम, छबीला पासवान, अनिल यादव ,शिव पारस भारती, सत्येंद्र भारती, वीरेंद्र भारती, धनेश भारती, सुनील शाह, कृष्ण कुमार बाबूधनजी, दुर्गावती देवी, धर्मराज भारती, सतनारायण मिश्रा, नेताजी पाठक, रामराज मिश्रा ,जितेंद्र यादव, अजय यादव व अन्य मौजूद रहे।

तालाब में डूबने से दो बच्चे की मौत

जहानाबाद। शकूराबाद थाना क्षेत्र के नारायणपुर पंचायत अंतर्गत बिशनपुर गांव के तालाब में डूबने से एक ही परिवार के दो बच्चे की मौत हो गई। एक का नाम सुमित कुमार उम्र 9 वर्ष और दूसरे का नाम अस्मित कुमार उम्र 7 वर्ष बताया जाता है दोनों धर्मनाथ गिरी का पुत्र है घटना के संबंध में बताया जाता है कि दोनों बालक घर से शौच के लिए निकला था शौच के बाद पानी लेने के लिए तालाब के पास पहुंचा तो एक का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया वहीं दूसरा बालक उसको बचाने के लिए पानी में कूद पड़ा वह भी गहरे पानी में चला गया दोनों भाई को डूबता देख उसकी बहन चमक रानी कुमारी हल्ला करते हुए दौड़ी और दोनो को बचाने के लिए तालाब में कूद पड़ी। वह भी गहरे पानी में डूबने लगी इधर हल्ला सुनकर उनके परिजन और ग्रामीण तालाब की ओर दौड़ पड़े। पहले चमक रानी को डूबता देख उसे तालाब से बाहर निकाला।इधर दोनों बच्चे गहरे पानी में डूबे हुए थे काफी खोजबीन के बाद दोनों बच्चा को तालाब से निकाला गया। तब तक दोनों बच्चों की स्थिति दैनिये रहने के कारण नजदीक के गया जिले के पाई बिगहा बाजार के निजी क्लीनिक में दिखाया गया जहां डॉक्टर ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

किशोरी के साथ नाजायज संबंध बनाने वाले पिता व पुत्र गिरफ्तार

- तीन माह से बाप और बेटे अपहृत किशोरी के साथ बना रहे थे अवैध संबंध

केटी न्यूज/ बिक्रमगंज

बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के बाढ़ से भागाकर लाई गई किशोरी के साथ बिक्रमगंज में विगत तीन माह से नाजायज संबंध बना रहे पिता और पुत्र को स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया। दोनों की गिरफ्तारी के बाद किशोरी को पुलिस अभिरक्षा में रखकर इसकी सूचना परिजनों को दी है। समाचार लिखे जाने तक पीड़िता के परिजन थाने तक नहीं पहुंचे थे।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि भोजपुर पिरो के तिलाढ़ निवासी बाबूधन शर्मा जो बिक्रमगंज के नासरीगंज रोड में शर्मा इलेक्ट्रॉनिक का दुकान चलता है और ढिबरा मोहल्ला में किराए का मकान लेकर अपने पुत्र के साथ रहता था। उसका पुत्र करण कुमार बख्तियारपुर के बाढ़ स्थिति अपने मामा के गांव रहता था और वहीं से एक किशोरी को चार माह पूर्व भागकर बिक्रमगंज लाया था। कुछ दिन बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के वरना स्थित अपने फुआ के घर किशोरी को रखा था। किशोरी के पिता ढूंढते हुए वहां तक पहुंच गए थे। उसी क्रम में वरना से लड़की को हटाकर पिता और पुत्र शहर के ढिबरा मोहल्ला में किराए का मकान लेकर रखने लगे। किशोरी के स्वीकारोक्ति के अनुसार अलग-अलग समय पर पिता और पुत्र दोनों शारीरिक संबंध बनाते थे और किसी से इसकी जिक्र करने पर जान से मार कर फेंकने की धमकी दिया करते थे। समय मिलते ही पीड़िता ने मकान मालकिन से अपनी पीड़ा सुनाई। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए लोगों ने सूचना स्थानीय थाना को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शनिवार को पिता- पुत्र को गिरफ्तार कर लिया।

कृषि विज्ञान मांझी में पोषण वाटिका विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

पोषण वाटिका के लिए स्थलों का चुनाव सबसे महत्पवूर्ण: डॉ. सुषमा

- किसानों को दी गई फलों और सब्जियों से मिलने वाले पोषक तत्वों की जानकारी

केटी न्यूज/छपरा

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र मांझी में पोषण वाटिका विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। इस प्रशिक्षण में जीविका मांझी के वीआरपी, सीएनआरपी, एचएनएस, एमआरपी एवं सीएम ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ संजय कुमार राय ने सभी प्रशिक्षाथीर्यों को पोषण वाटिका के दैनिक जीवन में महत्व के साथ- साथ सभी सब्जियों एवं फलों में मिलने वाले पोषक तत्वों बारे में विस्तार से बताया। उद्यान विशेषज्ञ डॉ जितेन्द्र चंदोला ने पोषण वाटिका के लिए जगह का चुनाव, रेखांकन, पोषण वाटिका का साइज, पोषण वाटिका में साल भर कौन-कौन सी सब्जी उगाए तथा पोषण वाटिका में सब्जियों एवं फलों के पौधे लगाने के विधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञ कृषि अभियांत्रिकी डॉ सुषमा टम्टा ने पोषण वाटिका में उपयोग होने वाली मशीनों के महत्त्व एवं उपयोगिता के बारे में विस्तृत में जनकारी दी। डॉ विजय कुमार ने मिट्टी के जांच एवं औषधीय पौधों के महत्त्व के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण के अंतिम दिन सभी महिलाओं एवं पुरुषों के साथ पोषण वाटिका पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें एक से 10 स्थान ग्रहण करने वाली महिलाओं एवं पुरुषों को ग्रबर पुरस्कार स्वरूप दिया गया। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी महिलाओं एवं पुरुषों को सहजन, एलोवेरा, लेमन घास आदि का पौधा भी वितरित किया गया। प्रशिक्षुओं और केंद्र के कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता अभियान भी चलाया गया एवं हिंदी पखवाड़ा के महत्त्व के साथ के बारे में भी विशेषज्ञों के द्वारा बताया गया। वहीं समापन समारोह में जीर विनायक, जीविका से प्रखंड परियोजना प्रबंधक ऋषि कुमार एवं क्षेत्रीय समन्वयक अजय कुमार श्रीवास्तव की उपस्थिति में सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। डॉ चैतन्या, अमित कुमार, रामा रंजन, राकेश कुमार, उमाशंकर, अवनीश पांडे ने कार्यक्रम के आयोजन में अपना सहयोग दिया।

एक नजर

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर लगाया गया

छपरा। जिले में बाढ़ की त्रासदी के बीच लोगों का जीवन हर पल संकट के दौर से गुजर रहा है। जिले के सात प्रखण्ड सोनपुर, गड़खा, दिघवारा, छपरा सदर, रिविलगंज, दरियापुर, मांझी के लगभग 31 पंचायत बाढ़ से पूरी तरह प्रभावित है। यहां के लोगों की जिंदगी मुसीबत में है। वही अभी गंगा सरयू का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। लोगों के घरों में पानी प्रवेश करने के बाद लोग उंचे स्थान एवं सड़क पर शरण लिये हुए हैं। छपरा शहर में लोग चौकी के ऊपर चौकी रखकर भोजन बना रहे हैं। शहर में पानी आ जाने से आवागमन में भी भारी कठिनाई हो रही है। जोगिनिया कोठी से लेकर थाना चौक तक दिन में महाजाम लग जा रहा है। बाढ़ की परेशानी को देखते हुए शनिवार को सोनपुर में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए प्रशासन द्वारा सामुदायिक रसोई लगाकर भोजन कराया गया।साथ ही मेडिकल टीम ने बाढ़ प्रभावित सिताब दियारा, रिविलगंज के ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

खरपतवार निकाई को आसान बनाने के लिए रोटरी वीडर यंत्र का दिया गया प्रत्यक्षण

जहानाबाद। मोदनगंज प्रखंड क्षेत्र के कृषि विज्ञान केंद्र गंधार द्वारा घोसी प्रखंड के महाबलीपुर गांव में फूलों की खेती में खरपतवार नियंत्रण को आसान बनाने के उद्देश्य से रोटरी वीडर यंत्र का प्रत्यक्षण दिया गया।इस अवसर पर केंद्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ मुनेश्वर प्रसाद ने बताया कि आधुनिक यंत्रों से खेती के कामों को आसान एवं गुणवत्तापूर्ण करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र गंधार इसका प्रत्यक्षण किसानों के खेतों पर करता है।वहीं कृषि अभियंत्रण वैज्ञानिक ई. जितेंद्र कुमार ने किसानों के खेत पर इस यंत्र का प्रयोग करके इसके महत्व एवं फायदा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि रोटरी वीडर यंत्र पेट्रोल चलित यंत्र है जिससे पंक्तियों में लगे फूल एवं सब्जी की खेती में निकाई गुड़ाई आसानी से किया जाता है। खर पतवार उखड़ने के साथ साथ जमीन की गुड़ाई भी हो जाती है। जिससे पौधे के जड़ों में आसानी से श्वसन होता है। पौधों का बढ़वार भी ज्यादा होता है। साथ ही मजदूरों निकाई कराने की अपेक्षा समय के साथ लागत खर्च में भी काफी बचत होती है।

आरा में पहली बार राष्ट्रीय स्तर का टूनार्मेंट का हो रहा है आयोजन: पवन जायसवाल

आरा। 10वीं फेडरेशन कप सॉफ्टबॉल क्रिकेट टूनार्मेंट महिला एवं पुरुष 2024 के आयोजन को लेकर स्थानीय होटल के सभागार में आयोजन समिति के अध्यक्ष पवन जायसवाल, आयोजक संयोजक गुड्डू सिंह बबुआन, आयोजन सचिव कुमार विजय, आयोजन सदस्य अभय विश्वास भट्ट, धनन्जय सिंह, महिला संयोजक सुनिधि ने प्रेस वार्ता कर टूनार्मेंट के आयोजन के बारे में जानकारी दी। आयोजन अध्यक्ष पवन जायसवाल ने बताया कि बिहार के आरा में पहली बार राष्ट्रीय स्तर का टूनार्मेंट का आयोजन हो रहा है। जिसका उद्घाटन 27 सितंबर को होगा। इसके लिए सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। वहीं आयोजन संयोजक गुड्डू सिंह बबुआन ने बताया कि इस टूनार्मेंट के उद्घाटन में कई राजनेता उपमुख्यमंत्री, खेल मंत्री, मंत्री, विधायक एव विधान पार्षद भाग लेंगे। अभी तक खेल मंत्री बिहार सरकार, विज्ञान एवं प्राविधिगिकी मंत्री सुमित सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री आर के सिंह, आयोजन संरक्षक एमएलसी जीवन कुमार समेत कई लोग भाग लेंगे। वहीं आयोजन सचिव कुमार विजय ने बताया कि 8 राज्यो की महिला एवं पुरुष टीम भाग लेंगी। जदयू नेता अभय विश्वास भट्ट ने कहा कि यह टूनार्मेंट 27 सितम्बर से लेकर 29 सितम्बर को समापन होगा। अधिक से अधिक आरावासी खेल प्रेमी टूनार्मेंट देखने आए इसके लिए कई जगहों पर बैनर पोस्टर भी लगाए जा रहे। वहीं धनंजय सिंह ने बताया कि महिला एवं पुरूष खिलाड़ियो के सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए है। टूनार्मेंट वीर कुंवर सिंह स्टेडियम एवं महाराजा कॉलेज खेल ग्राउंड पर होगा।

काराकाट में लोहिया स्वच्छता अभियान में विद्यालय के छात्रों को किया गया जागरुक

काराकाट। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोनवर्षा स्थित बलदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कौपा में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम को लेकर विद्यालय के बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु प्रखंड के प्रखंड समन्वयक आलोक आनंद ,उक्त पंचायत के मुखिया राजीव रंजन सिंह, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक दिवेंदु कुमार ,स्वच्छता पर्यवेक्षक अन्य शिक्षक-शिक्षिका और समस्त ग्रामीण व बच्चों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित की गई। जिस कार्यक्रम में उक्त विद्यालय की ग्यारहवीं, दसवीं एवं नौवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के द्वारा पेंटिंग प्रतियोगिता, चित्रकारी, निबंध प्रतियोगिता सहित कई कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को जो बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई वो काफी सराहनीय रहा। उक्त कार्यक्रम में बच्चों को जागरूक करते हुए स्वच्छता के बारे में विशेष रूप से जानकारी दी गई। जिसमें पौधरोपण के दौरान सागवान के पौधे लगाये गए। साथ ही कार्यक्रम के उपरांत स्वच्छता के प्रति बच्चियों द्वारा जागरूकता रैली भी निकाली गई। जिसमें प्रखंड समन्वयक आलोक आनंद, मुखिया राजीव रंजन सिंह, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक दिवेन्दु कुमार, अन्य शिक्षक-शिक्षिका, स्थानीय ग्रामीण व बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिए। इस दौरान ग्रामीणों ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए विभिन्न कार्यक्रमों को काफी पसंद एवं प्रशंसा की गई। मौके पर प्रखंड के अधिकारी, विद्यालय के प्रभारी एचएम, शिक्षक-शिक्षिका बच्चे, स्थानीय ग्रामीण समेत स्वच्छता कर्मी लोग मौजूद थे।

हैट्रिक से भारत को चीन में जीताकर राजकुमार लौटे अपने घर

♦ न्ओलंपियन का मेघबरन स्टेडियम में हुआ जोरदार स्वागत

केटी न्यूज/गाजीपुर

अपने गांव करमपुर के स्थान पर अब देश के लाल बन चुके पेरिस ओलंपियन 2024 के ब्रांज मेडल विजेता राजकुमार पाल शनिवार को जहाज से उतर कर सीधे मेघबरन स्टेडियम में पहुंचे।

बीते दिनों वह चीन में आयोजित एशियाई हाकी चैंपियंस में अपने हैट्रिक से भारत को जीत दिलाने वाले राजकुमार पाल का स्वागत भी विजेताओं की तरह हुआ। पूर्व सांसद राधेमोहन सिंह व स्टेडियम के संचालक अनिकेत सिंह आदि दर्जनों खेलप्रेमियों ने माल्यार्पण कर उनका जोरदार स्वागत किया। भारत माता की जय और तेजू भैया अमर रहें के नारे लगाए गए। वही चोट के कारण उत्तम सिंह स्वागत में शामिल नहीं हो सके। जिनको चैंपियन ट्रॉफी के आखिरी मैच में चोटिल होने की वजह से बेंगलुरु में इलाज चल रहा है।

स्टेडियम में अपने स्वागत से अभिभूत ओलंपियन राजकुमार पाल ने कहा कि जिस तरह सही टाईम पर सही गेंद मारने से गोल हो जाता है। उसी तरह सही टाईम और सही स्थान पर सही ढंग से अपनी ऊर्जा खर्च कर कोई भी व्यक्ति कहीं भी सफल हो सकता है। इसमें बड़ों का आशीर्वाद और लोगों की शुभकामनाएं भी काम आती हैं। कहा कि बहुत ऊंचाई पाने के लिए हमें अपने आसपास के माहौल को अधिक सकारात्मक बनाना पड़ता है।

इस दौरान राजकुमार पाल ने स्टेडियम के एस्ट्रोटर्फ पर प्रशिक्षुओं के साथ खेल कर उन्हें कुछ टिप्स दिए और उनका मनोबल बढ़ाया। इस दौरान हाकी कोच इंद्रदेव, सुजीत तिवारी, पूजा सिंह, अदालत यादव, खेल सचिव मनोज सिंह, हरिशंकर यादव पूर्व खिलाड़ी धनंजय सिंह, स्वामी यादव, रवि, अभिषेक, पंकज, ध्रुव आदि ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

करमपुर के खिलाड़ियों ने बढ़ाया जनपद का गौरव

गाजीपुर। हाल ही में 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष प्रतियोगिता मैं उत्तर प्रदेश की तीनों शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। उत्तर प्रदेश टीम में सात खिलाड़ी जनपद के करमपुर स्टेडियम से थे। अंकित प्रजापति, अजीत यादव, आशु मौर्य, राहुल राजभर, त्रिलोकी बेनबंसी, विशाल पाण्डेय आनंद उर्फ गोलू राजभर ने अपने खेल से पूरे जनपद का गौरव बढ़ाया।

करमपुर के सात खिलाड़ी यूपी सब जूनियर टीम में

गाजीपुर। पूर्वांचल के खेलगांव कहे जाने वाले करमपुर के स्व. तेजबहादुर सिंह की लगन व अथक मेहनत से तरासे गए सैकड़ों खिलाड़ी आज विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित होकर अपना जीवन संवार रहे हैं। जिन सात खिलाड़ियों का उत्तर प्रदेश सब जूनियर टीम में हुआ है। उसमें रोमित पाल, शिवम यादव, सत्यम पाण्डेय, अजय गोंड, सुनील पाल राघवेंद्र सिंह चौहान, प्रहलाद राजभर का चयन होने से खिलाड़ियों में हर्ष का मौहाल हैं।

एक नजर

संचारी रोग नियंत्रण को लेकर हुई बैठक

बलिया। आगामी अक्टूबर माह में चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण माह एवं दस्तक कार्यक्रम के लिए तहसील स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक उप जिलाधिकारी सिकन्दरपुर की अध्यक्षता में तहसील सभागार में सम्पन्न की गई। इसमें उप जिलाधिकारी ने पिछले अभियान की समीक्षा करते हुए अगामी अभियान की कार्ययोजना बनाने एवं धरातल पर कार्ययोजना के अनुसार कार्य करने के लिए सभी विभाग को निर्देश दिया। उप जिलाधिकारी ने कहा कि बारिश का अन्तिम समय चल रहा है। इस समय संचारी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में अपने क्षेत्र में व्यापक साफ सफाई तथा जनजागरुकता बढ़ाने के लिए सभी सहयोगी विभागों को निर्देश दिए गए। बैठक में नवानगर और पंदह से खण्ड विकास अधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी, कृषि अधिकारी, अधिशासी अधिकारी सिकन्दरपुर, बीपीएम, बीसीपीएम, डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कांटे की टक्कर में सभापति बने ईश्वर दयाल सिंह

बलिया। सहकारी समिति हुसेनाबाद के चुनाव में सभापति ईश्वर दयाल सिंह व उपसभापति उमादेवी चुनी गयी। गहमागहमी के बीच शुक्रवार की देर शाम गांव के पंचायत भवन पर भारी पुलिस सुरक्षा के बीच हुए चुनाव में एक-एक मत से सभापति व उपसभापति ने चुनाव जीता। सभापति के चुनाव में ईश्वर दयाल सिंह को पांच मत तथा प्रतिद्वंद्वी अमित मिश्रा को चार मत मिला। उधर उपसभापति के चुनाव में उमादेवी को पांच मत तथा प्रतिद्वंद्वी योगेन्द्र मिश्र को चार मत मिला। चुनाव में हुसेनाबाद न्याय पंचायत के पांच गांवों हुसेनाबाद, सिंगही, विषौली, दूबेछाप, छपिया गांव के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधान संजीत यादव, आशुतोष सिंह गुड्डू, नेहा सिंह, आशा देवी, गुलाब राम, अखिलेश वर्मा आदि थे।

विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड (मप्र) अध्यक्ष प्रेमनारायण विश्वकर्मा का भव्य स्वागत

गाजीपुर। शुक्रवार को विश्वकर्मा महासभा गाजीपुर द्वारा लंका मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेने आए विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रेमनारायण विश्वकर्मा (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त मप्र सरकार) का वापसी में अयोध्या जाते समय भाजपा मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा तथा बिरनो

ब्लाक के शेखपुर ग्राम प्रधान धर्मेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में शेखपुर चट्टी पर गाजा बाजा के साथ फूल-माला व गगनभेदी नारों से सैकड़ों लोगों ने उत्साह पूर्वक स्वागत किया। इस मौके पर प्रेमनारायण विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के लोग प्रतिभा के धनी और लोगों के प्रति निष्ठावान व ईमानदार सर्वव्यापी है। लेकिन विगत आठ दस वर्ष पूर्व तक इस समाज के लोगों को राजनैतिक भागीदारी से वंचित रखा गया जिसके कारण यह समाज, समाज की मुख्य धारा से दूर व्यवस्था विहीन हो गया है। लेकिन विगत दस वर्षों में समाज के लोगों की नेतृत्व क्षमता उभर कर सामने आई है। इस मौके पर योगेन्द्र शर्मा, मनिष विश्वकर्मा व अमरनाथ शर्मा के नेतृत्व में अध्यक्ष का मरदह बाजार में जोरदार स्वागत किया गया।

कांग्रेस नेता के पिता के जनाजे में उमड़ा जन सैलाब

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष मंडल प्रभारी वाराणसी नईम प्रधान के वालिद हसीन अहमद गन्ना ग्राम सेवक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनका बीती रात इंतकाल हो गया। शुक्रवार की दोपहर जुम्मा नमाज के बाद नईम प्रधान के पृथक गांव देवकली ब्लाक के गांव मऊपारा में कब्रिस्तान में दफनाया गया। नईम प्रधान और उनके पिता के व्यवहार से जनाजे में उमड़ा जनसैलाब हर आदमी की आंखें हुई नम। लोगों ने कहा कि नईम प्रधान के पिता अच्छे इंसान के साथ ही अच्छे व्यक्ति थे। हर लोगों के सुख-दुख में लोगों के काम आते थे। इनकी जितनी भी तारीफ की जाए कम है। जिसने भी नईम प्रधान के पिता के मौत की खबर सुनी वह उनके घर के लिए निकल पड़े। आस -पास के गांव के साथ ही दूर दराज से भी लोगों के आने का क्रम जारी हो गया है और आज भी लोगों के आने का सिलसिला जारी है। नईम प्रधान के वालिद के जनाजे में चंदौली जिले से शाहिद तौसीफ प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक कांग्रेस, अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव औसाफ सिद्दीकी, महासचिव मेहंदी हसन कबबन, महासचिव सबीहुल हसन, जिला अध्यक्ष सुनील राम, उपाध्यक्ष हामिद अंसारी, उपाध्यक्ष चनदका, सेवा दल जिला अध्यक्ष आशुतोष गुप्ता, देवरिया जिले से प्रदेश सचिव बदे आलम , पीसीसी सदस्य इरफान बसर, वरिष्ठ नेता अनवर खान, पत्रकार आबिद शमीम, तनवीर, मोहम्मद आदि के साथ ही पत्रकार वह अन्य पार्टी के नेता भी लोग मौजूद थे ।

खबरें फटाफट

वाराणसी-मऊ रेल लाइन पर ट्रेन से युवक गिरा, मौत

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव के पास शनिवार की दोपहर वाराणसी -मऊ रेल लाइन पर मऊ जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन के गेट से एक युवक के गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर दुल्लहपुर थानाध्यक्ष कृष्ण प्रताप सिंह ने पहुंचकर शव के शिनाख्त में जुट गए। बता दें कि थानाध्यक्ष केपी सिंह ने बताया की युवक नीला कलर का लोअर, सफेद व नीला कलर की टी -शर्ट पहने हुए था। युवक के पास कोई भी टिकट या दस्तावेज नहीं मिले। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि युवक रेलवे गेट पर झूल रहा था। इसी दौरान पोल से टकराकर नीचे गिर गया और मौके पर युवक की मौत हो गई। फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो पायी है। पुलिस जांच में जुटी है।

गंगा नदी का पानी घटा, लोगों ने ली राहत की सांस

सेवराई। रेवतीपुर थाना क्षेत्र में गंगा का पानी लगातार घटाव पर है। जिससे लोग काफी सुकून महसूस कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर लोगों की मुश्किलें अभी भी कम होने का नाम नहीं ले रही है। अभी सड़कें पूरी तरह खाली नहीं हुई हैं। कुछेक जगहों पर जहाँ सड़कें, गली, खलिहान, स्कूल पानी से खाली हो चुके हैं। कीचड़ और गंदगी के कारण उससे उठने वाले दुर्गंध के चलते लोगों का जीना दुश्वार हो रहा है। लोगों ने कहा कि जल्द दवाओं का छिड़काव शुरू किया जाए। ताकि किसी भी तरह के संक्रामक बीमारी न फैल पाए। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र का आज बलिया सांसद सनातन पांडेय के पुत्र पूर्व ब्लाक प्रमुख रामेश्वर पांडेय ने बाढ़ प्रभावित हसनपुरा व वीरऊपुर का निरीक्षण कर लोगों का हाल जाना साथ ही लोगों से उनका हाल जाना और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया। साथ राहत सामग्री वितरण कि जानकारी ली। इस मौके पर पंकज राय, पारस नाथ यादव,पूर्व कैप्टन हीरा यादव, पंकज यादव, फुन्नू शुक्ला, धमेंद्र, संतोष आदि मौजूद रहे।

समाधान दिवस में छायी रही बिजली विभाग की शिकायतें, एक्सईएन को फटकार

समयान्तर्गत व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण से शिकायतकर्ता को करें सन्तुष्ट : डीएम

♦ बांसडीह में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस पर जनता की सुनी समस्याएं

केटी न्यूज/बलिया

जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील में जनता की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर कुल 150 शिकायती प्रार्थना पत्र आए जिनमें 8 का मौके पर निस्तारण कराया गया। शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए निर्देश दिया गया कि समयान्तर्गत व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराना सुनिश्चित कराएं। समाधान दिवस के दौरान कई शिकायतकताओं ने शिकायत किया कि पिछले दो महीने से भारी मात्रा में बिजली कटौती हो रही है और अधिशासी अभियंता फोन नहीं उठाते हैं। तहसील के अधिकारियों व सीओ बांसडीह ने भी इस समस्या पर हामी भरी और पिछले तीस घंटे से बिजली नहीं होने के कारण परेशान होने की बात कही। इस पर नाराज जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद अधिशासी अभियंता राजकुमार को फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि विद्युत संबंधित समस्याओं को दूर करने को तत्पर रहें और हमेशा जनता के संपर्क में रहे। यह भी कहा कि बिजली कटौती की वजह से कानून व्यवस्था पर प्रभाव पड़ा तो इसके जिम्मेदार आप होंगे। बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों को भी पत्र लिखने की बात कही।

समाधान दिवस में राशन से संबंधित मामले आने पर पूर्ति निरीक्षक को निर्देश दिया कि अगर किसी का नाम कट गया है तो उसे सही कारण बताकर संतुष्ट करें। भूमि विभाग से संबंधित मामलों पर एसडीएम को निर्देश दिया कि राजस्व पुलिस की टीम बनाकर मौका मुआयना करने के बाद हर सही व्यक्ति को न्याय दिलाएं। शिकायत का निस्तारण ऐसा हो कि शिकायतकर्ता पूरी तरह संतुष्ट हो जाए। अतिक्रमण की शिकायत पर पर कहा कि कहीं भी सार्वजनिक भूमि व रास्ते पर अतिक्रमण हो तो उसे सख्ती से हटवा दिया जाए। उन्होंने कहा कि जो भी शिकायती पत्र मिले हैं, संबंधित अधिकारी उसका समय से निस्तारण सुनिश्चित कराएं। इस मौके पर एसपी विक्रांत वीर, एसडीएम अभिषेक प्रियदर्शी, तहसीलदार निखिल शुक्ल, नायब तहसीलदार हिमांशु श्रीवास्तव सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

93 शिकायत पत्रों में आठ का मौके पर निस्तारण

गाजीपुर। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील जमानियां में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें 93 शिकायत/प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। मौके पर आठ का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए सातों तहसीलों की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 349 शिकायत व प्रार्थना पत्र दिए गए। मौके पर 28 शिकायत/प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। इस क्रम में तहसील जखनियां में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 57 शिकायत व प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसका मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सेवराई में उप जिलाधिकारी वि0/रा0 की अध्यक्षता में 33 शिकायत/प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें से तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। सदर तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 14 शिकायत/प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए मौके पर कोई निस्तारण नहीं किया गया। तहसील मुहमम्दाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 83 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से पांच का मौके पर निस्तारण किया गया।

पति के वियोग में पत्नी ने नदी में कूदकर दी जान, तलाश जारी

♦ एक बजे रात में पति की हुई मौत, दो बजे पत्नी नदी में कूदी

केटी न्यूज/बलिया

सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के बिहरा गांव में शुक्रवार की रात पति के बिछड़ने के वियोग में वृद्ध पत्नी ने नदी में छलांग लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर लिया। शनिवार की सुबह गोताखोरों द्वारा नदी में महिला के शव की तलाश की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के बिहरा गांव निवासी 62 वर्षीय विशेष सिंह कुछ समय से बीमार चल रहे थे। जिनकी शुक्रवार की रात करीब एक बजे मौत हो गई। उनकी मौत से उनकी 56 वर्षीय पत्नी राजकुमारी सिंह को काफी धक्का लगा और वह रोने लगी। इसी बीच राजकुमारी अपना सिंहोरा लेकर रात करीब दो बजे घर से चुपके से बाहर निकल गई और गांव से सट कर बह रही सरयु के तट पर स्थित छठ घाट पर पहुंच सिंहोरा किनारे रखकर नदी में छलांग लगा दी। कुछ देर बाद परिवार वालों को जब यह पता चला कि राजकुमारी सिंह घर से गायब हैं तो हड़कम्प मच गया। इसके बाद परिजन पड़ोसियों के सहयोग से संभावित स्थानों पर छानबीन करने लगे। लेकिन उनका पता नहीं चल स्का। जब कुछ लोग तलाश करते हुए छठ घाट पर पहुंचे तो वहां राजकुमारी का सिंहोरा पड़ा मिला। जिससे लोगों ने अंदाज लगाया कि राजकुमारी नदी में कूद गई है। शनिवार की सुबह से गोताखोर महिला की तलाश में लगे हुए है।

पूर्व सैनिक कल्याण समिति ने डीएम के प्रतिनिधि को सौंपा मांगपत्र

♦ जिला मुख्यालय पर पूर्व सैनिकों को बैठने के लिए मांगा आवास

केटी न्यूज/बलिया

पूर्व सैनिक कल्याण समिति के बैनर तले पूर्व सैनिकों ने शनिवार को जिलाधिकारी को संबोधित मांगपत्र उनके प्रतिनिधि को सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पूर्व सैनिक संगठन जिले के लाखों सैनिक, पूर्व सैनिक, वीर नारी और उनके परिवार के उत्थान, कल्याण और अधिकरों की रक्षा के लिए विगत 13 सालों से कार्यरत है। यह संगठन ब्लॉक और गांव स्तर पर मीटिंग करता है और उनकी समस्याओं को सुलह-समझौता या स्थानीय स्तर के अधिकारियों या जन प्रतिनिधियों से मिल कर समस्या का निवारण कराने का प्रयास करता है। जिलास्तरीय समस्या के निवारण हेतु सैनिक कल्याण कार्यालय जाता है, लेकिन प्रक्रिया से अनभिज्ञ होने के कारण उसे चक्कर लगाने पड़ते है, इस कार्य को सहज बनाने के लिए यह संगठन बैठक कर उन्हें सही दिशा-निर्देश के साथ मदद करता हैं। जिला मुख्यालय पर पूर्व सैनिकों को बैठने का कोई स्थान नही हैं, जिसके कारण उन्हें खुले आसमान के नीचे खड़े होकर आपसी विचार-विमर्श करना पड़ता है।

संगठन ने मांग किया कि पूर्व सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर बलिया में खाली पड़ी जमीन पर सैनिक बैठक घर का निर्माण कराया जाय। जब तक सैनिक बैठक भवन का निर्माण नहीं हो जाता, अस्थायी तौर पर टिन शेड़ की व्यवस्था किया जाय, जिसमें सभा व विचार विमर्श करने की अनुमति हो। इसके साथ ही स्वच्छ पीने का पानी हेतु आरो प्लान्ट की सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर में सुविधा हो।

वहीं वर्षो से बंद पड़े शौचालय को चालू कराया जाय। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अखिलेश्वर सिंह, राजकुमार सिंह, दयानन्द पांडेय, अनिल कुमार पाठक, रामाशीष, सत्यनारायण, महात्मा सिंह, अशोक गुप्ता, प्रेम चन्द्र शर्मा आदि रहे।

26 सितंबर को जिला मुख्यालय पर आयोजित आक्रोश रैली को सफल बनाने का लिया संकल्प

एनपीएस-यूपीएस व निजीकरण देश के लिए घातक: समीर

♦ ओपीएस बहाली की मांग को लेकर शिक्षकों ने की बैठक

♦ बांसडीह ब्लॉक के अध्यक्ष रामजी व मंत्री बने विवेक

केटी न्यूज/बलिया

शनिवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र बांसडीह पर अटेवा की ब्लॉक इकाई बांसडीह का गठन जिलाध्यक्ष समीर कुमार पाण्डेय एवम् जिला महामंत्री राकेश कुमार मौर्य के देखरेख में संपन्न हुआ। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया। तत्पश्चात जिला कार्यकारिणी के सभी सम्मानित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष समीर कुमार पाण्डेय ने उपस्थित शिक्षकों को संगठन के कार्यों एवं उद्देश्यों से विस्तार रुप से अवगत कराया। कहाकि एनपीएस व निजीकरण देश के लिए घातक है। सरकार सभी प्रकार के कार्यों के लिए शिक्षकों को याद करती है, लेकिन जब बात पुरानी पेंशन बहाली की आती है तो सरकार पीछे हट जाती है। उन्होंने कहाकि एनपीएस की कमियों को सरकार यूपीएस जैसा प्रस्ताव लाकर ढकना चाहती है जो बिल्कुल भी स्वीकार नहीं है और सबके लिए पुरानी पेंशन की बहाली तक अटेवा का आंदोलन चलता रहेगा।

इस दौरान सर्व सम्मत से अध्यक्ष पद पर रामजी वर्मा, महामंत्री विवेक कुमार सिंह, ब्लॉक संयोजिका गीता सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष आशुतोष पाण्डेय एवम् गौरव यादव, कोषाध्यक्ष संजय खरवार, संगठन मंत्री चंदन कुमार सिंह व रंजीत वर्मा, संयुक्त मंत्री राजेश कुमार(स्वास्थ्य विभाग),

मीडिया प्रभारी - सिद्धार्थ कुमार सिंह, ऑडिटर गौरव कुमार पाण्डेय तथा कार्यकारिणी सदस्य अमरजीत सिंह एवम् अग्निवेश तिवारी को मनोनीत किया गया। अंत में सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि एवम् जिला कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विनय राय (जिला प्रवक्ता), मलय कुमार पाण्डेय (जिला संगठन मंत्री), राजेश कुमार सिंह(अध्यक्ष आरएसएम, बांसडीह), धर्मेंद्र गुप्ता(महामंत्री आरएसएम),सत्य नारायण वर्मा, दीन दयाल प्रसाद(एआरपी), रमाकांत प्रसाद(एआरपी), प्रेमचंद,

फूल चंद, नूरजहां,रविकांत तिवारी, प्रमोद प्रजापति,राहुल पाल, अजीत यादव, गौरव श्रीवास्तव,फहमीदाखातून,कमलावती प्रमोद वर्मा, जय प्रकाश भारती, नीरज तिवारी, सत्येंद्र कुमार,योगेंद्र वर्मा, शिवनाथ राम, छोटे लाल कौशिक,मनोज यादव,राधेश्याम वर्मा,राधेश्याम चौहान,सुधीर गुप्ता,आशुतोष मौर्य,राज जायसवाल,प्रवीण श्रीवास्तव,विनय यादव,अविनाश मौर्य सहित सैकड़ों शिक्षक साथी मौजूद रहे।

पटरी दुकानदारों ने मुख्यमंत्री एवं नगर विकास मंत्री को भेजा पाती

♦ जाम व सुंदरीकरण के नाम पर पटरी दुकानदारों को हटवाने का है आरोप

केटी न्यूज/बलिया

जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष व नगर पालिका अध्यक्ष के पूर्व प्रत्याशी सागर सिंह राहुल के नेतृत्व में पटरी दुकानदारों ने शनिवार को मुख्यमंत्री व नगर विकास मंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को सौंपा। जिसमें शहर में विकास, जाम की समस्या से निजात और पटरी दुकानदारों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की गई।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि विगत डेढ़ वर्षो से पटरी दुकानदारों की दुकानें यह कहकर हटवा दी गई कि शहर में जाम की समस्या हो रही है और इसका सुंदरीकरण होना है। लेकिन अभी तक विकास कार्यों का कोई एक ईंट नहीं रखा गया और ना ही जाम कि समस्या से निजात मिल पाया। जिससे पटरी दुकानदारों के सामने डेढ़ वर्षो में कोई ठोस पहल न करने से उनके परिवार के भरण पोषण की आर्थिक समस्या उत्पन्न हो गई है।

सागर सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बनने के बाद नगर में ट्रिपल इंजन के नाम पर वोट मांगा गया कि शहर में विकास कार्य को तेजी के साथ किया जाएगा। लेकिन दुर्भाग्यवश बलिया नगर की समस्या दिन प्रतिदिन बद से बत्तर होती जा रही है और यहा के जनप्रतिनिधि सदस्यता अभियान का पाठ पढ़ा रहे है। इस मौके पर विवेक ओझा, राशिद कमाल, हरीश कुमार, अबुल फैज, राजकुमार, रवि जायसवाल, राजप्रकाश, इम्तियाज अहमद, सूर्यनाथ राम, अमरनाथ श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह का हुआ आयोजन

सामाजिक एकजुटता के बिना मिलती रहेगी राष्ट्रीय एकता को चुनौती, देश और समाज हित के लिए करना होगा काम : सीएम

◆ बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से सतर्क होकर करना होगा कार्य

केटी न्यूज/गोरखपुर

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जातीय विभेद, छुआछूत, अस्पृश्यता के चलते जबतक सामाजिक एकजुटता का अभाव रहेगा, तबतक राष्ट्रीय एकता को चुनौती मिलती रहेगी। यही कारण है कि भारत की मार्गदर्शक संत परंपरा ने समाज को जोड़ने का संदेश दिया है। हमें बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से सतर्क होकर और एकजुट होकर देश और समाज हित के लिए काम करना होगा। सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतिम दिन शनिवार (आश्विन कृष्ण चतुर्थी) को महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों की पुण्यतिथि पर आयोजन से, उनके व्यक्तित्व और कृतित्व के स्मरण से नई प्रेरणा मिलती है।

धर्म विरोधियों के लिए वज्र जैसे कठोर थे महंत अवेद्यनाथ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के साथ सेवा के अनेक प्रकल्पों से जुड़कर काम करने का सौभाग्य मुझे मिला। वे मूलतः धमाचार्य थे। उनमें वात्सल्य भाव था। वह मार्गदर्शक और सच्चे समाज सुधारक थे। सहज और सरल लोगों के लिए वह वात्सल्य स्वरूप थे तो धर्म विरोधियों के प्रति वज्र जैसे कठोर। श्रद्धांजलि सभा में गोरखपुर के सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ जी दूरद्रष्टा संत थे। उन्होंने शिक्षा के साथ ही चिकित्सा स्वास्थ्य की मजबूती को लेकर जो प्रयास किए वह अनिर्वचनीय हैं। दोनों ही महंत जी संत के साथ योद्धा भी थे।

जोड़ने की रही है गोरक्षपीठ की परंपरा, समाज और जीवन के हर पक्ष को बढ़ाया आगे : सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाज और जीवन का ऐसा कोई पक्ष नहीं जिसे गोरक्षपीठ ने आगे न बढ़ाया हो। पीठ की परंपरा जोड़ने की रही है। पीठ ने इतिहास के अलग-अलग कालखंडों में उन कारणों को समझने के लिए प्रेरित किया जिनकी वजह से देश को गुलाम होना पड़ा। यह पीठ इसलिए भी समाज की एकजुटता की बात करती है कि जब भी समाज में जाति की खाई को चौड़ा करने का प्रयास किया गया, तब-तब इसका दुष्परिणाम देश को लंबे समय तक गुलामी के रूप में भुगतना पड़ा। सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी गुलामी की मानसिकता इतनी हावी रही कि तत्कालीन नेतृत्व देश की सही दिशा नहीं तय कर पाया। अनेक बलिदानियों के सर्वस्व बलिदान से हासिल स्वतंत्रता के बाद भी देश को सही दिशा न मिलने से संतों में आक्रोश था।

आज सही दिशा में बढ़ रहा है भारत : योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत सही दिशा में बढ़ रहा है। गत दस वर्षों में भारत की प्रगति, सर्वांगीण विकास की रूपरेखा उत्साहित करने वाली है। इस परिस्थिति में हम सबका दायित्व है कि हम बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से बचें। सतर्क इसलिए भी रहना होगा कि आपस में लड़ाने के लिए पैसा किसी और का होगा लेकिन माध्यम यहीं के लोग। इससे बचने के लिए संत परंपरा के संदेशों को जानने की आवश्यकता है।

जो कहा, उसे करके दिखाया ब्रह्मलीन महंतद्वय ने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का स्मरण करते हुए कहा कि महंतद्वय ने जो कहा वह करके भी दिखाया। जो बोला वह किया और जो किया वही बोला। दोनों गुरुजनों ने सामाजिक एकता के लिए समरसता के अभियान को नई ऊंचाई दी। शिक्षा, चिकित्सा और सेवा के अनेक प्रकल्पों को आगे बढ़ाया। गोसेवा और गोरक्षा के संकल्प को पूर्णता की राह दिखाई। महंतद्वय के लिए कोई कार्य सिर्फ उपदेश नहीं था बल्कि वह उसे करके दिखाते थे। वास्तव में किसी बात का वजन तभी होता जब हम उसे खुद आचरण में उतारेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरे भाषण से नहीं आचरण परिवर्तन से बदलाव आता है।

आजीवन देश और धर्म के लिए समर्पित रहे दोनों गुरुजन : महंत द्वय बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे आजीवन देश और धर्म के लिए समर्पित रहे। दोनों ने सदैव देश और धर्म को प्राथमिकता दी। इसके इतर उनके लिए कुछ भी नहीं था। उनके मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप चलते हुए गोरक्षपीठ धर्म और देश की रक्षा को प्रतिबद्ध है।

पीढ़ियों के भविष्य निर्माण से अहर्निश जुड़ी है गोरक्षपीठ : स्वामी वासुदेवाचार्य

कौशलेश सदन, अयोध्या धाम से आए जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य जी महाराज विद्याभाष्कर ने ब्रह्मलीन महंतद्वय के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि गोरक्षपीठ शिक्षा को संस्कृति और राष्ट्रीयता के आलोक में लाकर पीढ़ियों के भविष्य निर्माण से अहर्निश जुड़ी है। इसमें इस पीठ के पूज्य संतों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि मैकाले को लार्ड कहना गलत है, वह लार्ड नहीं बल्कि धूर्त था। गोरखपीठ ने मैकाले की शिक्षा प्रणाली की बजाय भारतीयता को प्रमुखता देने वाली शिक्षा का वरण पीढ़ियों को कराया। यही नहीं इस पीठ के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ ने समाज को छुआछूत से निकालकर एकता के सूत्र में पिरोया। उन्होंने कहा कि अब संत समाज की चाहत है कि योगी आदित्यनाथ सिर्फ प्रदेश के नेतृत्व तक सीमित न रहें बल्कि आने वाले समय में पूरे देश का नेतृत्व करें।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय की शोध पत्रिका 'विमर्श' का हुआ विमोचन

इस अवसर पर महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूषण के संस्थापक राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यस्मृति को समर्पित महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिका 'विमर्श' का विमोचन मुख्यमंत्री और मंचासीन अतिथिगण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना, गुरु महिमा गीत तथा श्रद्धांजलि गीत महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज रमदत्तपुर की छात्राओं ने, वैदिक मंगलाचरण डॉ. रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्षाष्टक पाठ गौरव तिवारी एवं आदित्य पांडेय, महंत अवेद्यनाथ स्तोत्रपाठ डॉ. प्रांगेश मिश्र ने प्रस्तुत किया जबकि संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया। इस अवसर पर दिगम्बर अखाड़ा अयोध्याधाम के महंत सुरेशदास, हरिद्वार से आए योगी महासभा के महामंत्री योगी चेतांनाथ, श्रीगोरखनाथ आश्रम, भावनाथ तलहटी, जूनागढ़ गुजरात के महंत शेरनाथ, अयोध्या धाम से आए महंत धर्मदास, बृजमोहन दास, बलराम दास, महंत राजू दास, कैथल, हरियाणा से आए पीर योगी शेरनाथ, नीमच, मध्य प्रदेश से पधारे महंत लालनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ, तुलसीपुर के महंत मिथलेशनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सिंधी समाज के राजेश नेभानी समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

यूपी में दिखती है संत परंपरा : रामदिनेशाचार्य

अयोध्याधाम से पधारे स्वामी रामदिनेशाचार्य ने कहा कि शैक्षिक पुनर्जागरण और अस्पृश्यता दूर करने के लिए ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी द्वारा दिए गए योगदान को युगों-युगों तक याद किया जाएगा। इन दोनों संतों की परंपरा में दीक्षित योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश में रामराज्य की परिकल्पना साकार हो रही है। उन्होंने कहा कि अब तो यही कामना है कि रामराज्य की जिस झांकी को उत्तर प्रदेश के लोगों ने देखा है वह पूरे भारतवर्ष के लोगों के लिए भी साकार हो।

योगी में है महंत की तप साधना : बालकनाथ

श्रद्धांजलि समारोह में रोहतक हरियाणा से पधारे और राजस्थान के विधायक महंत बालकनाथ ने महंत द्वय को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि दोनों ही महापुरुष आज भी अपने विचारों, आदर्शों और अपने कार्यों के रूप में हमारे बीच विद्यमान हैं। उन्होंने शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जिससे हमारी पीढ़ियों के भविष्य उज्ज्वल है। हरेक क्षेत्र में उनके योगदान अजर-अमर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की तप साधना विराजमान है। उनके नेतृत्व कौशल की सराहना देश ही नहीं पूरी दुनिया में हो रही है।

सीएम में है अवेद्यनाथ जी की दिव्यता : स्वतंत्रदेव

प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ और महंत अवेद्यनाथ की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि कहा कि महंत अवेद्यनाथ महाराज की दिव्यता और उनके विचारों को वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी कार्यशैली में मूर्तमान देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुरक्षा का वह माहौल बनाया है कि आज बहन-बेटियां बेखौफ होकर स्कूल कॉलेज जा रही हैं। सीएम योगी के लिए लोक कल्याण ही सर्वोपरि है और यह भावना उन्हें पूज्य गुरुदेव से विरासत में मिली है।

राजनीति को अपने रंग में रंग देता है संत : वेदांती

काशी से पधारे कथाव्यास श्रीमदजगद्गुरु अनंतानंद द्वाराचार्य काशीपीठाधीश्वर स्वामी डॉ. रामकमल दास वेदांती ने कहा कि संत के लिए राजनीति भी लोक कल्याण का मार्ग है। संत राजनीति के रंग में खुद नहीं रंगता बल्कि राजनीति को ही अपने रंग में रंग देता है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण गोरक्षपीठ है जहां के पीठाधीश्वरों ने राजनीति को नई दिशा देकर उसे लोक कल्याण का माध्यम बनाया। गोरक्षपीठ ने हमें बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से सतर्क और एकजुट होकर समाज के हित में काम करने की प्रेरणा दी।

सबके प्रिय थे अवेद्यनाथ : कमलेश पासवान

केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने ब्रह्मलीन महंतद्वय को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मेरे पिता ने राजनीति का ककहरा ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज से सीखा था। महाराज जी (अवेद्यनाथ) ने छुआछूत मिटाने के लिए जो अभियान चलाया वह एक मिसाल है। उनका व्यक्तित्व ऐसा था कि वे सबके प्रिय और आदरणीय थे। आज उनके दिखाए मार्गों पर चलकर उनके शिष्य, गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

सिख समुदाय पर नेता प्रतिपक्ष का बयान पद के लिए अशोभनीय

केटी न्यूज/जौनपुर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए ब्यान की भाजपा नेता सरदार जसविंदर सिंह के नेतृत्व मे ओलंदगंज मे सिख समुदाय के लोगो ने राहुल गाँधी का पुतला फुका और कड़े शब्दों में निंदा की।

सरदार जसविन्दर ने कहा कि राहुल गाँधी का यह ब्यान सिर्फ सिख समुदाय ही नहीं बल्कि सभी अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ है। राहुल गांधी का यह ब्यान अति निंदनीय है और विपक्ष के पद की गरिमा के बिल्कुल विपरीत है। नेता प्रतिपक्ष जैसे पद पर बैठे ऐसे नेता को यह शोभा नहीं देता। राहुल गांधी जैसे नेता को देश के बाहर जाकर ऐसा कहने से पूर्व सिख इतिहास को पढ़ने की सख्त जरूरत है। सिख समुदाय ने हमेशा राष्ट्रहित और धर्म के लिए

कुर्बानियाँ दी हैं और नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी की कुर्बानी अपने आप मे बेमिसाल है। ऐसा ब्यान देने से पहले राहुल गांधी क्या 1984 की भूल गए ? उनके इस ब्यान में देश विरोधी ताकतों की साजिश की बू साफ दिखाई पड़ रही है अपने इस ब्यान के लिए राहुल गांधी को सिख समुदाय के साथ साथ पूरे भारत देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश को बदनाम कर रहे हैं। वह लगातार हार से पूरी तरह से निराश हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आंतरिक मुद्दों को विदेशी धरती पर उठाने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि विदेश जाकर अपनी कमियों को उजागर क्यों करें?

जबरन धर्मांतरण कराने के मामले में पांच लोग गिरफ्तार

जौनपुर। जनपद की विभिन्न गांव में लगातार धर्मांतरण जैसे मामले प्रकाश में आते रहते हैं वही इसको लेकर हिंदू धर्मावलंबी लोगो व बजरंग दल द्वारा इसका विरोध भी किया जाता है। बावजूद इसके धर्मांतरण का खेल नहीं रुक रहा है। ताजा मामला सुजानगंज थाना क्षेत्र के पट्टी जमालपुर गांव का है जहा पिछले कुछ महीनों में धर्मांतरण के मामले सामने आए हैं जहां लोगों का जबरन धर्म बदला जा रहा था।

इसकी भनक लगते ही क्षेत्र के विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने पुलिस को सूचना दी जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कुछ किताबें व यीशु मसीह के चित्र आदि बरामद किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है सभी आरोपी एक धर्म को छोटा बताकर ईसाई धर्म का बखान कर धर्म परिवर्तन के लिए लोगों को प्रेरित करते है।

चिकित्सा अधीक्षक ने टीकाकरण केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

केटी न्यूज/सेवराई

चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर अमर कुमार और बीपीएम बबीता सिंह ने संयुक्त रूप से सीएचसी अंतर्गत बीएचएसएंडी (वीलेज हेल्थ सेनिटेशन एंड न्यूट्रेशन डे) टीकाकरण केंद्रों के औचक निरीक्षण के सिलसिले में धमक पडे। इसके चलते कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। निरीक्षण के दौरान टीकाकरण एवं अन्य कार्यों में लापरवाही पर दो आशा और दो एएनएम को चिकित्सा अधीक्षक ने नोटिस जारी कर तीन दिन में स्पष्टीकरण देने का सख्त निर्देश दिया। चेताया कि नोटिस का जवाब समय से न देने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है। इस दौरान उन्होंने सर्वे- टीकाकरण को यूवीन पोर्टल पर समय से अपलोड करने का सख्त निर्देश दिया। चेताया कि टीकाकरण, कुपोषित बच्चों को

लेकर किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहा कि शासन की ओर से चलाई जा रही योजनाओं में किसी तरह का अनियमितता पर कार्यवाई तय है। चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर अमर ने कहा कि कुल 2400 गर्भवती, 2232 नवजात बच्चे सात माह से तीन वर्ष तक के बच्चे है, उन्होंने कहा कि लापरवाह को अपने रवैये सुधार लाना होगा, साथ उन्होंने निर्देशित किया कि लाभार्थियों को शासन की ओर से मिलने वाली योजनाएं समय से उन तक हर हाल में पहुंचे इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित की है चिकित्सा अधीक्षक ने चेताया कि शतप्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य न प्राप्त करने वाले कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इसे निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधीक्षक ने अभिलेखों का भी अवलोकन किया, और चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता का हाल भी जाना।

एक नजर

बाढ़ पीड़ितों को एसडीएम ने बांटी राहत सामग्री

चंदौली। सदर ब्लाक अंतर्गत ग्राम सभा धरौली मे आई बाढ़ की चपेट में सोनकर बस्ती के कई लोगों के घर में कर्मनाशा नदी का घुस गया था जिन्हें शरण के लिए विद्यालयों का सहारा लेना पड़ा था । बता दें कि जनपद में बारिश और डैम से छोड़े गए पानी वजह से कर्मनाशा नदी के जलस्तर में वृद्धि हुई है। जिस कारण तटवर्तीय इलाकों के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शासन के निर्देश पर तटवर्ती इलाकों के लोगों को सेफ जोन में ले जाने की पहल शुरू कर दी गई है। राहत शिविरों में लोगों को पहुंचाने की व्यवस्था सुदृढ़ की गई है। इसी क्रम में कर्मनाशा नदी के धरौली क्षेत्र तटवर्ती इलाकों के लोगों के घर में पानी भरने से बाढ़ जैसी विभीषिका का सामना करना पड़ रहा है। जिला प्रशासन की टीम इन लोगों के लिए राहत शिविरों में सारी व्यवस्था की देखरेख में जुटा है। शुक्रवार की शाम धरौली पहुंची एसडीएम सदर हर्षिका सिंह ने बाढ़ पीड़ित लोगों के बीच पहुंचकर उन्हें राहत सामग्री, वस्त्र आदि अन्य आवश्यक संसाधनों का वितरण किया। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हर्षिका सिंह, नायब तहसीलदार चित्रसेन यादव, नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी समेत लेखपाल, उपस्थित रहे।

बीए.एलएल.बी में ईडब्ल्यूएस की रिक्त सीट पर प्रवेश 26 को

सराय ख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान द्वारा संचालित बीए.एलएल.बी (ऑनर्स) इंटीग्रेटेड पंचवर्षीय पाठ्यक्रम में ई.डब्ल्यू.एस की एक सीट रिक्त रह गई है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर देवराज सिंह ने बताया कि रिक्त सीट पर काउंसलिंग की तिथि 26 सितंबर 2024 निर्धारित की गई है इच्छुक छात्र/छात्राएं अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों के साथ सुबह 10 बजे उपस्थित होने इस संबंध में व्यापक दिशा निर्देश पूर्वांचल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मंत्री जी ने कानून व्यवस्था को बताया बेहतर

मऊ। उत्तर प्रदेश सरकार स्टांप न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रविन्द्र जायसवाल द्वारा प्रेस वार्ता किया गया। प्रेस वार्ता के दौरान मंत्री ने बताया कि स्टांप निबंधन विभाग की समीक्षा की गई। समीक्षा में निबंधन कितनी आ रही है, जनता को सुविधा मिल रही है या नहीं, इसके अलावा मऊ में कानून व्यवस्था सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की गई। जिसमें उन्होंने बताया कि मऊ में कानून व्यवस्था बेहतर होने के कारण जनपद के सभी तहसीलों में निबंधन में बढ़ोतरी हुई है उन्होंने कहा कि किसी समय जनपद में गुंडा माफियाओं का राज हुआ करता था, लेकिन आज प्रदेश सरकार के डर से गुंडा माफिया शहर के बाहर हैं। इस कारण भी लोगों द्वारा मकान जमीन खरीदना व बेचना बिना किसी डर भय के किया जा रहा है।

15 नवंबर को काशी में मनाई जाएगी दिव्य देव दीपावली, पूरी हो चुकी है तैयारी

देव दीपावली पर 12 लाख दीप से रोशन होंगे काशी के घाट

◆ गाय के गोबर से बने दीपों से भी रोशन होंगे काशी के घाट व कुंड

केटी न्यूज/वाराणसी

काशी में 15 नवंबर को देव दीपावली होगी। देव दीपावली पर काशी के घाट दीपों की रोशनी से नहाये दिखाई देते हैं। दीपों की माला पहने हुए काशी के अर्धचन्द्राकार घाटों की छटा अलौकिक और अद्भुत दिखाई देती है। लोकल से ग्लोबल होती हुई देव दीपावली को देखने के लिए देशी और विदेशी मेहमान भी काशी आते हैं।

इस वर्ष ये नजारा 15 नवंबर को दिखेगा, जब खुद देवता देव दीपावली मनाने के लिए काशी के घाटों पर उतरेंगे। योगी सरकार देव

दीपावली को दिव्य व भव्य बनाने के लिए 12 लाख दीपों से घाटों और कुंडों को रोशन करेगी। इसमें लाखों दीप गाय के गोबर से बने होंगे। योगी सरकार देव दीपावली को दिव्य और भव्य स्वरूप देने के लिए इसे पहले ही प्रांतीय मेला घोषित कर चुकी है। देव दीपावली पर दिव्य लेजर शो और ग्रीन आतिशबाजी का भी आयोजन होगा।

ग्रीन आतिशबाजी का भी दिखेगा नजारा

डिप्टी डायरेक्टर पर्यटन ने बताया कि लेजर शो के माध्यम से घाट पर गंगा अवतरण व शिव महिमा की कहानी दिखाई जाएगी। गंगा पार रेत पर प्रदूषण रहित ग्रीन आतिशबाजी का भी शो किया जाएगा, जो पर्यावरण संरक्षण का सन्देश भी देगा। देव दीपावली पर काशी की इस अनोखे छटा को देखने के लिए देश विदेश से पर्यटक आते हैं। देव दीपावली पर होटल, गेस्ट हाउस,नाव, बजड़ा, बोट व क्रूज आदि सभी फुल हो जाते हैं।

गाय के गोबर से बने होंगे लगभग तीन लाख दीप : काशी के 84 से अधिक घाटों, कुंडो और तालाबों पर इस साल योगी सरकार की तरफ से और जन सहभागिता के जरिये 12 लाख से अधिक दीप टीम-टिमाते हुए दिखेंगे। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि 12 लाख दीयों में ढाई से तीन लाख दिये गाय के गोबर से बने होंगे।

गंगा पार रेत पर भी दीपक जलते हुए दिखेंगे, जिससे घाट के पूर्वी क्षेत्र गंगा की रेत का इलाका भी पूरी तरह रोशनी से जगमग होगा। इसके अलावा घाटों की साफ-सफाई होगी और गंगा किनारे सदियों से खड़े ऐतिहासिक घाटों को फसाड लाइट और इलेक्ट्रिक लाइट से रोशन किया जाएगा।

सुभाषितम्

खून का वह आखिरी कतरा, जो वतन की हिफाजत में गिरे, दुनिया की सबसे अनमोल चीज है। - प्रेमचंद

चुनाव की जीत बेगुनाही का सबूत नहीं

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी पर लगे, दिल्ली शराब घोटाले के आरोपों और उनके इस्तीफे ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिये हैं। केजरीवाल आरोपों को एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा बता रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा होने पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। जिस तरह से जमानत की शर्तें कोर्ट ने लगाई थी। उन शर्तों के कारण वह मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए भी कोई भी निर्णय करने की स्थिति में नहीं थे। नाही वह मुख्यमंत्री सचिवालय में जा पाते। इस स्थिति को देखते हुए, उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जनता के बीच जाने का फैसला किया है। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में यदि उन्हें बहुमत से जीत हासिल हो जाती है। तो उनका कहना है कि जनता की न्यायालय ने उन्हें ईमानदार माना है। वह जनता की अदालत से निर्दोष साबित होकर बाहर निकलेंगे। जिस तरह से चुनावी जीत को आरोपों से निर्दोष होने की बात उन्होंने कही है। इसे किस रूप में देखा जाए इसको लेकर अब राजनीतिक हल्कों में एक नई बहस छिड़ गई है। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद, नोटबंदी के फैसले को चुनावी जीत से जोड़ा था। पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने जनता के समर्थन को सबसे ऊपर रखते हुए, बार-बार कहा है। जनता ने उन्हें समर्थन दिया है। उनकी नीतियों को सही माना है। एक तरह से चुनावी जीत को केंद्र सरकार ने अपनी नीतियों की जीत बताया है। भाजपा की केंद्र सरकार और राज्यों की भाजपा सरकार बहुमत के आधार पर अपने हर निर्णय को चुनावी जीत से जोड़कर उसे बेगुनाही का सबूत बताती हैं। चुनावी जीत से किसी भी आरोप को समाप्त नहीं माना जा सकता है। चुनावी जीत का जनता के समर्थन का जुड़ाव हो सकता है। लेकिन चुनाव की जीत न्याय और अदालत के फैसले का विकल्प नहीं हो सकती है। नेता,चाहे वह कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, कानूनी प्रक्रिया से उसे गुजरना ही पड़ेगा। न्यायालय को ही यह अधिकार है, कानून के दायरे में रहते हुए अपने अधिकारों का प्रयोग किया है, या नहीं किया है। कानून के अनुसार अपराध निर्दोष होने का अंतिम फैसला न्यायालय का ही हो सकता है। 1975 में आपातकाल लगाया गया था। आज तक कांग्रेस को आपातकाल का दंस झेलना पड़ रहा है। जबकि लोकसभा और राज्यसभा में आपातकाल को लेकर बिल पास हुआ था। उसके बाद भी कांग्रेस यह कहकर आज भी नहीं बच पाती है, कि संसद ने आपातकाल का बिल पास किया था। निर्वाचित सरकारें बहुमत के आधार पर बहुत सारे निर्णय लेती हैं। जो समय-समय पर गलत भी साबित होते हैं। नोटबंदी के मामले में आज भी विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर होते हैं। नोटबंदी का निर्णय सही था, या गलत यह तो समय बताएगा। नोटबंदी के मामले में यदि कोई गड़बड़ी हुई है, तो उसकी जिम्मेदारी, जिसने गड़बड़ी की है उसी के ऊपर आएगी, वह हमेशा न्यायिक समीक्षा के अधीन रहेगी। इलेक्ट्रॉल बांड वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उसे असवैधानिक बताकर निरस्त किया है। इलेक्ट्रोल बांड के जरिए कोई आर्थिक गड़बड़ी हुई है, तो उसके लिए संबंधित व्यक्ति, पार्टी अथवा जो भी जिम्मेदार होगा। वह न्यायिक समीक्षा के अधीन हमेशा रहेगा। इस मामले का फैसला जब भी करेगी, न्यायपालिका ही करेगी। कोई भी राजनीतिक दल या राजनेता यह कहकर नहीं बच सकता है, कि उसने चुनाव जीत लिया है। इसलिए उसके खिलाफ सारे आरोप खत्म हो गए हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भले दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीत जाएं। न्यायपालिका से ही वह दोषी या निर्दोष साबित होंगे। पिछले एक दशक में जिस तरह से राजनीतिज्ञ अपने-अपने अनुकूल व्याख्या, राजनीतिक दल और राजनेता करने लगे हैं। उनका कोई ओर छोर नहीं है। अरविंद केजरीवाल जिस तरह से अपने आप को ईमानदार साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। वह एक राजनीतिक प्रयास जरूर हो सकता है।

चिंतन-मनन

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन् 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है। डेसी बल ध्वनि की तीव्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार ग्राहमबेल बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि ह्रदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे ह्रदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और ऑतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अतः हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

अब इंडिया में लड्डू पलटिक्स का दौर

राकेश अचल

कलियुग में सब कुछ बदल रहा है। सियासत भी। अब सियासत में बाकी तमाम मुद्दे पीछे चले गए हैं और अब लड्डू पॉलटिक्स शुरू हो गयी है। ये पॉलटिक्स तिरुपति में प्रसादम के लिए बनने वाले लड्डुओं में घी के नाम पर चर्बी के इस्तेमाल को लेकर शुरू हुई है। इस मामले में सूप तो सूप छलनियाँ भी बोलने लगीं हैं ,जिसमें की सैकड़ों छेद होते हैं। लड्डू पॉलटिक्स में अब टीडीपी वायएसआर पार्टी ही नहीं बल्कि भाजपा और कांग्रेस भी कूद पड़ी है। दरअसल देश में नेताओं को जब राजनीति के लिए कुछ नहीं मिलता तो वे लड्डुओं तक का इस्तेमाल करने लगते हैं और इस तरह की पॉलटिक्स की शिक्षा भाजपा ने अपने सहयोगी दलों को भी देना शुरू कर दी है। प्रसादम के लड्डुओं में चर्बी के इस्तेमाल का मुद्दा भाजपा की सहयोगी टीडीपी ने उठाया। टीडीपी की सरकार ने ही लड्डुओं की जाँच एक गुजराती प्रयोगशाला में कराई ,जबकि देश की सबसे बड़ी प्रयोगशाला हैदराबाद में मौजूद थी। लड्डू पॉलटिक्स के मामले में फांसी और सीबीआई जांच तक की मांग हो गई है. दरअसल, आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू के पिछली जगनमोहन रेड्डी सरकार पर मंदिर में प्रसाद में घी की जगह मछली का तेल और जानवरों की चर्बी मिलाई जाने के आरोपों के बाद से विवाद जारी है. वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष और आंध्र के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने नायडू पर पलटवार करते हुए कहा है कि अपनी सरकार के 100 दिन की नाकामी छुपाने के लिए चंद्रबाबू नायडू भगवान के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। क्योंकि, उनके सभी आरोप निराधार हैं. अब इस मामले में देश भर के संतों में भी नाराजगी देखी जा रही है. संत कह रहे हैं कि आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं कर सकते।

आप भी जानते हैं और हम भी की इस देश में जब इंदिरा गाँधी और राजीव गाँधी के हत्यारों को फांसी नहीं हो पाती तो लड्डुओं में चर्बी और मछली का तेल मिलाने वालों को क्या खाक फांसी होगी ? हाँ ये तय है की इस मुद्दे पर अब पालटिक्स होगी ,क्योंकि टीटीडी यानि तिरुपति देवस्थानम के पास अकूत सम्पत्ति है। आंध्र प्रदेश की हर सत्ता इस सम्पत्ति का उपभोग करना चाहती है। लड्डू तो एक बहाना भर हैं। आंध्र प्रदेश में सत्ता बदलते ही 12 जून को ही तिरुपति मंदिर के प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी की जांच के नमूने लिए गए थे। जांच रिपोर्ट 23 जून तक तैयार हो गई, लेकिन खुलासा सितंबर में हुआ जब नायडू सरकार के 100 दिन पूरे हुए। जो रिपोर्ट सामने आई उसमें लड्डू बनाने वाले घी में जो चीजें पाई गई थीं, वो बताती थी कि इसमें गाय के शुद्ध घी की जगह अन्य तिलहन और वस्पतियों के अलावा मछली के तेल और अन्य जानवरों की चर्बी हो सकती है। ये जांच नेशनल डेयरी

डेवलपमेंट बोर्ड यानी एनडीडीबी के सेंटर फॉर एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइवस्टॉक एंड फूड यानी सीएएलएफ लैब में कराई गई थी। इस सब को जाने दीजिये, क्योंकि लड्डू तो एक बहाना हैं लेकिन असल बात ये है कि देश के राजनितिक दलों के पास जितना पैसा था और है और आगे होगा उससे कई गुना पैसा तिरुपति के बालाजी भगवान के पास है। तिरुपति के बालाजी भगवान ने ये पैसा किसी इलेक्टोरल बांड के जरिये नहीं कमाया बल्कि ये अकूत दौलत देश के अमीर -गरीब भक्तों ने उन्हें स्वेच्छा से भेंट की है। साल 2023 में 773 करोड़ की कीमत का एक हजार 31 किलो सोना भगवान वेंकटेश को चढ़ाया गया. इतना ही नहीं, बालाजी मंदिर का बैंकों में 11 हजार 329 किलो सोना जमा है। मंदिर के नाम से 13 हजार 287 करोड़ रुपए फिक्स डिपॉजिट किया गया है. अप्रैल 2024 तक 18 हजार 817 करोड़ रुपए मंदिर के नाम से बैंक में जमा हो चुका है।टीटी डी ट्रस्ट बोर्ड ने 2024-2025 के लिए कुल 5 हजार 141.74 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है. ये पहली बार है, जब मंदिर का वार्षिक बजट 5,000 करोड़ रुपये के.आंकड़े को पार कर गया है। लड्डू पलटिक्स के जरिये जहाँ टीडीपी अपने राजनितिक प्रतिद्वंदियों को निबटना चाहती है वहीं भाजपा इनके जरिये अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों से हिसाब बराबर करना चाहती है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आंध्र के सीएम चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की और प्रसाद की रिपोर्ट मांगी है। साथ ही जेपी नड्डा ने जांच के बाद कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। सवाल ये है कि क्या इस मामले में केंद्र सरकार को हस्तक्षेप का अधिकार है? हर मामले में बिना बोले न रहने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तो दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग कर दी है. वहीं, कांग्रेस ने सीएम नायडू पर सवाल खड़े किए हैं कि तीन महीने तक सीएम ने खुलासा क्यों नहीं किया। अब कांग्रेस ने सीबीआई जांच की मांग की है। गुजरात की अमूल कम्पनी ने इस मामले में अपना नाम आते ही सफाई दी है की अमूल ने कभी भी टीटीडी को घी की आपूर्ति नहीं की। यानि चोर की दाढ़ी में तिनका। लड्डू पलटिक्स में अभी तक माननीय प्रधानमंत्री नहीं बोले है । वे इस समय चुनावी रैलियों में व्यस्त हैं,वैसे भी वे इस तरह के पचड़ों से दूर रहते हैं ,पास तभी आते हैं जब उन्हें या उनकी सरकार और पार्टी को ऐसे मामलों से कोई लाभ हो। लेकिन लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तिरुपति के लड्डू से जुड़े मामले पर चिंता जताई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पूरे देश में प्रशासन को धार्मिक स्थलों की पवित्रता की रक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसाद के अपवित्र होने की खबरें परेशान करने वाली हैं। भगवान बालाजी भारत और दुनियाभर में लाखों श्रद्धालुओं के लिए पूजनीय देवता हैं। यह मुद्दा हर श्रद्धालु को आहत करेगा और इस पर गहराई से विचार करने की जरूरत है। चूंकि भाजपा की नजर में राहुल गांधी देश के नंबर एक आतंकवादी हैं इसलिए उनकी बात सुनेगा कौन? सवाल ये है कि इस लड्डू पॉलटिक्स का अंत क्या होगा? क्या जगंमोहहं रेड्डी जेल जायेंगे? क्या आईएनडीआईए पर इन लड्डुओं के बहाने देश में हो रहे विधानसभा चुनावों में हमले किये जायेंगे? या सचमुच देश की जनता की आस्थाओं और जन स्वास्थ्य के प्रति खिलवाड़ को रूकने के लिए राजनीति से ऊपर उठकर कोई कार्रवाई की जाएगी? मुमकिन है कि मामले का लाभ लेने के लिए राज्य सरकार इस मामले की सीबीआई जाँच के लिए अपनी सहयोगी केंद्र सरकार को खत लिख दे। मुमकिन है कि केंद्र सरकार इस जाँच की आड़ में कांग्रेस और कांग्रेस के सहयोगी जगन मोहन रेड्डी को जेल भेजने की तैयारी करे ,लेकिन कोई भी इस बात की गारंटी नहीं दे सकता कि भविष्य में प्रसादम के लड्डुओं में किसी चर्बी या मछली के तेल युक्त देशी घी का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

टीटीडी के पास इतनी दौलत है कि वो चाहे तो अपने यहां आपूर्ति किये जाने वाले घी, बेसन, मेवों की जांच के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की लैब स्थापित कर ले ,लेकिन वो भी ऐसा शायद ही करे ,क्योंकि उसने भी सब कुछ भगवान व्यंकटेश के भरोसे छोड़ दिया है। होगा वही जो पॉलटिक्स तय करेगी। भगवान और भक्त इसमें कुछ नहीं कर सकते। क्योंकि राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली ,भोपाल और बनारस में मुकदमा दर्ज करना जितना आसान है उतना प्रसादम में चर्बी युक्त घी सप्लाई करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करना कठिन है।

बच्चों की मानसिक सेहत पर मोबाइल की लत का असर

दिलीप कुमार पाठक

इन्टरनेट, सोशल मीडिया युग परिवर्तन का सबसे मुफीद उदाहरण हैं. जब कोई बहुत बड़ा परिवर्तन होता है तो समाज में भी तरह -, तरह के परिवर्तन आते हैं. सोशल मीडिया के आगमन के साथ अन्य सुविधाओं आईं, उनका प्रत्यक्ष फायदा भी दिख रहा है, लेकिन उसके साथ ही इन्टरनेट, सोशल मीडिया की लत पीढ़ियां खराब कर रही है. बच्चे, बुजुर्ग, जवान सभी के सभी मोबाइल फोन में ऐसे चिपक गए हैं कि सभी की आभासी दुनिया तो बहुत विशाल हो गई है लेकिन वास्तविक दुनिया सिकुड़ गई है. हालाँकि सबसे ज्यादा बच्चों की हालत गंभीर है. हम आस-पास अपने घरों में देखते हैं तो हमारे छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल में डूबे हुए हैं. बच्चे जिद करते हैं, जब तक उन्हें भरपूर मोबाइल न देखने दिया जाए तब तक बच्चे खाना नहीं खाते. जब बच्चे स्कूल से आने के बाद खेलते थे, ये बात बीते दौर की हो चुकी हैं, अब बच्चे सिर्फ. और सिर्फ. मोबाइल देखते हैं. आंकड़ों से पता चलता है सोशल साइट्स पर घंटों सक्रिय रहने की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, जिससे दुनिया भर के देश परेशान हैं. विभिन्न शोध बताते हैं कि भारत में करीब 22 फीसदी बच्चे और किशोर एक दिन में छह घंटे तक इंटरनेट पर बिता देते हैं. एक सर्वे के अनुसार महाराष्ट्र में 9 से 17 आयु वर्ग के औसतन 10 में से 6 बच्चे रोजाना तीन से छह घंटे सोशल मीडिया पर वक्त बिता रहे हैं. अमेरिका में करीब 40 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया या गेंमग की लत की गिरफ्त में कैद हो चुके हैं. सोशल मीडिया की लत बच्चों में अवसाद और अकेलेपन की समस्या को बढ़ा रही है, जिसे कोरोना काल में हुई ऑनलाइन पढ़ाई ने और ज्यादा बढ़ा दिया. हालांकि, उस समय ऑनलाइन पढ़ाई हालात की मांग थी लेकिन इससे बच्चों में स्क्रीन टाइम अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया है. अब हालात यह हैं कि कम उम्र में ही सिर दर्द, पीठ दर्द या गर्दन में दर्द सहित आक्रामक

व्यवहार जैसे बदलाव बच्चों में देखने को मिल रहे हैं. बहुतेरे बच्चे न ढंग से सोते हैं, और न ही खाना खाते हैं. सोशल मीडिया पोस्ट पर मिलने वाले लाइक और कमेंट हमारे दिमाग पर बहुत गहरा असर डालते हैं. इस प्रकार की प्रतिक्रियाएं ज़्यादा प्रभावित करती हैं. दूसरे हमें कितना पसंद और स्वीकार करते हैं. अच्छे फीडबैक पाने के लिए लोग बहुत ज्यादा समय और ऊर्जा रील्स बनाने में खर्च कर देते हैं, वहीं कुछ लोग रील देखने में घण्टों व्यतीत कर देते हैं. सोशल मीडिया एक ऐसी वर्चुअल दुनिया है, जहां सब कुछ बेहद खुशनुमा और खूबसूरत है. इंटरनेट पर रील्स देखने से हमारे शरीर में डोपामाइन नामक हैप्पी हार्मोन ज्यादा मात्रा में बनने लगता है और हम अच्छा महसूस करते हैं. लेकिन ऐसा करते वक्त समय का ध्यान नहीं रहता और घंटों तक लोग रील्स ही देखते रह जाते हैं. इसके पीछे भी वैज्ञानिक कारण हैं. इंटरनेट पर रोजाना एक नया ट्रेंड छाया होता है, जिसे फॉलो करना सोशल मीडिया यूजर्स के लिए बहुत जरूरी हो जाता है. यदि वह ऐसा ना करें तो उन्हें बाकी दुनिया से पीछे रह जाने का डर सताने लगता है, जिसे फियर ऑफ मिंसग आउट के नाम से जाना जाता है.

सोशल मीडिया की लत को लेकर डॉ कहते हैं ह्हम इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस्तेमाल करने वालों में चार सी ढूँढते हैं. पहला है क्रेविंग यानी सोशल मीडिया पर जाने और इंटरनेट के इस्तेमाल की जबरदस्त तलब. दूसरा है कंट्रोल यानी जब आप सोशल मीडिया पर होते हैं तो अपना संतुलन खो देते हैं, आपको समय का पता नहीं चलता. तीसरा है कम्पल्शन यानी अगर आप को इंटरनेट पर जाने की या अपने मोबाइल फोन पर मेल चेक करने की या फेसबुक पर अपडेट लिखते रहने और तस्वीरें अपलोड करने की जरूरत नहीं है तब भी आप इसका इस्तेमाल करते हैं और चौथा है कॉन्सिक्वेंसेज मतलब इस आदत के कारण हुआ नुकसान. दोस्तों और रिश्तेदारों को खोने से लेकर खुद का कीमती समय बर्बाद करना, इसमें सभी तरह का नुकसान हो सकता है. बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं - ₹ नई पीढ़ी टेक्नॉलॉजी के अनुचित इस्तेमाल की शिकार है जिसके कारण उनकी याददाश्त कमजोर हो गई है. वह किसी भी समस्या का समाधान तुरंत चाहते हैं क्योंकि उन्हें इंटरनेट पर हर प्रश्न का उत्तर फौरन मिल जाता है. यही कारण है कि बच्चे अब दिमाग लगाना नहीं चाहते. जब सबकुछ बिना दिमाग लगाए मिल जाता है तो दिमाग लगाने की आवश्यकता ही क्या है! यही कारण है कि सोशल मीडिया जितनी उपयोगी है, नई पीढ़ी के लिए उतनी ही खतरनाक होती जा रही है. डोपामाइन हार्मोन फील गुड का एहसास कराता है, जो सोशल मीडिया की लत को बढ़ावा देता है. सोशल मीडिया अकाउंट खंगालने की तलब हो, तो फोन उठाने के बजाय दिल को भानेवाली किसी गतिविधि में मन उलझाने की कोशिश करें. घूमने-फिरने के लिए बाहर निकल जाएं. फोन इस्तेमाल का समय निर्धारित करें. सकारात्मक एहसास और नकारात्मक भावनाओं वाले पोस्ट के बीच अंतर पहचानें. खासकर हमारे देश के पालको को बच्चों की मोबाइल की लत को गंभीरता से लेना चाहिए, अन्यथा आने वाली पीढ़ियां मानसिक कुंद हो जाएंगी।

नेहरू की राहः मोदी का नया राजनीतिक दांवः एक देश एक चुनाव?

ओमप्रकाश मेहता

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 17 वर्षीय कार्यकाल से अपने प्रधानमंत्री काल को बेहतर सिद्ध करने की तमन्ना रखने वाले हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी ने जवाहरलाल की ही 6 दशक पुरानी रणनीति एक देश एक चुनाव को अपनाने का फैसला लिया है, आजादी के बाद के दो आम चुनाव नेहरू जी की इसी नीति पर आधारित थे, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुए थे, जिससे नेहरू की कीर्ति में अभिवृद्धि हुई थी, अब नरेंद्र भाई मोदी की सरकार ने भी इसी नीति को अपनाने का फैसला लिया है और इसे लागू करने की संवैधानिक औपचारिकताओं के बाद इसे 5 साल बाद अर्थात 2029 में चुनावों के समय अमल में लाया जाएगा, इस नीति के तहत संसद (लोकसभा) और देश की सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होंगे तथा संसद विधानसभाओं के चुनावों के 100 दिन बाद देश की सभी स्थानीय निकायों के चुनाव होंगे। इस घोषणा के साथ सरकार ने दावा किया है कि इस प्रयास से न सिर्फ देश में चुनाव पर होने वाले अरबो रुपए के खर्चे में कटौती होगी साथ ही समय की भी बचत होगी तथा फिर सरकारी और स्थानीय संस्थाएं बिना किसी तरह के अवरोध या विघ्न के जनहित के कार्य कर सकेगी। वैसे मोदी जी की यह सोच कोई नई नहीं है भारत में आजादी के बाद पहले चार आम चुनाव 1951-52 से 57, 1962 से 67 और 1971 के दौरान देश के मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव के साथ अपने राज्यों की विधानसभाओं के लिए भी वोट डाले थे, बाद में नए राज्य बनने और कुछ राज्यों के पुनर्गठन के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई। 1968 में कुछ राज्यों की विधानसभाओं को भंग किया गया इससे लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी, 1983 में चुनाव आयोग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव कराने की व्यवस्था फिर से शुरू करने का सुझाव दिया था। 1999 में विधि आयोग की रिपोर्ट में भी एक देश एक चुनाव का उल्लेख किया गया था, 2018 में विधि आयोग ने दोबारा एक देश एक चुनाव का समर्थन किया, बाद में मोदी सरकार ने इस मसले पर विस्तृत विचार कर अपनी सिफारिशें देने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था, जिसने पिछले मार्च माह में अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति जी को सौपी और उसी की सिफारिशों पर करीब 6 महीने विचार विमर्श के बाद मोदी सरकार ने स्कवीकार कर पूरे देश में संसद व विधान मंडलों के चुनाव एक साथ कराने का फैसला लिया तथा इन चुनावों के 100 दिन बाद पूरे देश की स्थानीय संस्थाओं के चुनाव कराने की घोषणा की, सरकार ने यह महत्वपूर्ण घोषणा तो कर दी किंतु संविधान के अनुसार इस फैसले को सरकार इससे संबंधित संविधान में संशोधन के बिना लागू नहीं कर सकती, इसलिए सरकार ने अब संसद के अगले शीतकालीन सत्र में संबंधित संविधान संशोधन करवा कर इसे लागू करने का फैसला लिया। किंतु इसके लिए देश के सभी राजनीतिक दलों की सर्वसम्मति जरूरी होगी।

आज का राशिफल

मेष करियर में धन लाभ के प्रबल योग बन रहे हैं और आपको जबर्दस्त सफलता प्राप्त होगी।

तुला आज दिन सफलता से भरा होगा और रुके कार्य पूर्ण होने से आपको खुशी होगी।

वृषभ आपका मन नई योजनाओं में लगेगा। कहीं यात्रा पर जाने के योग आपके लिए बन रहे है

वृश्चिक आज लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। दिन काफी मजबूत है।

मिथुन आपको किसी क्रिएटिव और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं।

धनु सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है।

कर्क आज दिन काफी सृजनात्मक है और आपके लिए तरक्की के शानदार संयोग बन रहे हैं।

मकर पार्टनरशिप के काम में आपको लाभ होगा। आपको पार्टनरशिप के बिजनस में लाभ होगा।

सिंह आज आपको पूरा दिन दौड़भाग करनी पड़ेगी। धर्म आध्यात्म के मामले में लाभ होगा।

कुंभ आपके लिए परेशानी बढ़ सकती हैं। खानपान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें।

कन्या आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपसी वार्ता और व्यवहार में संयमित सावधानी बरतें।

मीन आज लाभ होगा और कारोबार में आपके लिए सफलता के योग बन रहे हैं।

राजकाज

राहुल गांधी और केजरीवाल के बीच मुकाबला

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इन दिनों राष्ट्रीय स्तर का नेता बनने की दौड़ में शामिल हैं उनका मुकाबला अब मोदी से नहीं राहुल गांधी से हैपहले वह मानकर चल रहे थे, कि उनका मुकाबला नरेंद्र मोदी के साथ होगा लेकिन अब उनके मुकाबले में राहुल गांधी हैंपिछले कई महीनो से जिस तरह से राहुल गांधी की टीआरपी बढ़ रही है। उसके बाद केजरीवाल इंडिया गठबंधन में साथ रहते हुए, अपनी एक अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हरियाणा और दिल्ली विधानसभा के चुनाव में वह साबित करना चाहते हैं, कि वह राष्ट्रीय स्तर के बड़े भारी नेता हैं। जनता के बीच में वह ईमानदार नेता के रूप में लोकप्रिय हैं। इंडिया गठबंधन में वह बराबरी की भागीदारी करना चाहते हैं। इंडिया गठबंधन में अब प्रधानमंत्री बनने की होड़ शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ज्यादा समझदार साबित हुए हैं। वह बिना किसी प्रतिस्पर्धा के राष्ट्रीय राजनीति में अपने कदम तेजी के साथ बढ़ा रहे हैं। वह अपने पिता मुलायम सिंह के नक्शे कदम पर चलते हुए राजनीति की नई विसात बिछा रहे हैं।

आपा का तमाशा दिल्ली में जारी रहेगा

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह आतिशी ने ले ली है। अरविंद केजरीवाल त्याग और बलिदान की नई गाथा लिख रहे हैं। वह अपनी अग्नि परीक्षा देने की तैयारी दिल्ली के मतदाताओं के सामने ईमानदार साबित करने के लिए कर रहे हैं। हरियाणा और दिल्ली के विधानसभा चुनाव में वह अपनी अग्नि परीक्षा देकर सीता मैया की तरह खरे साबित होकर निकलना चाहते हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1599 लंदन के फाउंडर्स हाल में चौबीस व्यापारियों ने ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन किया. 1776 अमरीकी क्रांति के दौरान राष्ट्रवादी नेता नाथन हेल को अंग्रेजों ने न्यूयार्क में फांसी पर लटका दिया. 1792 क्रांति के दौरान फ्रांस गणराज्य घोषित किया गया. 1862 अमरीकी राष्ट्रपति अब्राहम लिकन ने सभी दासों को स्वतंत्र करने का आदेश दिया. 1974 प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी ने ब्रिटिश युद्धपोतों को उत्तरी सागर में डूबो दिया, जिससे १४ व्यक्ति मारे गए. 1934 वेल्स की एक खान दुर्घटना में 28 श्रमिक मारे गए. 1937 पोर्ट ब्लेयर से राजनीतिक बंदियों का आखिरी जत्था खाना हुआ . 1949 सोवियत संघ ने प्रथम परमाणु परीक्षण किया. 1974 होंडुरास में तूफान से पांच हजार से अधिक लोग मारे गए. 1977 जमात ए इस्लामी के संस्थापक मौलाना अब्दुल अली मौदूदी का निधन.

दैनिक पंचांग

22 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.25 बजे से
चंद्र	मेष में	तुला	07.40 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	09.55 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.11 बजे से
गुरु	वृष में	मकर	14.16 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.02 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	17.35 बजे से
राहु	मीन में	मेष	19.06 बजे से
केतु	कन्या में	वृष	20.46 बजे से
राहुकाल		मिथुन	22.44 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		कर्क	00.57 बजे से
		सिंह	03.14 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 266 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 15.44 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 23.03 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 08.17 बजे तदनन्तर वज्र 05.27 बजे प्रात: को समाप्त।
करण तैतिल 15.44 बजे तदनन्तर गर 02.43 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 00° 12'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872110
जूलियन दिन 2460575.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 18
विशेष पंचमी श्राद्ध, शरत्काल विषुव।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एग्रीकल्चर के प्रति बदला है युवाओं का नजरिया

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं।

ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1 ए-1, 1 ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

करियर विकल्पों के साथ अच्छी शिक्षा प्रदान करती है फाइन आर्ट्स की डिग्री

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंतत:, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा: यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।

स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम:

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए): इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।

ललित कला में कला स्नातक (बीए): यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए): यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए): इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं:

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।

प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं:

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- रचनात्मक निदेशक
- फर्नीचर डिजाइनर
- 3डी कलाकार
- सेट डिजाइनर
- यूजिक टीचर
- संपादक
- कला निर्देशक
- एनिमेटर

रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- कला स्टूडियो
- सिलाई की दुकानें
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- वस्त्र उद्योग
- बुटीक
- थियेटर
- फैशन हाउस
- शिक्षण
- स्कल्पचर

सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

घर बैठे इसरो से करें फ्री ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शैक्षिक संसाधनों को उपलब्ध कराने के लिए कई फ्री पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं। पूरा करने पर सर्टिफिकेट दिया जाता है।

रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में प्रोफेशनल के नॉलेज एंड स्किल्स को डेवलपमेंट करने के लिए इसरो द्वारा फ्री ऑनलाइन कोर्स की शुरुआत की गई है। यह ऑनलाइन कोर्स भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के तहत भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान (आईआईआरएस) द्वारा प्रदान किया जा रहा है। आईआईआरएस की ओर से शुरू एडवांस इन रिमोट सेंसिंग टेक्निक्स फॉर जियोलॉजिकल एप्लीकेशन कोर्स प्रोफेशनल को रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में प्रैक्टिकल विशेषज्ञता को हासिल करने के मकसद से डिजाइन किया गया है। रिमोट सेंसिंग फॉर जियोलॉजिकल कोर्स अनेक एप्लीकेशन से संबंधित है, जिसमें मैपिंग, मॉनिटरिंग आदि पहलू शामिल है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शैक्षिक संसाधनों को उपलब्ध कराने के लिए कई फ्री पाठ्यक्रम प्रदान किए हैं। इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद, सर्टिफिकेट दिया जाता है। ये पाठ्यक्रम कई विषयों पर आधारित हैं और उन्हें अपने करियर में इस्तेमाल किया जा सकता है।

कोर्स में शामिल हैं ये विषय

भूविज्ञान में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के मूलभूत सिद्धांत, जिसमें ऑप्टिकल थर्मल, माइक्रोवेव, हाइपरस्पेक्ट्रल आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त भू-वैज्ञानिक विज्ञान में रिमोट सेंसिंग की भूमिका, लैंडस्लाइड, मैपिंग और मॉडलिंग जीएनएसएस, जियोडेसी और जियोफिजिक्स का एकीकरण और ग्रहों की खोज आदि विषय रिमोट सेंसिंग पाठ्यक्रम में शामिल है।

कौन है आवेदन के लिए पात्र

एडवांस इन रिमोट सेंसिंग टेक्निक्स फॉर जियोलॉजिकल एप्लीकेशन फ्री ऑनलाइन कोर्स के लिए अर्थ साइंस में स्नातकोत्तर छात्र व उसके समकक्ष विषय जैसे जियोलॉजी, एप्लाइड जियोलॉजी, जियोफिजिक्स, अर्थ साइंस, जियो एक्सप्लोरेशन, जियोग्राफी आदि विषय और सिविल इंजीनियरिंग, जियोसाइंस, माइनिंग इंजीनियरिंग में बीटेक छात्र इस कोर्स में आवेदन करने के पात्र हैं।

कोर्स स्टडी मैटेरियल

ई-क्लास प्लेटफॉर्म के जरिये पेशेवरों को लेक्चर स्लाइड, वीडियो रिकॉर्डेड लेक्चर आदि स्टडी मैटेरियल प्रदान किए जाएंगे।

सर्टिफिकेट दिया जाएगा

नोडल सेंटर के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करने वाले छात्रों को 70 फीसदी उपस्थिति के आधार पर प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से पंजीकरण किया है, उन छात्रों को पाठ्यक्रम के प्रत्येक सत्र में 70 फीसदी घंटे उपस्थित होना होगा। व्यक्तिगत रूप से पंजीकरण करने वाले छात्र इसरो एलएमएस के माध्यम से ऑनलाइन सर्टिफिकेट डाउनलोड कर सकते हैं।

ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के फायदे

- ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स सुविधाजनक होते हैं और घर से आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं।
- आपको किसी विशेष स्थान पर जाने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे समय और प्रयास दोनों की बचत होती है।
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स आपको अपने नॉलेज एंड स्किल्स को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स आपको नई चीजें सीखने और अपने नॉलेज का विस्तार करने में मदद कर सकते हैं।
- ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स आपको अपने नेटवर्क का विस्तार करने और नए लोगों से मिलने में मदद कर सकते हैं।
- इसके साथ ही आप दुनिया भर के विशेषज्ञों से अपने पसंदीदा विषय सीख सकते हैं।

अवसरों से भरा पड़ा है पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी का क्षेत्र

ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 22 सितंबर 2024
website: keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सम्बल योजना के तहत 42 बैट्री चलित ट्राई साइकिल का किया गया वितरण

किशनगंज, एजेंसी। जिलाधिकारी विशाल राज के द्वारा ब्लॉक मुख्यालय अवस्थित बुनियाद केंद्र में दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना सम्बल योजनान्तर्गत पात्रता के आधार पर 42 चलंत दिव्यांगजनों के बीच निःशुल्क बैट्री चालित ट्राईसाईकिल का वितरण किया गया। उक्त ट्राइसिकल वितरण में बहादुरगंज प्रखण्ड से 06, दिघलबैंक से 06 कोचाधामन से 09, टेढ़ागाछ से 09 ठाकुरगंज से 07 और किशनगंज से 05 लाभार्थी थे। डीएम द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। डीपीएम नूरी बेगम द्वारा पुष्पगुच्छ देकर जिलाधिकारी विशाल राज एवं सहायक निर्देशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग रविशंकर तिवारी को सम्मानित किया गया। इसके बाद उनके द्वारा योजना का संक्षिप्त परिचय दिया गया।

व्यवसायी की पत्नी का मोबाइल हैक कर साइबर अपराधियों ने उड़ाये 96 हजार

धनबाद, एजेंसी। चिरकुंडा थाना क्षेत्र के व्यवसायी शेखर कुमार गाडयान की पत्नी का मोबाइल नंबर हैक कर 96 हजार रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है. व्यवसायी शिकायत लेकर चिरकुंडा थाना पहुंचे, जहां साइबर क्राइम से जुड़ा मामला होने की बात कह उन्हें साइबर थाना धनबाद भेज दिया गया. साइबर थाना धनबाद द्वारा कहा गया कि दो लाख रुपए से कम का साइबर क्राइम है, इसलिए मामला संबंधित थाना में ही दर्ज होगा. अंतत : पीड़िता शैलजा गाडयान ने ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कर बैंक को भी सूचित कर दिया है. शिकायत के अनुसार शैलजा गाडयान के मोबाइल पर बुधवार दोपहर अंजान नंबर से फोन आया कि फोन नहीं उठाने के कारण आपका पार्सल डिलीवर नहीं हो पा रहा है. उसके बाद एक मैसेज में मोबाइल नंबर आया जिस पर डायल करने के लिए कहा गया. उस नंबर पर डायल करने के बाद एक मैसेज आया, जिसे बिना देखे डिलीट कर दिया. एक परिचित व्यक्ति ने शेखर गाडयान को फोन कर कहा कि आपकी पत्नी द्वारा वाट्सएप मैसेज कर जीपे पर 32 हजार रुपए दो घंटा में लौटाने की बात कह मांगी जा रही है. अविनाश कुमार सिंह, मनीष हरलालका व मलय माजी ने अपने-अपने एकाउंट से वीरेंद्र कुमार के जीपे नंबर 8595272212 पर 32-32 हजार रुपए का भुगतान कर दिया.

उत्पाद सिपाही दौड़ में एक बार फिर शुरु हुआ मौत का सिलसिला,

रांची, एजेंसी। उत्पाद सिपाही दौड़ एक बार फिर से मौत की दौड़ साबित हो रही है. अब ताजा खबर गिरिडीह से है. जहां उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ प्रतियोगिता में एक अभ्यर्थी की मौत हो गई जबकि दो लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है. मृतक की पहचान चंदन कुमार राय के रूप में हुई है. वह गिरिडीह जिले के राजधनवार थाना क्षेत्र के गादी का निवासी है. वहीं इस दौड़ में दो अन्य लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है. इन दोनों के साथ कुल 9 अभ्यर्थियों को गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मिली जानकारी के अनुसार उत्पाद बहाली दौड़ में शुक्रवार की सुबह अभ्यर्थी दौड़ रहे थे कि अचानक इनमें से कई की तबीयत बिगड़ गई. जब इलाज के लिए इन्हें गिरिडीह सदर अस्पताल लाया गया तो इनमें से एक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया जबकि दो की स्थिति गंभीर बताया. मृतक चंदन कुमार राय, पिता दर्शन राय के परिजन भी सूचना पाकर गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंच गये हैं. बता दें इस उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में 12 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और कई अभ्यार्थी बेहोश हो कर गिर गए थे. जिसके बाद इसे रद्द किया गया था, लेकिन एक बार फिर से दौड़ शुरु होने के बाद अभ्यार्थी की मौत हो गई है.

बिरसानगर में चलित कार्यालय का शुभारंभ

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पूर्वी क्षेत्र के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए चलित कार्यालय का शुभारंभ भाजपा नेता शिवशंकर सिंह ने बिरसानगर जोन नंबर-6 में किया। यहां काफी संख्या में लोग चलित कार्यालय से लाभान्वित हुए। चलित कार्यालय के माध्यम से वोटर आईडी, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, आयुष्मान भारत योजना कार्ड, राशन कार्ड इत्यादि बनवाने के साथ अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं।

कल्पना सोरेन करेंगी यात्रा का नेतृत्व

भाजपा की परिवर्तन यात्रा का जवाब झामुमो मंईयां सम्मान यात्रा से देगा

रांची। भाजपा की परिवर्तन यात्रा का जवाब झामुमो मंईयां सम्मान यात्रा से देगा। यह यात्रा पलामू प्रमंडल से शुरू होगी। नेतृत्व गांडेय विधायक कल्पना सोरेन करेंगी। पार्टी की अन्य महिला सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि इसमें सहयोग करेंगी।

जल्द ही इस यात्रा का पूरा शिड्यूल जारी होगा। शुक्रवार को सोहराय भवन में हुई पलामू और कोल्हान प्रमंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कार्यकर्ताओं और पार्टी के नेताओं को भाजपा के चाल, चेहरा और चरित्र से सावधान रहने की हिदायत दी। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार की योजनाओं को जनता के बीच ले जाने और पूरी ताकत के साथ पार्टी के कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया। पार्टी महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि बैठक में पलामू और कोल्हान प्रमंडल के सदस्यों ने सकारात्मक सुझाव दिए हैं। बैठक में सांसद जोबा मांझी, मंत्री रामदास सोरेन, दीपक बिरुआ, विधायक सविता महतो आदि थे।

भाजपा को देना है करारा जवाब : हेमंत : बैठक में हेमंत सोरेन ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा. उन्होंने चुनाव का शंखनाद करते हुए कहा कि झारखंड वीर और क्रांतिकारी माटी में भाजपा के राजनीतिक गिद्ध मंडराने लगे हैं. हमें मिलकर भाजपा के दुष्प्रचार का करारा जवाब देना है. भाजपा के झूठ और फरेब तथा समाज तोड़ने के षड्यंत्र का मुंह तोड़ जवाब देना है. इन्हें याद दिलाना है कि जब-जब झारखंड को झुकाने का प्रयास किया गया है, तब-तब अपने वीर पुरखों की शहादत एवं दिशोम गुरुजी और उनके असंख्य क्रांतिकारी साथियों के संघर्ष से प्रेरणा लेकर झामुमो ने षड्यंत्रकारियों को करारा जवाब दिया है. सीएम ने कहा कि विगत साढ़े चार वर्ष में अबुआ सरकार ने भाजपा के हर षड्यंत्र का जवाब देते हुए, एजेंसियों से लड़ते हुए, हर वर्ग को अनेकों लोक कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का काम किया है. सीएम ने कहा कि आप सभी से अपील है कि भाजपा के इन षड्यंत्रकारियों का जवाब देने के लिए कमर की पेटी बांध लीजिए. वक्त आ गया है.

जल्द ही पार्टी 81 विधानसभा में शुरू करेगा कार्यक्रम : पार्टी के महासचिव विनोद पांडेय ने बताया कि बैठक में पार्टी का कार्यक्रम तय किये जा रहे हैं. उनकी राय ली जा रही है. कार्यक्रम का नाम क्या होगा. कहां तक होगा. इस पर राय ली गयी है. अच्छे सुझाव आये हैं. पार्टी बहुत जल्द ही कार्यक्रम राज्य के 24 जिले और 81 विधानसभा क्षेत्रों में शुरु होगा. भाजपा को बहुत जल्द ही राज्य की जनता ही निपटा देगी. भाजपा को गुमान है तो विकास के नाम पर चुनाव लड़के दिखाये. उन्हें समझ आ जाएगा कितने पानी में हैं वो. बैठक में मंत्री दीपक बिरुवा, कोल्हान व पलामू प्रमंडल के विभिन्न विधानसभा क्षेत्र के विधायक व जिलों के पदाधिकारी मौजूद थे.

एसएनएमएमसीएच के प्राचार्य और अधीक्षक बदले

धनबाद। धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) के प्राचार्य और अधीक्षक बदल दिए गए हैं। डॉ केके लाल को प्राचार्य और डॉ संजय कुमार चौरसिया को अधीक्षक बनाया गया है।

झारखंड सरकार के स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने शुक्रवार को इसकी अधिसूचना जारी कर तत्काल प्रभाव से इसे लागू भी कर दिया। डॉ लाल हजारीबाग मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग में प्रोफेसर हैं। ये धनबाद मेडिकल कॉलेज में भी लंबे समय तक सेवा दे चुके हैं। नए अधीक्षक डॉ चौरसिया यहीं सर्जरी विभाग में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष हैं। बता दें कि अभी पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ ज्योति रंजन प्रसाद इस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य हैं। इनके पास अधीक्षक का भी अतिरिक्त प्रभार है। डॉ लाल और डॉ चौरसिया इन्हीं से पदभार ग्रहण करेंगे।

नए प्राचार्य डॉ कृष्ण कुमार लाल ने कहा है कि मेडिकल कॉलेज में छात्रों को बेहतर शिक्षा की व्यवस्था करना उनकी प्राथमिकता होगी। इसके लिए डॉक्टरों की क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे ताकि छात्रों को उसका लाभ मिल सके।

उपलब्ध संसाधन का होगा बेहतर इस्तेमाल : डॉ चौरसिया
नए अधीक्षक डॉ संजय कुमार चौधरी के अनुसार अस्पताल में उपलब्ध संसाधन का बेहतर इस्तेमाल कर मरीजों को उसका पूरा लाभ दिया जाएगा। इसके लिए सभी डॉक्टरों और कर्मचारियों का सहयोग अपेक्षित है।

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा पर नक्सल आतंक का खतरा

रांची, एजेंसी। झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (सीजीएल) को लेकर अभ्यर्थियों ने पूर्व मुख्यमंत्री व बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को पत्र सौंपा है. अभ्यर्थियों ने कहा है कि सीजीएल परीक्षा 21 और 22 सितंबर को निर्धारित है. इधर, नक्सली 21 से 27 सितंबर तक स्थापना दिवस मना रहे हैं. इस कारण अभ्यर्थी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं.

अभ्यार्थियों ने बताया कि मुख्यमंत्री और जेएसएससी अध्यक्ष को ई-मेल भी किया गया है. अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा को लेकर प्रवेश पत्र भी जारी हो गया है. लगता है सरकार भी निर्धारित समय पर परीक्षा को लेकर अडिग है. पहले भी लापरवाही के कारण उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में दर्जन भर से अधिक अभ्यर्थियों की मौत हो गयी है. अभी भी कई अभ्यर्थी अस्पताल में हैं.

अभ्यर्थियों ने पत्र में लिखा है कि यदि सीजीएल परीक्षा के दौरान किसी भी छात्र के साथ कोई दुर्घटना होती है, तो सरकार फिर से अपनी जिम्मेवारी से भाग सकती है. अभ्यर्थियों ने बाबूलाल मरांडी से उचित कदम उठाने की गुहार लगायी है. बता दें, छ्स्स्ष्ट ष्ट्तरु परीक्षा 21 और 22 सिंतबर को होनी है. इस परीक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं. खुद सीएम हेमंत सोरेन ने गुरुवार को उच्च स्तरीय बैठक की और सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जिससे परीक्षा में किसी भी तरह के परेशानी न हो. वहीं इससे पहले भी परीक्षा हुई थी लेकिन पेपर लीक होने के कारण इसे रद्द कर दिया गया था.

पलामू में रील बनाने के चक्कर में गई जान, कोयल नदी के शिवाला घाट पर पैर फिसलने से नदी में समाया

पलामू। पलामू में कोयल नदी तट पर रील बना रहा एक 17 वर्षीय नाबालिग नदी में डूब गया है। शाम से उसकी तलाश जारी है मगर पता नहीं चल पाया है। नदी में डूबने वाला सक्षम घास पट्टी के रहने वाले सज्जन गुप्ता उर्फ बंटी का पुत्र है। बंटी गुप्ता का मेन मार्केट में किराना दुकान है। उनकी दो बेटियां व एक बेटा सक्षम है। सक्षम ग्यारहवीं का छात्र है।

कोचिंग जाने की बात कह घर से निकला : शुक्रवार को घर से कोचिंग जाने की बात कहकर निकला था। मगर दो दोस्तों के साथ कोयल नदी शिवाला घाट पर चला गया। इस दौरान वह घाट की सीढ़ी पर पानी के नजदीक जाकर मोबाइल फोन से रील बना रहा था। उसका संतुलन बिगड़ा और वह नदी में चला गया। तीन दिनों की बारिश से कोयल नदी का जल स्तर बढ़ा हुआ है। सक्षम के नदी में गिरते ही उसके दोस्तों ने शोर मचाया मगर कुछ ही क्षणों में नदी की तेज धार के साथ सक्षम बह गया।

शाम से ही तलाश जारी : इसकी जानकारी सक्षम के घर वालों और शहर थाना पुलिस को दी गई। परिजन और पुलिस मौके पर पहुंच कर नाबालिग के खोजबीन में लगे हैं। शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार, टीओपी एक प्रभारी इंद्रदेव पासवान के नेतृत्व में तटवर्ती क्षेत्र में डूबे सक्षम की खोज के लिए अभियान चलाया जा रहा है। शहर से लेकर सिंगरा तक कोयल नदी में नजर रखी जा रही है। मगर रात हो जाने के कारण सक्षम का खोज प्रभावित हुआ है।

मोबाइल दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

लातेहर। मनिका थाना क्षेत्र के सिंजो- पंचफेडी चौक में रिंकू मोबाइल एंड इलेक्ट्रॉनिक दुकान में गुरुवार की रात्रि आग लग गई. इस अगलगी में दुकान में लाखों का सामान जल कर नष्ट हो गया. दुकान संचालक अनुराग कुमार ने बताया कि प्रतिदिन की भांति वे गुरुवार 9:15 बजे रात्रि में दुकान बंद करके अपने घर गये थे. रात्रि लगभग 12:00 बजे मकान मालिक के द्वारा फोन पर सूचना मिली कि दुकान से धुआं निकल रहा है. इसके बाद जब वे अपने परिजनों के साथ दुकान पर पहुंचे तो देखें की दुकान में धुआं निकल रहा है.संचालक ने बताया कि जब दुकान खोले तो अंदर देख की दुकान का सामान जल रहा है. घटना की सूचना स्थानीय पुलिस एवं अग्निशमन लातेहार को दिया.इसके बाद अग्निशमन वाहन के आने के बाद आग पर काबू पाया गया. अनुराग कुमार ने बताया कि इस आगलगी से लगभग छह लाख रुपये का नुकसान हुआ है. अग्निशमन वाहन पहुंचने से लगभग 10 से 11 लाख रुपया का संपत्ति बच गया.आगलगी का स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाया है. घटना की सूचना पाकर पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह दुकान पर पहुंचे और दुकान संचालक को हर संभव मदद करने का आश्वाशन दिया.

राहुल गांधी पर सिखों का फूटा गुस्सा, काला बिल्ला लगाकर किया विरोध

रांची । सिख समुदाय के खिलाफ विदेश में दुष्प्रचार करने वाले कांगेस नेता राहुल गांधी माफी मांगो को लेकर रांची के सिख समुदायों का शुक्रवार को गुस्सा फूटा. लोगों ने कहा कि राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है. कांग्रेस सिख विरोधी है. भारत का भी अपमान किया गया है. आज सिख समुदाय के लोग पगड़ी, कृणाल और कड़ा शान से पहन रहे हैं. यह पहनावा पर राहुल गांधी को बोलने का कोई हक नहीं है. इससे पहले रांची के सिख समुदायों ने जिला स्कूल में एकजुट हुए. यहां से पैदल मार्च शुरू किया, जो अलबर्ट एक्का चौक पहुंचा. जुलूस सभा में तब्दील हो गया.

विरोध करने वालों के हाथो में तिरंगा झंडा और तख्तिया थीं. इसमें 1984 के सिख नरसंहार पर जवाब दो, सिखों का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान, राहुल गांधी माफी मांगो जैसे नारे लिखे हुए थे. गुरुद्वारा संघ के अध्यक्ष गुरुविंदर सिंह ने कहा कि भारत से लेकर विदेशों तक में सिखो का सम्मान होता है. देश का नाम रौशन करने के बजाय विदेश में राहुल गांधी भारत का अपमान कर रहे हैं.

ऐसी बयानबाजी करने वाले नेताओं के खिलाफ में अन्य समुदायों को भी आगे आना चाहिए. मौके पर राजेंद्र सिंह, रुपेद्र सिंह, मस्तान सिंह, गुरुविंदर सिंह सेठी, पूनम आनंद, रुबल, हरविंदर बेदी, पाली साहनी, पम्मी बगाह, संदीप नागपाल, गगनदीप सिंह, रंजीत सिंह, नवजोत सिंह समेत अन्य शामिल थे.

कांग्रेस व पाकिस्तान का एक ही एजेंडा, कश्मीर से हटे धारा 370 : शिवराज सिंह

रांची, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस और पाकिस्तान का एक ही एजेंडा है कि कश्मीर से धारा 370 व 35ए हटे। पाकिस्तान और कांग्रेस के सुर और उनका विचार एक ही है। शिवराज गुरुवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने आज कहा है कि कश्मीर में धारा 370 और 35ए मामले में पाकिस्तान, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ खड़ी है। इससे स्पष्ट है कि कश्मीर के चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन को पाकिस्तान सहयोग कर रहा है। इसीलिए, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी सर्जिकल स्ट्राइक का विरोध करते हैं। सबूत मांगते हैं। सेना की वीरता पर प्रश्न चिह्न लगाते हैं। उन्होंने कहा कि ये आतंकवाद को महिमामंडित करनेवाले लोग हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी अमेरिका, इंग्लैंड और देश के बाहर भारत की छवि खराब करते हैं। यही इंडी गठबंधन का सच है। भाजपा सरकार में धारा 370 और 35ए फिर से लागू नहीं हो सकता। झारखंड सरकार पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि ये बेईमान सरकार है, इसने भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा पार कर दी है। बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण झारखंड की डेमोग्राफी बदली है। संथाल में आदिवासी आबादी घट कर 44त्नसे 28त्नहो गई। हाईकोर्ट ने इस पर चिंता व्यक्त की है। भाजपा की कल से शुरू होनेवाली परिवर्तन यात्रा पर उन्होंने कहा कि जनता परिवर्तन के लिए तैयार है। परिवर्तन की आंधी में हेमंत सरकार उखड़ जाएगी। प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, शिवपूजन पाठक और योगेंद्र प्रताप सिंह थे।

निष्पक्ष और कदाचार मुक्त जेएसएससी परीक्षा को कराने को लेकर डीजीपी ने जारी किये कई निर्देश

परीक्षा केंद्रों पर डिजिटल गैजेट्स का इस्तेमाल न हो, यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से आयोजित झारखंड सामान्य स्नातक योग्ताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर पुलिस मुख्यालय गंभीर है। यह परीक्षा 21 और 22 सितंबर को राज्य के कुल 823 केन्द्रों पर आयोजित किया जाएगा। शुक्रवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता ने परीक्षा को लेकर जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी और जिले के एसएसपी, एसपी को सख्त निर्देश जारी किये हैं।

डीजीपी ने निष्पक्ष और कदाचार मुक्त परीक्षा कराने का सभी को निर्देश दिया है। डीजीपी ने परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने को कहा है। जिला स्तर पर अस्थायी नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गये हैं। परीक्षा केंद्रों पर डिजिटल गैजेट्स का इस्तेमाल न हो, यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है। परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा से निगरानी रखने, हर स्तर पर निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने, सोशल मीडिया माध्यमों पर भी निगरानी रखने का डीजीपी ने निर्देश दिया है। किसी भी अवैध गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति संबंधी सूचना संबंधित जिला के पुलिस अधीक्षक, कन्ट्रोल रूम और जिलों द्वारा जारी नंबर पर दिया जा सकता है।

डीजीपी ने जारी आदेश में कहा है कि पेपर लीक से संबंधित कोई भी अफवाह या झूठी खबरें सोशल मीडिया के माध्यम से न फैले इस संबंध में अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखें।

परीक्षा को बदनाम करने वालों पर भी त्वरित कड़ी कानूनी कार्रवाई करें। डीजीपी ने प्रत्येक जिले में प्रश्नपत्रों को सुरक्षित रखने के लिए बनाए जाने वाले स्ट्रॉन्ग रूम में और उसके चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा लगाने, जिलों में बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों के रुकने वाले स्थान जैसे होटल, लॉज, रिसॉर्ट, गेस्ट हाउस इत्यादि पर कड़ी नजर रखने, लगातार चेकिंग करने, परीक्षा केन्द्रों के परिसरों के अतिरिक्त मुख्य द्वार पर भी सीसीटीवी कैमरा लगाने, परीक्षा केन्द्रों और इसके आसपास इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के उपयोग किए जाने के संदर्भ में कड़ी नजर रखने, परीक्षा केन्द्र में आने वाले परीक्षार्थियों का सही तरीके से जांच करने, ट्रेनों के अवागमन के समय जीआरपी और आरपीएफ के साथ समन्वय स्थापित कर निगरानी रखने, सभी थाना के के जरिये थाना क्षेत्र में अवस्थित सभी होटल, लॉज, रिसॉट, गेस्ट हाउस इत्यादि के मालिकों को परीक्षा के क्रम में आने और ठहरने वाले व्यक्तियों की का डिटेल लेने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को परीक्षा को लेकर समीक्षा बैठक कर सभी जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये थे। साथ ही अधिकारियों को निष्पक्ष, कदाचार मुक्त परीक्षा कराने के लिए कहा था।

धनिया 600 रूपए. किलो पर पहुंची, प्याज 60 व लहसुन 320 पर

रांची, एजेंसी। रांची व आसपास में हुई लगातार बारिश की वजह से जहां हरी सब्जियों के भाव में एक बार फिर उछाल आ गया है। वहीं नई फसल मार्केट में नहीं पहुंचने के कारण आलू, प्याजा और लहसुन के दाम में भी लगातार वृद्धि हो रही है। सबसे महंगा धनिया हो गई है। धनिया जहां पांच दिन पहले तक 400 रुपए किलो बिक रही थी, वहीं लगातार हुई बारिश के बाद 600 रुपए किलो पर पहुंच गई है।

यही हाल लहसुन और प्याज का है। लहसुन और प्याज की नई फसल बाजार में आने में अभी एक महीने का समय लगेगा। इसलिए लहसुन का भाव 80 रुपए पाव व 320 रुपए किलो पर पहुंच गया है। प्याज भी 60 रुपए किलो पर पहुंच गया है। जबकि महज 15 दिन पहले तक प्याज का भाव 40 रुपए किलो पर था। लाल आलू की भी नई फसल आने में महीने भर का समय लगेगा। हालांकि लाल आलू अभी खुदरा में 40 रुपए किलो की दर पर पिछले एक महीने से बिक रहा है।प्याज के दाम में अचानक हुई वृद्धि को देखते हुए एनसीसीएफ 35 रुपए किलो की दर से प्याज बेच रहा है। ताकि लोगों को सस्ती दर पर प्याज मिल सके। प्रत्येक उपभोक्ता को अधिकतम 2 किलो प्याज दिया जा रहा है। उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए यह प्रावधान सरकार की ओर से किया गया है।

कृषि शिक्षा व शोध का प्रमुख केंद्र बनेगी रांची:आईसीएआर-एनआईएसए के शताब्दी समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री ने की घोषणा, लाख को कृषि का दर्जा देने का वादा

रांची। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लाख का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने की जरूरत है, ताकि लाख किसानों को इसका ज्यादा लाभ मिल सके। हम जनजातीय कार्य मंत्रालय के साथ मिलकर इसके लिए प्रयत्न करेंगे। लाख को कृषि उत्पाद के रूप में पूरे देश में मान्यता मिले, इसके लिए भी प्रयास किया जाएगा। वे शुक्रवार को आईसीएआर-राष्ट्रीय माध्यमिक कृषि संस्थान (एनआईएसए), नामकुम के शताब्दी समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने घोषणा की कि रांची को कृषि शिक्षा अनुसंधान और शोध में देश का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा।

लाख के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लाख प्रसंस्करण की इकाइयां स्थापित की जाएंगी। अब तक 1500 लाख किसानों को प्रशिक्षण दिया जाता रहा है, पर अब 5000 लाख उत्पादक किसानों को रांची कृषि शिक्षा अनुसंधान संस्थान में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रधानमंत्री का लक्ष्य किसानों को आय दोगुनी करना है। उन्होंने कहा कि लाख की खेती से जुड़े कई ऐसे किसान हैं, जो एक लाख रुपए से ज़्यादा कमा रहे हैं। कई समूहों की आमदनी 25 से 30 लाख रुपए तक है। आईसीएआर के महानिदेशक हिमांशु पाठक, आईसीएआर के उपमहानिदेशक श्याम नारायण झा ने भी समारोह को संबोधित किया। संस्थान के डायरेक्टर अभिजीत कर ने सबका स्वागत किया। समारोह में कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी थीं।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा- आईसीएआर-निसा ने 100 साल में भारतीय कृषि को नई दिशा दी है। संस्थान ने लाख उत्पादन और प्रोसेसिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है, जिसने न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के किसानों को समृद्ध बनाया है। खुशी की बात है कि झारखंड लाख उत्पादन में अग्रणी है और इस संस्थान ने लाख उत्पादन के साथ-साथ प्रोसेसिंग और उत्पाद विकास में अनेक तकनीकी नवाचार किए हैं।

सेठ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां आकर लाख किसानों का हौसला बढ़ाया है। लाख से दीदियों के साथ भैया भी लखपति बनेंगे। उन्होंने कहा कि बिचौलिए इसे 100 रुपए में खरीद रहे थे, पर उनके हस्तक्षेप से इसकी कीमत 400 रु. हुई।

कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा- किसान जब समृद्ध होगा, तभी देश विकसित बनेगा। जब अन्नदाता के घर में खुशहाली आती है, तो सभी खुशहाल होते हैं। किसी भी फसल की खेती करने वाले किसान को जब तक बिचौलियों से नहीं बचाया जाएगा, तब तक किसान समृद्ध नहीं हो सकता है। पहले जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का नारा लगा था फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय अनुसंधान का नारा लगाकर देश को विकसित राष्ट्र बनाने को जो सपना संजोया था वह आज परिलक्षित होता दिख रहा है।

हर तीन मिनट में बिका एक आईफोन 16, ब्लिंकिट और बिग बास्केट पर भी ग्राहकों की लग गई लाइन

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार से एप्पल आईफोन 16 सीरीज की बिक्री शुरू हो गई। इसे खरीदने के लिए दिल्ली और मुंबई के ऐपल स्टोर्स पर लोगों की भारी भीड़ नजर आई। लोग रात से ही लाइन में लग गए थे। वहीं शुक्रवार को इसकी बिक्री ऑनलाइन भी शुरू हुई। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट और बिग बास्केट ने 10 मिनट में इस फोन को ग्राहक तक पहुंचाने की सुविधा शुरू की। इस फोन को खरीदने के लिए लोगों का जलवा इन प्लेटफॉर्म पर भी नजर आया। ऑफलाइन के अलावा ऑनलाइन भी इस फोन को खरीदने के लिए लोग बैचेन दिखे। इसे देखते हुए क्विक कॉमर्स कंपनियों ने पहले ही तैयारी कर ली थी। काफी जगह तो ये फोन आउट ऑफ स्टॉक हो गए। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म बिग बास्केट ने पहले ही अनाउंस कर दिया था कि वह आईफोन 16 की डिलिवरी 10 मिनट में करेगी। कंपनी ने सुबह 8 बजे से इसकी डिलीवरी शुरू की। कंपनी के Chief Grocer हरी मेनन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि पहला ऑर्डर 8 बजे ही आ गया जिसे मात्र 7 मिनट के अंदर ग्राहक को डिलीवर कर दिया गया। वहीं बिग बास्केट ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से सुबह करीब 9 बजे एक पोस्ट की। इसमें उसने बताया कि कंपनी 100 से ज्यादा आईफोन बेच चुकी है। कंपनी ने लिखा कि उसने हर 3 मिनट में एक आईफोन बेचा है। ब्लिंकिट भी दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और लखनऊ के कुछ एरिया में आईफोन 16 की बिक्री कर रहा है। कंपनी का दावा है कि वह 10 मिनट में इस फोन को ग्राहकों तक पहुंचा देगी। इस क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी सुबह 8 बजे से आईफोन की बिक्री शुरू हो गई थी। कंपनी के फाउंडर अल्बिन्दर ढींढसा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि हम कुछ ही मिनटों में 300 आईफोन की बिक्री का आंकड़ा पार करने वाले हैं।

भारत कभी नहीं करता आयात शुल्क का दुरुपयोग, थिंक टैंक ने नकारा डोनाल्ड ट्रंप का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हाल ही में भारत पर आयात शुल्क के दुरुपयोग को लेकर किया गया दावा गलत है। उसने कहा कि अमेरिका सहित कई देश कुछ उत्पादों पर उच्च सीमा शुल्क लगाकर अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा करते हैं। ट्रंप ने 17 सितंबर को भारत को आयात शुल्क का दुरुपयोग करने वाला करार दिया था। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि डब्ल्यूटीओ के विश्व शुल्क प्रोफाइल 2023 के मुताबिक, अमेरिका डेयरी उत्पादों (188 फीसदी), फलों और सब्जियों (132 फीसदी), कॉफी, चाय, कोको और मसालों (53 फीसदी), अनाज और खाद्य तैयारियों (193 फीसदी), तिलहन, वसा और तेल (164 फीसदी), पेय पदार्थ और तंबाकू (150 फीसदी), मछली और मछली उत्पाद (35 फीसदी), खनिज और धातु (187 फीसदी), और रसायन (56 फीसदी) जैसी वस्तुओं पर भी उच्च शुल्क लगाता है। जीटीआरआई ने कहा कि ये आंकड़े साबित करते हैं कि अमेरिका अपनी अर्थव्यवस्था के विशिष्ट उत्पादों को उच्च शुल्क लगाकर संरक्षित करता है। जबकि भारत वाइन और ऑटोमोबाइल सहित कुछ वस्तुओं पर ही उच्च शुल्क लगाता है।

जीटीआरआई ने तर्क दिया कि ट्रंप, भारत के ऊंचे शुल्क का जिक्र करते हैं, तो वे कुछ खास उत्पादों पर लगे बहुत ऊंचे शुल्क पर ध्यान देते हैं, जैसे शराब या कारें। लेकिन इससे भारत की व्यापार नीति की पूरी तस्वीर सामने नहीं आती। अगर आप औसत शुल्क (जिसका मतलब है सभी उत्पादों को एक साथ ध्यान में रखकर देखना) और व्यापार-भारित शुल्क (जो यह देखता है कि कौन से उत्पाद का कितनी मात्रा में व्यापार किए जाते हैं) पर ध्यान दें, तो भारत के शुल्क उतने ज्यादा नहीं हैं जितने वे केवल कुछ खास वस्तुओं पर ध्यान देने से लगते हैं।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार 5वें सप्ताह हुई बढ़ोतरी

इसी के साथ अपना विदेशी मुद्रा भंडार रिकार्ड हाई पर पहुंच गया है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से बढ़ोतरी हुई है। यह लगातार पांचवा सप्ताह है, जबकि अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। इसी के साथ अपना विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर से रिकार्ड हाई लेवल पर पहुंच गया है। बीते 13 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें 223 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई। हालांकि इससे पहले, यानी 6 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें 5.24 बिलियन की भारी बढ़ोतरी हुई थी। इसी के साथ अपना भंडार अब बढ़ कर 689.45 बिलियन डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। उधर, अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान को भी पिछले सप्ताह इस मोर्चे पर खुशखबरी मिली। इस सप्ताह उसके विदेशी मुद्रा भंडार में भी बढ़ोतरी हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक से जारी आंकड़ों के मुताबिक 13 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के

दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 223 मिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इसी के साथ अपना विदेशी मुद्रा भंडार अब बढ़ कर 689.458 बिलियन तक पहुंच गया है, जो कि अब तक का सर्वकालिक स्तर है। इसे रुपये के हिसाब से आंका जाए तो भारत का भंडार इस सप्ताह घटा ही है क्योंकि उस सप्ताह इसमें 776 करोड़ रुपये कमी हुई है। हालांकि एक सप्ताह पहले यानी 6 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार 5.248 बिलियन की भारी बढ़ोतरी हुई थी। इससे एक सप्ताह पहले भी अपने भंडार में 2.299 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी।

घट गया फॉरेन करेंसी एसेट्स

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां में कमी हुई है। 13 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने एफसीएएस में 223 मिलियन की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले ही इसमें 5.107 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार घट कर स्ठ 603.629 बिलियन रह गया है। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व बढ़ा है

बीते सप्ताह देश का गोल्ड रिजर्व बढ़ा है। 13 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार में 899 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना सोने का भंडार स्ठ 62.887 बिलियन का हो गया है।

एसडीआर घट गया

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (स्ठ्र) में कमी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर में 516 मिलियन डॉलर घटा। अब यह घट कर 18.419 बिलियन डॉलर रह गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी है।

पाकिस्तान के चेहरे पर भी खुशी

भारत के साथ-साथ बीते सप्ताह अपने पड़ोसी देश, पाकिस्तान के चेहरे पर भी खुशी दिखी। यूं तो, इस समय वहां विदेशी मुद्रा की जबरदस्त किल्लत चल रही है। स्थिति यह है कि वहां सिर्फ जरूरी सामानों का ही आयात हो पा रहा है। तभी तो वहां बेहद संभल कर विदेशी मुद्रा खर्च की जा रही है। राहत की बात है कि पिछले सप्ताह वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है। बीते 13 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में 30.4 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई। अब वहां का विदेशी मुद्रा भंडार 14.826 अरब डॉलर का हो गया है। इससे पहले यानी 6 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भी वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में 56.2 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। इससे वहां की अर्थव्यवस्था को थोड़ा ही सही, लेकिन बल मिलेगा।;

बांग्लादेश में राजनीतिक संकट से भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को फायदा?

बांग्लादेश में संकट से वहां के कपड़ा उद्योग पर असर पड़ा रहा है

बांग्लादेश की जीडीपी में 10 फीसदी हिस्सेदारी टेक्सटाइल इंडस्ट्री की है

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश में आया राजनीतिक तूफान रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और फिर देश छोड़ने के बाद लग रहा था कि सबकुछ पटरी पर लौट आएगा। वहीं मोहम्मद युनूस की अगुवाई पर अंतरिम सरकार से लोगों को कुछ उम्मीदें लगी थीं, लेकिन अब वह भी धूमिल होती नजर आ रही हैं। बांग्लादेश में अभी भी हिंसा पूरी तरह शांत नहीं हुई है। इसका सबसे ज्यादा असर वहां की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर पड़ रहा है। माना जा रहा है कि इसका फायदा भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को मिल सकता है।

बांग्लादेश में पहली कपड़ा फैक्ट्री 1978 में खुली थी। आज वहां 40 लाख लोग इस काम में लगे हैं। जीडीपी में 10त्न हिस्सेदारी टेक्सटाइल इंडस्ट्री की है। पिछले साल उसने 54 बिलियन डॉलर कीमत के कपड़े निर्यात किए थे।

बांग्लादेश की कपड़ा फैक्ट्रियों में काम करने वाले श्रमिकों में ज्यादातर महिलाएं हैं। फिर, मजदूरी बेहद सस्ती है वहां, जिससे लागत कम आती है। हालांकि कम मजदूरी का मुद्दा वहां उठता रहा है।

बांग्लादेशी सरकार ने एक्सपोर्ट प्रॉसेसिंग जोन डिवेलप किए हैं। श्व और अमेरिका जैसे बड़े बाजारों के साथ ट्रेड एग्रीमेंट है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री को टैक्स में छूट और सब्सिडी दी जाती है। वहीं, भारत ने अपना फोकस कैपिटल इंटेसिव सेक्टर जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स पर रखा है।

कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत अपने घरेलू उद्योगों को लेकर बहुत ज्यादा प्रोटेक्टिव है, जिससे घाटा हो रहा है। लोकल मैन्युफैक्चरर जिन कपड़ों और दूसरी चीजों का इस्तेमाल करते हैं, उस पर 2017 के बाद से 13त्न इम्पोर्ट टैरिफ बढ़ाया जा चुका है।

पश्चिम को जिस पैमाने पर और जैसा प्रॉडक्ट चाहिए, अब उसमें बांग्लादेश को विशेषज्ञता हासिल हो चुकी है। यूरोपीय मार्केट में भारत के मुकाबले बांग्लादेशी उद्यमियों की पहुंच फिलहाल ज्यादा है।

टाटा स्टील ने कमीशन किया देश का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस

कलिंग नगर (ओडिशा), एजेंसी। देश में स्टील बनाने की शुरुआत करने वाली कंपनी टाटा स्टील ने फिर कमाल किया है। कंपनी ने ओडिशा के कलिंगनगर में एक अत्याधुनिक ब्लास्ट फर्नेस की कल कमीशनिंग की है। कंपनी का दावा है कि यह भारत का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस है। इस परियोजना के तहत कंपनी ने वहां 27,000 करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश किया है। इस फर्नेस के शुरू होने के साथ ही कलिंगनगर प्लांट की उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन प्रति वर्ष से बढ़कर 8 एमटीपीए तक पहुंच जाएगी। इसका अब टाटा स्टील के शेयर पर भी असर दिखेगा।

इस ब्लास्ट फर्नेस की कमिशनिंग के अवसर पर टाटा स्टील के सीईओ और एमडी टी. वी. नरेंद्रन भी कलिंगनगर पहुंचे। कंपनी का मानना है कि नई ब्लास्ट फर्नेस से प्लांट की उत्पादन क्षमता में भारी बढ़ोतरी होगी, जिससे टाटा स्टील को ऑटोमोटिव, इंफ्रास्ट्रक्चर, पावर, शिपबिल्डिंग और रक्षा जैसे प्रमुख उद्योगों की बढ़ती मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सक्षम बनाएगी। चरण द्धद्ध विस्तारीकरण के साथ, ओडिशा टाटा स्टील के लिए भारत में सबसे बड़ा निवेश केंद्र बनकर उभरा है, जहां पिछले 10 वर्षों के

दौरान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है।

क्या है ब्लास्ट फर्नेस की क्षमता

टाटा स्टील के नए ब्लास्ट फर्नेस का वॉल्यूम 5,870 घन मीटर है। यह अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है, जो न केवल लंबी अवधि तक निर्बाध संचालन सुनिश्चित करेगी, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल डिज़ाइन के साथ स्टील उत्पादन प्रक्रिया को भी अधिक कुशल बनाएगी। यहफर्नेस भारत में पहली बार चार टॉप कम्बशन स्टोव का उपयोग करेगी, जिससे हॉट मेटल प्रोडक्शन में इष्टतम ईंधन खपत सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही, दो प्रीहीटिंग स्टोव भी लगाई गई हैं, जो दक्षता को और बढ़ाएंगी।

बिजली भी बनेगी

टाटा स्टील के इतिहास में पहली बार इस यूनिट में ड्राई गैस क्लीनिंग प्लांट स्थापित किया गया है, जिससे बाय प्रोडक्ट गैस से अधिकतम ऊर्जा पुनर्प्राप्ति संभव हो सकेगी। साथ ही इस फर्नेस में दुनिया का सबसे बड़ा टॉप गैस रिकवरी टरबाइन लगाया गया है, जिसकी 35 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता है। यह अतिरिक्त 10त्न ऊर्जा पुनर्प्राप्ति में सहायता करेगा। भारतीय ब्लास्ट फर्नेस में पहली बार इवैपोरेटिव कूलिंग सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है, जो प्लांट के स्थान का कुशलतापूर्वक उपयोग करने के साथ-साथ पारंपरिक डिज़ाइनों की तुलना में पानी और बिजली की खपत को लगभग 20त्न तक कम करेगा।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रा के शेयर में तेजी

यह तेजी कंपनी की ओर से आई गुड न्यूज के बाद देखी गई है

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में जबरदस्त तेजी आई। सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों ने ऑल टाइम हाई का रेकॉर्ड बनाया। काफी शेयरों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया। इन्हीं में मुकेश अंबानी के छोटे भाई अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का शेयर भी शामिल है। इस शेयर में शुक्रवार को करीब 11 फीसदी की तेजी आई। दिन में यह तेजी 12 फीसदी तक आ गई थी। लेकिन बाद में बाजार बंद होने के दौरान इसमें कुछ गिरावट आई। फिर भी इस शेयर ने निवेशकों को एक ही दिन में करीब 11 फीसदी का मुनाफा दे दिया। इस तेजी के साथ यह शेयर 316 रुपये पर पहुंच गया है। हालांकि इस शेयर में तेजी के कारण और भी हैं।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के इस शेयर में तेजी एक डिसिजन के बाद देखी जा रही है। दरअसल, रिलायंस इंफ्रा ने अपने कर्ज

को काफी हद तक कम कर दिया है। ऐसे में कंपनी का फोकस अपने कारोबार को बढ़ाने पर है। इसके लिए कंपनी 3000 करोड़ रुपये से ज्?यादा का फंड जुटाने जा रही है। इस गुड न्यूज के कारण कंपनी के शेयर में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने एक दिन पहले यानी गुरुवार को बताया कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 3014.4 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों के प्रेफरेंशियल इश्यू को मंजूरी दे दी है। कभी कर्ज में डूबी रिलायंस इंफ्रा का कर्ज अब लगभग खत्म हो गया है। कंपनी ने हाल ही में कहा था कि उसका कर्ज घटकर 475 करोड़ रुपये पर आ चुका है। वहीं कंपनी की नेटवर्थ अभी 12.54 हजार करोड़ रुपये है। ऐसे में देखा जाए तो कंपनी कर्ज मुक्त होने के बेहद करीब है।

इस हफ्ते आई जबरदस्त तेजी

कंपनी के शेयरों में इस हफ्ते जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर इन 5 कारोबारी दिनों (सोमवार से शुक्रवार) में करीब 48 फीसदी उछल गए हैं। ऐसे में देखा जाए तो इसने निवेशकों को मात्र 5 दिनों में ही मालामाल बना दिया है। वहीं कंपनी ने एक साल में भी जबरदस्त रिटर्न दिया है। यह रिटर्न करीब 82 फीसदी रहा। बात अगर 5 साल के रिटर्न की करें तो कंपनी के शेयरों ने 5 साल में निवेशकों को छप्परफाड़ 763 फीसदी रिटर्न दिया है।

खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव से महंगाईपर जोखिम, अगले साल से राहत मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। खुदरा महंगाई के लगातार दूसरे महीने चार फीसदी से नीचे रहने के बावजूद खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव का आकस्मिक जोखिम बना हुआ है। हालांकि, अगले साल से राहत मिलने की उम्मीद है। आरबीआई ने शुक्रवार को जारी बुलेटिन में कहा, वैश्विक आर्थिक गतिविधि धीमी पड़ रही है। महंगाई में कमी की रफ्तार सुस्त होने से मौद्रिक नीति अधिकारियों के बीच सतर्कता बढ़ रही है। इसमें आगे कहा गया है कि 2024-25 में खुदरा महंगाई?2023-24 के 5.4 फीसदी से घटकर 4.5 फीसदी पर आ सकती है।?2025-26 में यह और कम होकर 4.1 फीसदी पर आ जाएगी। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम ने लेख में कहा, चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में घरेलू खपत तेजी से बढ़ने की राह पर है क्योंकि महंगाई घट रही है।

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने भी रखा बिजनेस की दुनिया में कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा के बाद अब अमिताभ के नाती अगस्त्य नंदा ने भी बिजनस की दुनिया में कदम रख दिया है। अगस्त्य ने एक हेल्दी फूड से जुड़ी एक कंपनी में निवेश किया है। नव्या और अगस्त्य अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता नंदा के बच्चे हैं। नव्या पहले से ही बिजनस की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। 26 साल की नव्या हाल ही में उस समय चर्चाओं में आई थीं जब उन्होंने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद में एमबीए के लिए दाखिला लिया था। नव्या करोड़ों रुपये की मालकिन हैं। साथ ही वह अपने पिता की एक कंपनी में पार्टनर भी हैं। इनके अलावा वह कई और बिजनेस से भी जुड़ी हुई हैं।

कहां किया निवेश?

23 साल के अगस्त्य ने एक कंपनी में निवेश के साथ ही अपने बिजनस की पारी शुरू कर दी है। उन्होंने मुंबई में एक फूड वेंचर में इन्वेस्टमेंट किया है। अगस्त्य ने इस वेंचर के हम नाम के एक प्रोजेक्ट में निवेश किया है। यह फास्ट-कैजुअल रेस्तरां प्रोजेक्ट है जो

खाने-पाने की हेल्दी चीजों से जुड़ा है और काफी फेमस है। अगस्त्य ने इस वेंचर में कितनी रकम निवेश की है, इसके बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

अगस्त्य ने कहा- मैं काफी खुश हूं

इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर अगस्त्य का खुश हैं। उन्होंने कहा, हम प्रोजेक्ट के परिवार में शामिल होकर मैं काफी खुश हूं। हमारा उद्देश्य है कि हम हेल्दी लाइफ स्टाइल को लोगों के सामने रखें। वहीं इस प्रोजेक्ट से जुड़ने पर हम भी काफी उत्सुक है। एक पोस्ट में हम ने कहा है, हम प्रोजेक्ट में अगस्त्य नंदा को नया पार्टनर बनाने पर काफी उत्सुक हैं। यह पार्टनरशिप एक नया अध्याय लिखेगी।

फिल्मों में भी आजमा रहे हैं किस्मत

अगस्त्य ने फिल्मी दुनिया में भी अपनी पारी शुरू कर दी है। उन्होंने द आर्चीज से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। अगस्त्य अभी अपनी आगामी फिल्म इक्कीस की तैयारी में लगे हैं। बता दें कि बच्चन परिवार इस समय बिजनस पर काफी फोकस कर रहा है। इसमें खासतौर से निवेश शामिल है।

6 महीने में ही एक लाख के बना दिए 5 लाख रुपये

सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी के शेयर ने मचाया तूफान

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में शुक्रवार को आई जबरदस्त तेजी के साथ कई कंपनियों के शेयर ने भी ऊंची उड़ान भर ली है। वहीं कुछ सेक्टर में काफी शेयर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इन्हीं में से सेमीकंडक्टर सेक्टर से जुड़ी काफी कंपनियों के शेयर निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे रहे हैं। इसका कारण है कि देश में ही चिप बनाने के लिए सरकार काफी प्रयास कर रही है। सेमीकंडक्टर सेक्टर में आने बढ़ने के लिए सरकार कई योजनाएं लेकर आई है। ऐसे में इस सेक्टर में आने वाले समय में और तेजी देखी जा सकती है।

सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी आरआईआर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने इन दिनों तूफान मचा रखा है। इस हफ्ते कारोबार के पांचों दिन (सोमवार से शुक्रवार) इस शेयर में 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा है। अभी इसके शेयर की कीमत 4013.70 रुपये है। शुक्रवार को यह 5 फीसदी की तेजी के साथ 191 रुपये चढ़ गया था। पिछले काफी समय से इस शेयर में तेजी देखी जा रही है।

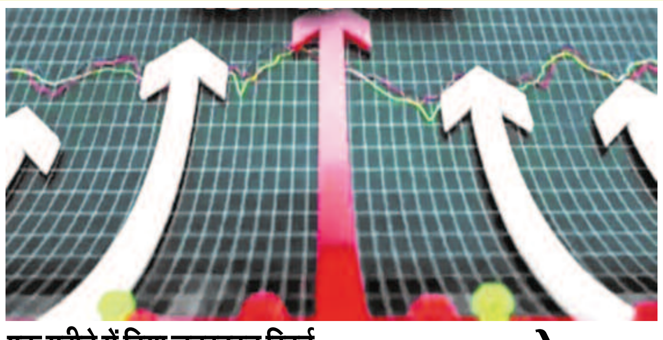

एक महीने में दिया जबरदस्त रिटर्न

यह शेयर निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहा है। इस हफ्ते इसने 25 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं एक महीने में भी इसने निवेशकों को शानदार प्रॉफिट दिया है। एक महीने इसका रिटर्न करीब 78 फीसदी रहा। एक महीने में इसमें 1755 रुपये की वृद्धि हुई है। अगर आपने एक महीने पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आपको 78 हजार रुपये का फायदा हो चुका होता। यानी एक महीने आपके एक लाख का निवेश बढ़कर 1.78 लाख रुपये हो चुका होता।

एक लाख के बना दिए 5 लाख

इस शेयर ने 6 महीने में निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। इन 6 महीनों में इस शेयर का रिटर्न 400 फीसदी से ज्यादा रहा। 6 महीने पहले इसके शेयर की कीमत 798.60 रुपये थी। इन 6 महीने में इसकी कीमत करीब 3215 रुपये बढ़ गई। अगर आपने 6 महीने पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आज इन एक लाख रुपये की वैल्यू 5 लाख रुपये होती। यानी आपको 4 लाख रुपये का फायदा हो चुका होता।

5 साल में छप्परफाड़ रिटर्न

इस शेयर ने 5 साल में निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह रिटर्न 8654 फीसदी रहा। 5 साल पहले इसके शेयर की कीमत करीब 46 रुपये थी। अगर आपने 5 साल पहले इस कंपनी के एक लाख रुपये के शेयर खरीदे होते तो आज इनकी वैल्यू 87.54 लाख रुपये होती। यानी आपको 86.54 लाख रुपये का प्रॉफिट हो चुका होता।

कंपनी का मार्केट कैप करीब 3 हजार करोड़ रुपये का है। कंपनी का हेडक्वॉर्टर मुंबई में है। कंपनी पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में इनोवशन के लिए जानी जाती है। कंपनी कई तरह की सेमीकंडक्टर डिवाइस, सेमीकंडक्टर मॉड्यूल आदि बिजनस से भी जुड़ी है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का टर्नओवर करीब 6.7 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष से ज्यादा है। वहीं कंपनी का नेट प्रॉफिट करीब 8 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 19 फीसदी ज्यादा है।

अफगानिस्तान की वनडे में सबसे बड़ी जीत

साउथ अफ्रीका वर्सेस अफगानिस्तानः गुरबाज ने कोहली की बराबरी की, बर्थडे पर राशिद ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

शारजाह, एजेंसी। अफगानिस्तान ने साउथ अफ्रीका को शुक्रवार (20 सितंबर) को दूसरे वनडे में हराकर इतिहास रच दिया। अफगानिस्तान ने 3 मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर लिया। अफगानिस्तान ने 177 रन से जीत दर्ज की। पहली बार दोनों टीमों के बीच द्विपक्षीय सीरीज खेली जा रही है। अफगानिस्तान के इस जीत के हीरो रहमानुल्लाह गुरबाज और बर्थडे ब्वॉय राशिद खान रहे।

रहमानुल्लाह गुरबाज ने 110 गेंद पर 10 चौके और 3 छक्के की मदद से 105 रन बनाए। यह उनका वनडे में 7वां शतक था। अफगानिस्तान के लिए वह सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। 23 साल के होने से पहले सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने के मामले में वह संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर पहुंच गए। उनके अलावा विराट कोहली के नाम 7 शतक है। सचिन तेंदुलकर और क्विंटन डिकॉक के 8-8 शतक है। बाबर आजम और उपल थरंगा के नाम 6-6 शतक है।

बर्थडे पर राशिद ने किया कमाल

राशिद खान ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए। वह बर्थडे पर वनडे में 5 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए। इससे पहले बर्थडे पर सबसे बढ़िया गेंदबाजी प्रदर्शन वर्नोन फिलेंडर और स्टुअर्ट ब्रॉड के नाम था। फिलेंडर ने आयरलैंड के खिलाफ 2007 में 12 रन देकर 4 विकेट लिए थे। ब्रॉड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2010 में 44 रन देकर 4 विकेट लिए थे।

अफगानिस्तान की रन के हिसाब से सबसे बड़ी जीत

अफगानिस्तान ने 177 रन से साउथ अफ्रीका को हराकर वनडे में रन के हिसाब से सबसे बड़ी जीत दर्ज की। इससे पहले 2018 में शारजाह में ही उसने जिमबाब्वे को 145 और 146 रन से हराया था। 2023 में बांग्लादेश को चट्टोग्राम में 142 रन से हराया था। आयरलैंड को शारजाह में 2017 138 रन से हराया था। रन के हिसाब से साउथ अफ्रीका की यह 5वीं सबसे बड़ी हार थी। भारत से सबसे बड़ी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। कोलकाता में 2023 में 243 से हराया था।

एम्मा राडुकानू पैर की चोट के कारण क्वार्टर फाइनल से रिटायर

सोल, एजेंसी। ब्रिटिश टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू को लगातार पैर की चोट के कारण शीर्ष वरीयता प्राप्त रूस की डारिया कसात्किना के खिलाफ कोरिया ओपन के क्वार्टर फाइनल से रिटायर होने के लिए मजबूर होना पड़ा। 21 वर्षीय खिलाड़ी, जिसने यू युआन के खिलाफ अपने पिछले मैच में असुविधा के लक्षण दिखाए थे, विश्व नंबर 13 के खिलाफ शुरू से ही संघर्ष करती रही। पहले सेट के पांचवें गेम के बाद राडुकानू को मेडिकल टाइमआउट की आवश्यकता थी, लेकिन खेल जारी रखने के प्रयासों के बावजूद उन्होंने शुरुआती सेट 6-1 से हारने के बाद अंततः रिटायर होने का फैसला किया। चोट से उबरना बहुत मुश्किल साबित हुआ, जिससे सोल में उनका अभियान छोटा हो गया।अपने आखिरी मैच में राडुकानू ने चीन की यू युआन पर सीधे सेटों में जीत हासिल की। दुनिया में 70वें स्थान पर काबिज ब्रिटिश खिलाड़ी ने लगातार छह गेम जीतकर पहला सेट अपने नाम किया और दूसरे पर कब्ज़ा कर लिया। उसने अंततः अपने सातवें मैच प्वाइंट को बदलकर 6-4, 6-3 से जीत हासिल की और सोल में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कसात्किना का सामना हमवतन डायना श्नाइडर या यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक से होगा, शुक्रवार को बारिश की वजह से खेल बाधित होने के बाद मैच शनिवार को होगा। राडुकानू के लिए, यह 2021 में उनकी ऐतिहासिक यूएस ओपन जीत के बाद से चोटों और असंगत प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के बाद शीर्ष फॉर्म हासिल करने की उनकी खोज में एक और झटका है।

9वें राउंड के बाद भारत पहले स्थान परः उज्बेकिस्तान से ड्रॉ खेला

नई दिल्ली, एजेंसी। 45वें फिडे चेस ओलिंपियाड में उज्बेकिस्तान ने भारत के लगातार 8 मैच की विनिंग स्ट्रीक पर रोक लगा दी। ओपन रैंकिंग में भारत का मुकाबला उज्बेकिस्तान से हुआ। दोनों टीम ने 2-2 से ड्रॉ खेला।भारत नौ राउंड पूरा होने के बाद ओपन कैटेगरी में 17 पॉइंट्स के बाद टॉप पर है। वहीं विमेंस कैटेगरी में 15 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गया हैं। टूर्नामेंट का 11वां और फाइनल राउंड 22 सितंबर को खेला जाएगा। शुक्रवार को नौवें राउंड के ओपन कैटेगरी में भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने उज्बेकिस्तान?के अब्दुसत्तोरोव नोदिरिबेक के साथ 0.5-0.5 से ड्रॉ खेला। इसके अलावा सभी मैच ड्रॉ रहें। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में चल रहे टूर्नामेंट में भारतीय विमेंस टीम का मुकाबला भी ड्रॉ रहा। अमेरिका और भारत को 2-2 पॉइंट मिले। चेस ओलिंपियाड के हर राउंड में 4 इंडिविजुअल मुकाबले होते हैं। हर मुकाबले को जीतने पर एक अंक मिलता है, जबकि ड्रॉ की स्थिति में आधा अंक मिलता है।

एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर के लिए हरमनप्रीत सिंह नॉमिनेट

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच हॉकी प्रो लीग और पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। 28 वर्षीय डिफेंडर ने इससे पहले 2020-21 और 2021-22 में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता था। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए फिर से नॉमिनेट होना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों में शामिल होने पर मैं बहुत खुश हूं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि यह मेरी टीम के समर्थन के बिना संभव नहीं हो पाता। एफआईएच हॉकी प्रो लीग और पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में मैंने जितने भी गोल किए हैं, वे सब टीम की बदौलत ही संभव हो पाए हैं।

हरमनप्रीत को 2024 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों को ध्यान में रखने के बाद थियरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप डी मोल (नीदरलैंड), हेंस मुलर (जर्मनी) और जैक वालेस (इंग्लैंड) के साथ नामित किया गया है।

हॉकी के कैप्टन कूल ने अपने शानदार डिफेंस और पेनल्टी कॉर्नर से बेहतरीन गोल करने की क्षमता के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम को ओलंपिक गेम्स पेरिस 2024 में कांस्य पदक जिताया। उन्होंने ओलंपिक में आठ मैचों में 10 गोल किए, जिनमें से सात गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए जबकि बाकी तीन गोल पेनल्टी स्ट्रोक से आए। उन्होंने कहा, पेरिस 2024 ओलंपिक न केवल इस साल का सबसे शानदार टूर्नामेंट था, बल्कि मेरे अब तक के पूरे

करियर का सबसे शानदार सफर था। टीम ने हमेशा मेरा साथ दिया है, खासकर पिछले साल विश्व कप के दौरान, जब मैं पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं कर पा रहा था। लेकिन टीम ने मुझे किसी भी तरह से खुद को दोषी नहीं मानने दिया जबकि उन्होंने ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करने और पदक जीतने के लिए समर्थन दिया। मेरे दिमाग में हमेशा यह बात रही कि मुझे टीम द्वारा मुझ पर रखे गए भरोसे पर खरा उतरना है।

ओलंपिक खेलों के बाद छोटे ब्रेक से लौटने के बाद, हरमनप्रीत ने चीन के मोकी में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 पर अपनी नजरें टिकाईं। टीम की अगुवाई करते हुए उन्होंने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए, जिसमें भारत ने चीन में अपना खिताब बरकरार रखा।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट

6 साल के टेस्ट करियर में धोनी को पछाड़ गए ऋषभ पंत, बनाए यह 5 विशेष रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी।भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने करीब दो साल बाद टेस्ट क्रिकेट में अपनी मजबूत वापसी कर ली है। बांग्लादेश के खिलाफ पहली पारी में 39 रन बनाने वाले पंत ने दूसरी पारी में शानदार प्रदर्शन किया और 109 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। पंत ने अपनी पारी में 128 गेंदों पर 13 चौके और 4 छक्कों की मदद से 109 रन बनाए। 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डैब्यू करने वाले पंत का यह छठा शतक रहा। उन्होंने इतने कम वक्त में ही धोनी के टेस्ट शतकों का रिकॉर्ड बराबर कर लिया है।

भारतीय विकेटकीपरों द्वारा सर्वाधिक टेस्ट शतक

6 - ऋषभ पंत (58 पारियां)
6 - एमएस धोनी (144 पारियां)
3 - रिद्धिमान साहा (54 पारियां)

पंत के साथ जुड़े विशेष आंकड़े यादगार पारियांः सिडनी में 159*, एजबेस्टन में 146, ओवल में 114 रन, चेपॉक में 109, अहमदाबाद में 101, न्यूलैंड्स में 100*, 89* गाबा में, मीरपुर में 93, सिडनी में 97, चिनास्वामी में 96, राजकोट में 92, हैदराबाद में 92 और चेपक में 91 रन।

नंबर 5 परः टेस्ट फार्मेट में नंबर 5 पर खेलना पंत का हमेशा से रास आता रहा है। उन्होंने इस नंबर पर 12 पारी में 79 की औसत से 869 रन बनाए हैं। जबकि उनकी स्ट्राइक रेट 91.8 रही है। उनके बल्ले से 2 शतक और 6 अर्धशतक भी निकल चुके हैं। सर्वाधिक 90+ स्कोर = टेस्ट में भारतीय विकेटकीपरों द्वारा सर्वाधिक 90+ रन बनाने के मामले में पंत ने धोनी को पछाड़ दिया।

मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए हार्दिक पांड्या की हो सकती है वापसी; रणजी भी खेलने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी।बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के एक बड़े दौरे के मद्देनजर, भारत के सफेद गेंद विशेषज्ञ हार्दिक पांड्या आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भाग लेकर ब्रेक के बाद एक्शन में लौटने की योजना बना रहे हैं।

हालांकि, सूत्रों ने बताया कि भारत का यह ऑलराउंडर भी अपने राज्य के लिए रणजी ट्रॉफी खेलना चाहता है, जो रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी और फिर से टेस्ट क्रिकेट खेलने की उम्मीद का संकेत है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि 2024 में टी20 विश्व कप में भारत की जीत के स्टार पांड्या के बड़ौदा के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलने की संभावना है।

सूत्रों के मुताबिक, भारत के ऑलराउंडर ने बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को घरेलू सफेद गेंद क्रिकेट खेलने की इच्छा व्यक्त की है। सूत्र ने बताया, रणजी ट्रॉफी में भी हार्दिक खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज को ध्यान में रखते हुए वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी की तलाश में हैं। पांड्या मौजूदा दलीप ट्रॉफी में शामिल नहीं हैं, लेकिन ऐसा महसूस किया जा रहा है कि रणजी ट्रॉफी में खेलने की उनकी इच्छा प्रतिष्ठित पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल होने का एक प्रयास हो सकती है।

शाकिब अल हसन बने सबसे उम्रदराज बांग्लादेशी टेस्ट क्रिकेटर

चेन्नई, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला रोमांचक नजर आ रहा है। दोनों ही टीमों के गेंदबाजों को पिच से खूब मदद मिल रही है, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने भी दमखम दिखाया और मैच में पकड़ मजबूत रखी। इस बीच शाकिब अल हसन के नाम एक खास रिकॉर्ड दर्ज हुआ।

शनिवार को बांग्लादेश क्रिकेट इतिहास में अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने अपना नाम दर्ज करा लिया। वह टेस्ट मैच खेलने वाले अपने देश के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। 37 वर्ष और 181 दिन की उम्र में शाकिब चेन्नई में भारत के खिलाफ बांग्लादेश के पहले टेस्ट के तीसरे दिन मैदान पर उतरे और उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद रफीक का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2008 में आखिरी बार 37 वर्ष और 180 दिन की उम्र में टेस्ट मैच खेला था।

एक दशक से भी ज्यादा समय से बांग्लादेश क्रिकेट में अहम भूमिका निभाने वाले शाकिब ने इस नई उपलब्धि के साथ अपने शानदार करियर को और भी आगे बढ़ाया है।

खेल के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक माने जाने वाले शाकिब काफी समय से

खेल रहे हैं और टीम के लिए उनके योगदान ने क्रिकेट जगत पर बड़ी छाप छोड़ी है।

जबकि शाकिब की उपलब्धि महत्वपूर्ण है, सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर का विश्व रिकॉर्ड इंग्लैंड के विल्फ्रेड रोड्स के नाम है, जिन्होंने 1930 में 52 वर्ष और 165 दिन की उम्र में अपना अंतिम टेस्ट खेला था।रोड्स का रिकॉर्ड, साथ ही उनका उल्लेखनीय 30 साल का टेस्ट करियर, क्रिकेट की सबसे लंबे समय तक चलने वाली उपलब्धियों में से एक है।हालांकि, मैदान पर बांग्लादेश ने खुद को एक मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ मुश्किल स्थिति में पाया। शुभमन गिल ने तीसरे दिन अपना सातवां टेस्ट अर्धशतक बनाया और ऋषभ पंत अपने 12वें अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे, जिससे भारत एक मजबूत स्थिति में है।इससे पहले दूसरे दिन भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बांग्लादेश की बल्लेबाजी लाइनअप पर कहर बरपाया और 50 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जिससे मेहमान टीम पहली पारी में मात्र 149 रन पर ढेर हो गई।

लीजेंड्स लीग क्रिकेटः कोणार्क सूर्य ओडिशा ने मणिपाल टाइगर्स को दो रनों से दी मात

जोधपुर, एजेंसी। कोणार्क सूर्य ओडिशा ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट के अपने पहले मैच में गत चैम्पियन मणिपाल टाइगर्स को दो रन से हराकर अपनी पहली जीत हासिल की। यह कम स्कोर वाला मैच दोनों टीमों के गेंदबाजों द्वारा अच्छी तरह से नियंत्रित किया गया, लेकिन अंत में ओडिशा की टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ दिया। टॉस जीतने के बाद, मणिपाल टाइगर्स के कप्तान हरभजन सिंह ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले इनिंग्स में बल्लेबाजी के लिए रिचार्ड लेवी और अम्बाती रायडू ने कोनार्क सूर्य ओडिशा के लिए पारी की शुरुआत की। उन्हें जल्दी ही एक झटका लगा, जब अम्बाती रायडू (8) को अनुरीत सिंह ने केवल 14 के स्कोर पर 1.4 ओवर में आउट कर दिया। लेवी के साथ केविन ओब्रायन ने मध्य में बल्लेबाजी की। ओडिशा की टीम फिर 3.3 ओवर में 28/3 पर पहुंच गई। रिचार्ड

लेवी ने 6 गेंदों पर केवल 6 रन बनाए, जबकि केविन ओब्रायन ने 5 गेंदों पर 6 रन बनाए। दिलशान मुनावेरा (11) ने मध्य में कुछ इरादा दिखाया, लेकिन 32 के स्कोर पर ओबुस पिएनार द्वारा स्टम्प आउट कर दिया गया। कप्तान इरफान पठान ने 23 गेंदों में 18 रन की शानदार पारी खेली, इसके बाद उन्हें हरभजन सिंह ने क्लीन बोल्ड किया। यूसुफ पठान (3) और राजेश बिश्नोई (3) भी अच्छा स्कोर नहीं बना सके। रॉस टेलर केवल 28 गेंदों में 14 रन बना सके। पारी के अंत में, नविन स्टीवर्ट ने 12 गेंदों पर 17 रन बनाए और विनय कुमार 5 गेंदों पर 11* रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे उनकी टीम 20 ओवर में 104/9 का कुल स्कोर खड़ा कर सकी।

मणिपाल टाइगर्स के लिए, ओबुस पिएनार सबसे बेहतरीन गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवर में 2/10 के आंकड़े दर्ज किए। अनुरीत सिंह ने भी 4 ओवर में 2/26 लिए। कप्तान हरभजन सिंह, शेल्डन कॉट्रेल और राहुल शुक्ला ने इस इनिंग में एक-एक विकेट लिया। 106 के लक्ष्य का पीछा करते हुए, रॉबिन उथप्पा और सोलोमन मिरे ने मणिपाल टाइगर्स के लिए पारी की शुरुआत की। शाहबाज़ नदीम ने इनिंग्स की दूसरी गेंद पर उथप्पा को डक पर आउट करके पहला विकेट लिया। मिरे को फिर मध्य में मनोज तिवारी का साथ मिला। वे 2.5 ओवर में 4/3 पर पहुंच गए। सोलोमन मिरे भी बिना खाता खोले आउट हो गए। मनोज तिवारी केवल 9 गेंदों पर 2 रन जोड़ सके, इसके बाद उन्हें बेन लॉफलिन ने आउट किया। सौरभ तिवारी प्रभाव खिलाड़ी के रूप में आए, लेकिन केवल 17 गेंदों में 5 रन ही बना सके। असेला गुणरत्न ने पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन शाहबाज़ नदीम ने उन्हें 18 गेंदों में 15 रन पर आउट कर दिया।

आगे खिसकी सूर्या की कंगुवा की रिलीज की तारीख, अब रजनीकांत की वेट्टैयन के साथ नहीं भिड़ेगी फिल्म

साउथ सुपरस्टार सूर्या की कंगुवा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसकी रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वे लगातार फिल्म से जुड़ी छोटी सी छोटी जानकारी पाने के लिए उत्सुक रहते हैं। अब इस फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। यह फिल्म पहले 10 अक्तूबर को रिलीज होने वाली थी। अब यह तय समय पर रिलीज नहीं होगी। निर्माताओं ने इसकी रिलीज की तारीख को आगे खिसका दिया है, जिससे सूर्या के प्रशंसक निराश हो गए हैं।

निर्देशक सिरुथाई शिवा की सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पटानी अभिनीत फिल्म कंगुवा की रिलीज डेट बदल दी गई है। यह फैंटेसी-एक्शन फिल्म पहले 10 अक्तूबर को रिलीज होने वाली थी। अब यह फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट साझा करते हुए इसका एलान किया है। कंगुवा अब नवंबर में रिलीज होगी। इसकी घोषणा करते हुए फिल्म के निर्माता स्टूडियो ग्रीन ने एक्स पर लिखा, गर्व और गौरव की लड़ाई, जिसे दुनिया देखेगी। कंगुवा का शक्तिशाली शासन 14 नवंबर 2024 से स्क्रीन पर धूम मचाएगा।

दरअसल, इससे पहले कंगुवा 10 अक्तूबर को टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी रजनीकांत अभिनीत वेट्टैयन के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराने वाली थी, लेकिन इस टकराव से बचने के लिए फिल्म की रिलीज को स्थगित कर दिया गया था। निर्देशक सिरुथाई शिवा की कंगुवा एक महत्वाकांक्षी फैंटसी एक्शन है फिल्म है, जिसे कथित तौर पर 350 करोड़ रुपये से अधिक के भारी बजट पर तैयार किया गया है। फिल्म में सूर्या और बॉबी देओल के अलावा दिशा पटानी, नटराजन सुब्रमण्यम, जगपति बाबू, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, आनंदराज, मारीमुथु, दीपा वेंकट, रवि राघवेंद्र और केएस रविकुमार सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे।

काश मैं गोलू जितनी ही निडर होती

मसान की मासूम शालू गुप्ता हो या फिर मिर्जापुर की दबंग गोलू गुप्ता। श्वेता त्रिपाठी ने अपनी ऐक्टिंग के दम पर इन किरदारों में जान डाल दी। बीते दिनों श्वेता त्रिपाठी से हुई खास बातचीत में उन्होंने कई मुद्दों पर खूब बातें कीं।

आंकड़े मुझे समझ नहीं आते

शो क्या मस्त है लाइफ में जेनिया खान नाम का किरदार था। मैंने उसके लिए ऑडिशन दिया और सिलेक्शन हो गया था। मुझे लगता है कि आपको मौके के लिए तैयार रहना चाहिए। जब मिले, तब कैच कर लें। नहीं पता था कि मुझे असल में क्या करना है। बहुत से लोग लक्ष्य बनाकर काम करते हैं। उन पर यह ट्रिक काम भी करती है। मुझे बस कुछ चीजें ही समझ आती हैं जैसे मेरी फिल्म कितने थिएटर में रिलीज हो, वो फिल्म क्या कहना चाहती है, उसमें नयापन क्या है? फिल्म ने कितना कमाया, बॉक्स ऑफिस के आंकड़े मुझे समझ नहीं आते। यह मेरी प्राथमिकता नहीं है।

काश, मैं गोलू जितनी ही निडर होती

मिर्जापुर में मेरा गोलू का किरदार काफी पसंद किया गया। एक दबंग किरदार है। अगर आप मुझसे पूछेंगे कि क्या यह कैरेक्टर आपसे रिलेट करता है तो मैं कहूंगी कि काश मैं भी गोलू की तरह निडर होती। वैसे, मैं निडर हूं लेकिन गोलू जितनी नहीं। सच बताऊं तो गोलू के कैरेक्टर के लिए मुझे बुरा फील होता है क्योंकि वह एक साधारण सी लड़की थी लेकिन उसकी जिंदगी से बहन, दोस्त को छीन लिया जाता है। वह मजबूरी में ऐसी बनी है। मुझे लग रहा था कि शायद मुझे गोलू की तरह ही किरदार ऑफर होने लगें लेकिन ऐसा नहीं है। मेरी अभी वेब सीरीज ये काली काली आंखें आने वाली है, इसमें मेरा किरदार बहुत अलग है। मैं शुक्रगुजार हूं कि अभी तक मुझे जितने भी रोल मिले हैं, वो एक दूसरे से बहुत अलग हैं।

ओटीटी से दुनिया खुल गई

मिर्जापुर एक ऐसी सीरीज है, जिसको दर्शकों का बहुत प्यार मिला। अभी इसका चौथा सीजन लिखा जा रहा है। सीरीज को जितना पसंद किया गया, उससे हम लोगों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। दर्शक नया और अनोखा देखने की उम्मीद करते हैं। ओटीटी की बात की जाए तो सिर्फ ऐक्टर ही नहीं बल्कि राइटर, लाइटमैन, स्पॉट बॉय तक को खूब काम मिल रहा है। ओटीटी की वजह से स्क्रीन का साइज बड़ा कर दिया गया है। अब हम बिहार में बैठकर विदेशी फिल्में देख सकते हैं। ओटीटी से दुनिया खुल गई है। मेरे हिसाब से आर्ट और कहानियां भाषा में नहीं बंधनी चाहिए। पहले इंटरनैशनल अवॉर्ड विनिंग मूवी देखने के लिए ढूंढनी पड़ती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है।

वकील, हाइस्ट और टीचर का रोल करना है

मुझे टीचर का किरदार निभाना है। मुझे वकील बनना था। अगर मुझे दमदार वकील का रोल मिला तो जरूर करूंगी। मनी हाइस्ट में प्रोफेसर की तरह वाला रोल करने की तमन्ना है। यह तीन ऐसे किरदार हैं, जिनको मैं शिद्दत के साथ करना चाहती हूं। बस मौके की तलाश में हूं।

तुम्बाड को सोहम शाह ने बताया अन्य हॉरर फिल्मों से अलग, फिल्म के सीक्वल को लेकर भी की बात

साल 2018 की फिल्म तुम्बाड को दोबारा से सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है, फिल्म काफी शानदार प्रदर्शन भी कर रही है। इस बीच फिल्म के सह-निर्माता और अभिनेता सोहम शाह ने इसे अन्य हॉरर फिल्मों से काफी अलग बताया है।

लोकप्रिय और बेहद चर्चित फिल्म तुम्बाड एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज की गई है। फिल्म की मूल रिलीज साल 2018 में हुई थी। अब इसके छह साल बाद इसे दोबारा से रिलीज किया गया है। दिलचस्प बात है कि फिल्म इस बार टिकट खिड़की पर पहले से भी ज्यादा सफल साबित हुई है। फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। इस फिल्म के सह-निर्माता और अभिनेता सोहम शाह ने फिल्म की सफलता को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने हाल में ही इंडिया टुडे के साथ एक इंटरव्यू के दौरान इसे समकालीन हॉरर फिल्मों से अलग बताया है। इंटरव्यू के दौरान सोहम शाह ने कहा कि ये फिल्म अन्य हॉरर फिल्मों से अलग है। उन्होंने फिल्म के अनूठे पहलुओं पर जोर देते हुए कहा कि ये स्त्री और मुंजा जैसी अन्य लोककथा आधारित हॉरर फिल्मों में अलग है। अभिनेता ने कहा कि वो लोग दादी-नानी की कहानियां नहीं बना रहे। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या मैडॉक की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स को मिली शानदार सफलता को देखते हुए उनके लिए तुम्बाड 2 बनाना आसान होगा, जो एक जैसे थीम पर आधारित हैं? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि दोनों में महत्वपूर्ण अंतर है। अभिनेता सह निर्माता ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह कोई समस्या है। उन्होंनें कहा, वो फिल्में अलग हैं, उनमें कोई भी तुम्बाड जैसी नहीं हैं। इन कहानियों में काफी अंतर है। उन्होंने आगे कहा कि तुम्बाड एकमात्र ऐसी फिल्म है, जो दादी-नानी की कहानियों पर आधारित है। अभिनेता ने इसमें जोड़ते हुए आगे कहा, वे दादी-नानी की कहानियां नहीं बना रहे हैं। हमारी कहानी आधुनिक समय पर आधारित नहीं है। हमारी फिल्म उस समय में शुरू और खत्म होती है। हमारे पास एक राक्षस है।

तुम्बाड 2 की स्क्रिप्ट पर चल रहा है काम

अभिनेता ने तुम्बाड की दोबारा रिलीज को मिली सफलता पर दर्शकों का आभार जताया। निश्चित तौर पर फिल्म को मिली इस सफलता से उन्हें तुम्बाड 2 को लेकर प्रोत्साहित किया है। इस वजह से हाल में ही उन्होंने एक छोटे टीजर से इस फिल्म के सीक्वेल की घोषणा की है। उन्होंने इसके सीक्वेल को लेकर कहा कि फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन के चरण में है।

धनुष की अगली फिल्म इडली कढ़ाई का एलान

अभिनेता धनुष ने अपनी अगली फिल्म का एलान कर दिया है। यह निर्देशक के रूप में उनकी चौथी और अभिनेता के रूप में 52वीं फिल्म है। अभिनेता ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म का कॉन्सेप्ट पोस्टर साझा किया। वहीं, उन्होंने इसके शीर्षक से भी पर्दा उठा दिया पोस्ट देख साफ हुआ कि फिल्म का नाम इडली कढ़ाई है। इडली कढ़ाई के एलान ने धनुष के प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया है।

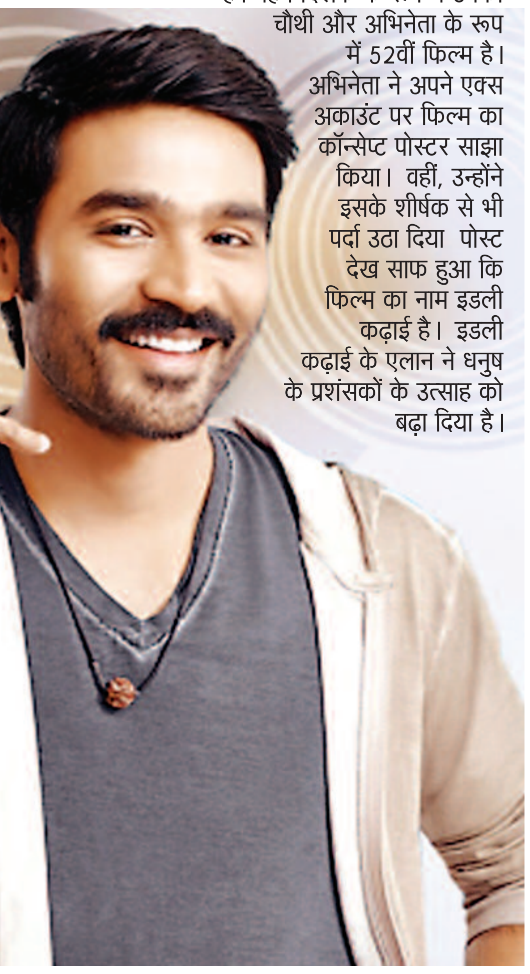

आयरनमैन ट्रायथलॉन को पूरा करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं सैयामी

सैयामी खेर ने कई भारतीय फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। बड़े पर्दे पर चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने वाली सैयामी ने साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म मिर्जिया से हिंदी फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत की थी। सैयामी अग्नि में एक अग्निशमन दस्ता के सदस्य की भूमिका में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने कुछ खतरनाक स्टंट भी किए थे। घूमर में भी पैराप्लेजिक किरदार की अपनी भूमिका से सभी का दिल जीता। अब कई महीनों के गहन प्रशिक्षण के बाद आयरनमैन ट्रायथलॉन 2024 को सैयामी खेर ने सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। सैयामी ने बर्लिन में आयरनमैन दौड़ में भाग लिया था।

सैयामी ने आयरनमैन 70.3 रेस को पूरा कर लिया है। इस ट्रायथलॉन में दौड़, तैराकी, साइकिलिंग शामिल होता है। इन सभी को मिलाकर कुल 113 किमी दूरी तय करनी होती है। बता दें सैयामी इसके लिए काफी दिनों से मेहनत कर रही थीं। सैयामी फिल्मों की शूटिंग के साथ समय निकालकर इस ड्रीम को पूरा करने की जीतोड़ कोशिश करती रहीं। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होंने ये मुकाम हासिल कर लिया। सैयमी ऐसी पहली भारतीय अभिनेत्री हैं, जिन्होंने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में आयरनमैन 70.3 को पूरा किया है। सैयामी के अलावा, आयरनमैन ट्रायथलॉन में भाग लेने वाले एकमात्र बॉलीवुड सेलिब्रिटी मिलिंद सोमन हैं।

सैयामी ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की और लिखा, आयरनमैन 70.3 फिनिशर यह कुछ रोमांचकारी था, कड़ाके की ठंड और रास्ते में रास्ता भटक जाना! एक बार जब यह सब समझ में आ जाए, तो जल्द ही लंबी पोस्ट लिखूंगी। बता दें अभिनेत्री अपनी फिल्म घूमर की स्क्रीनिंग के लिए कनाडा में थीं और वहां से सीधे दौड़ के लिए जर्मनी पहुंचीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस रेस को पूरा करने के बाद सैयामी ने इंटरव्यू में कहा, आयरनमैन 70.3 की फिनिश लाइन को पार करना और वह पदक हासिल करना मेरे जीवन के सबसे गौरवपूर्ण क्षणों में से एक है।

इंडस्ट्री में छह साल बिताने के बाद भी इस चीज से जूझ रहे हैं ईशान

ईशान खट्टर अपनी वेब सीरीज द परफेक्ट कपल को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उन्होंने निकोल किडमैन, डकोटा फैनिंग और ईव हेवसन के साथ काम किया है। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि इंडस्ट्री में उन्हें सबसे ज्यादा किस चीज से जूझना पड़ता है। यही नहीं, उन्होंने यह भी बताया कि है कि उन्हें सबसे ज्यादा किस चीज को लेकर फीडबैक मिला है।

ईशान खट्टर भले ही सिर्फ कुछ फिल्में ही कर चुके हों, लेकिन उन्होंने बड़े पर्दे, ओटीटी और हॉलीवुड दोनों पर अपने प्रोजेक्ट्स की वजह से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली है। धड़क (2018) में जान्हवी कपूर के साथ हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाले इस अभिनेता ने पिप्पा, ए सूटेबल बॉय और कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। हालांकि, इंडस्ट्री में करीब छह साल रहने के बाद भी, अभिनेता अभी भी एक बड़ी कमी से जूझ रहे हैं और वह है कि बहुत कम उम्र का दिखना।

हाल ही में, इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मुझे जो सबसे लगातार फीडबैक मिला है, वह यह है कि मैं बहुत कम उम्र का दिखता हूं। उन्होंने आगे कहा, जब मैंने शुरुआत की थी तब मैं 21 साल का था। अभिनेता ने आगे बताया कि लंबे समय से मुझे यही फीडबैक मिल रहा है कि मैं बहुत यंग दिखता हूं। अच्छा हो या बुरा, हम यहां युवा चेहरों और युवा अभिनेताओं के लिए बहुत ज्यादा भूमिकाएं नहीं लिखते हैं। इसलिए, मैं बहुत भाग्यशाली था कि मुझे दो-तीन सालों में ही कुछ अच्छे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला है।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए, ईशान ने कहा, मैंने कभी भी बहुत ज्यादा प्लान नहीं बनाए हैं। मैं काफी हद तक भाग्यशाली भी रहा हूं और मुझे ऐसे अवसर मिले हैं। मैं अपने करियर में केवल छह साल ही रहा हूं और मुझे शानदार अवसर मिले हैं। मैंने हमेशा अपने काम को अलग-अलग तरह से करने का प्रयास किया है।

टीवी से होने के कारण फिल्मों से हाथ धो बैठीं क्रिस्टल डिसूजा?

क्रिस्टल डिसूजा टीवी इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री हैं। क्रिस्टल को एक हजारों में मेरी बहना है से लोकप्रियता हासिल हुई थी। हालांकि, एक ऐसा समय भी आया, जब अभिनेत्री को घर बैठना पड़ गया था। हाल ही में, बॉलीवुड बबल से एक बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें एक प्रोजेक्ट की शूटिंग से दो दिन पहले बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। अभिनेत्री ने आगे यह भी कहा कि ऐसा भी हुआ है मेरे साथ की शूट के लिए मुझे दो दिन पहले निकलना होता है और ऐसे कॉल आते हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि मेरे हाथ से कई फिल्में इसलिए भी निकल चुकी हैं क्योंकि हम लोग टीवी से हैं।